केंद्रीय मंत्री अमित शाह बोले- भाजपा को बैसाखियों की जरूरत नहीं- 12

वित्त मंत्रालय ने कहा-घरेलू मांग के कारण वृद्धि की संभावना मजबूत- 12

टैरिफ तनाव के बीच भारत-अमेरिकी संबंधों को पटरी पर ले आने के प्रयास-13

श्रेयस अय्यर आंतरिक रक्तस्राव के कारण आईसीयू में भर्ती-14

आज का मौसम

26.0° अधिकतम तापमान

19.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.14

सूर्यास्त 05.30

अमृत विचार

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

कानपुर नगर

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

कार्तिक शुक्ल पक्ष षष्ठी 8:00 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 28 अक्टूबर 2025, वर्ष 4, अंक 67, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये

मुख्यमंत्री ने अस्ताचलगामी सूर्य को दिया अर्घ्य

मंत्रोच्चार और आस्था के वातावरण में मुख्यमंत्री योगी ने सोमवार को गोमती के तट पर श्रद्धा-समर्पण भाव से अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दे प्रदेश की सुख-समृद्धि व जनकल्याण की कामना की। साथ ही उपस्थित श्रद्धालुओं को छठ पर्व की शुभकामना भी दीं। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भी अर्घ्य दिया।

मुस्तफाबाद का बदलेगा नाम, अब होगा कबीरधाम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बोले-नाम वही होना चाहिए जो हमारे संतों, परंपराओं और संस्कृति की पहचान कराए

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखीमपुर जिले के मुस्तफाबाद स्थित कबीरधाम में बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि अब मुस्तफाबाद का नाम बदलकर कबीरधाम रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि जब गांव में एक भी मुस्लिम नहीं रहता, तो उसका नाम मुस्तफाबाद क्यों हो। यह गांव संत कबीरदास जी की तपोभूमि है, इसलिए अब इसका नाम कबीरधाम ही उचित है।

मुख्यमंत्री विश्व कल्याण आश्रम में स्मृति प्राकट्योत्सव मेला-2025 में भाग लेने आए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में ऐसे कई स्थान हैं, जहां की पहचान उनकी संस्कृति और परंपरा से मेल नहीं खाती। सरकार इन स्थानों के नाम उनके ऐतिहासिक और आध्यात्मिक स्वरूप के अनुरूप करने के लिए प्रतिबद्ध है। कहा कि हमारे संतों, महापुरुषों और ऋषियों ने इस देश की आत्मा को दिशा दी है। आज का भारत उन्हीं की विचारधारा और त्याग की नींव पर खड़ा है। सभा के दौरान योगीने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हुए बदलावों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले दुनिया में भारत की कोई ठोस पहचान नहीं थी। देश दिशाहीन था, लेकिन नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने तब भारत ने अपनी वैश्विक पहचान दोबारा हासिल की। आज भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। आने वाले समय में अमेरिका, चीन और भारत ही शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाएं होंगी। मुख्यमंत्री ने केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं पर भी प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत देश के 50 करोड़ लोग मुफ्त स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ उठा रहे हैं। उज्ज्वला योजना से गरीब परिवारों की रसोई में गैस सिलेंडर पहुंचा, स्वच्छ भारत मिशन के तहत घर-घर शौचालय बने, और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत पात्र परिवारों को मुफ्त राशन मिल रहा है। उन्होंने कहा, आज भारत का गरीब आत्मविश्वास के साथ कह सकता है कि यह सरकार उसकी अपनी सरकार है। पहले जहां योजनाओं का लाभ बिचौलियों तक सीमित था, वहीं अब सबका हक सीधे उनके खाते में पहुंच रहा है। योगी ने अंत में कहा कि कबीरधाम संत कबीर की शिक्षाओं और समानता, सत्य और प्रेम के संदेश का प्रतीक बनेगा। सरकार संत परंपरा को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि पीढ़ियां संस्कृति और संत विचारधारा से जुड़ी रहें।

कैसे हुई कबीरधाम की स्थापना

मुस्तफाबाद स्थित कबीरधाम में बने विश्व कल्याण आश्रम के प्रवीण गुरु बताते हैं कि इस भूमि पर कबीरदास के शिष्य विशाल देव के शिष्य क्षमा देव जी आते थे। उन्होंने ही 1952 में यहां कबीरधाम की स्थापना की थी। पूज्य गुरुदेव क्षमादेव के शिष्य असंग देव महाराज वर्तमान में इस आश्रम को आगे बढ़ा रहे हैं। इसका नाम बदलने से अब इसकी पहचान सर्वव्यापी हो सकेगी।

न्यूज ब्रीफ

कैमरून में 92 साल के पॉल बिया आठवीं बार राष्ट्रपति चुने गए

याओन्दे। कैमरून में पॉल बिया को आठवीं बार देश का राष्ट्रपति चुना गया है। सोमवार को संवैधानिक परिषद ने घोषणा की कि 92 वर्षीय बिया ने 53 .66 प्रतिशत वोट हासिल कर विजय हासिल की है। बिया के मुख्य प्रतिद्वंद्वी ईसा त्चिरोमा बाकारी को 35 .19 प्रतिशत वोट मिले। कुल 46 लाख मतदाताओं ने मतदान किया, जो कुल पंजीकृत मतदाताओं का 57 .76 प्रतिशत रहा। कैमरून पीपुल्स डेमोक्रेटिक मूवमेंट के नेता बिया अब अगले सात वर्षों के लिए पद पर बने रहेंगे। विपक्ष ने हालांकि चुनाव परिणामों को चुनौती दी है।

डॉलर के मुकाबले रुपये में 36 पैसे की गिरावट

मुंबई। निजी एवं सार्वजनिक बैंकों की डॉलर खरीद बढ़ाने से सोमवार को रुपये में 36 पैसे की बड़ी गिरावट हुई और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 88 .19 रुपये का बिका। भारतीय मुद्रा पिछले कारोबारी दिवस पर 5 .50 पैसे टूटकर 87 .83 रुपये प्रति डॉलर पर रही थी। रुपये की शुरुआत सोमवार को चार पैसे की गिरावट के साथ 87 .87 रुपये प्रति डॉलर पर हुई। यह ऊपर 87 .86 रुपये प्रति डॉलर और नीचे 88 .31 रुपये प्रति डॉलर तक गया। कारोबारियों ने बताया कि निजी और सार्वजनिक बैंकों की ओर से डॉलर की मांग बढ़ने से रुपया कमजोर हुआ है।

यूपी, बंगाल समेत 12 राज्यों में 4 नवंबर से होगा एसआईआर

सोमवार रात से वोटर लिस्ट फ्रीज, 7 फरवरी तक चलेगा, मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने दी जानकारी

- एसआईआर के दूसरे चरण के लिए मतदान अधिकारियों का प्रशिक्षण होगा शुरू, केंद्रशासित प्रदेशों में भी होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

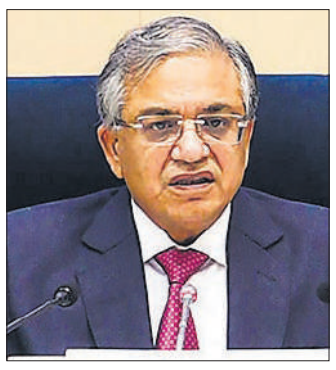

उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल समेत देश के 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की कवायद आगामी चार नवंबर से शुरू होगी और अंतिम मतदाता सूची अगले साल फरवरी में प्रकाशित होगी। यह जानकारी सोमवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने दी।

दूसरे चरण में छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, केरल, मध्य प्रदेश राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में एसआईआर कराया जाएगा। इनमें तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और पश्चिम बंगाल में 2026 में चुनाव संभावित हैं। मतदान अधिकारियों का प्रशिक्षण मंगलवार से शुरू होगा। कुमार ने संवाददाता सम्मेलन में स्पष्ट किया कि असम में मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण की घोषणा अलग से की जाएगी। असम में भी अगले साल विधानसभा चुनाव संभावित है। एसआईआर का दूसरा चरण चार नवंबर को गणना प्रक्रिया के साथ शुरू होगा और यह चार दिसंबर तक चलेगा। सोमवार रात से यह वोटर लिस्ट फ्रीज कर दी जाएगी। निर्वाचन आयोग 9 दिसंबर को मसौदा मतदाता सूची जारी करेगा और अंतिम मतदाता सूची सात फरवरी को प्रकाशित की जाएगी। कुमार ने असम के संदर्भ में कहा कि इस प्रदेश में नागरिकता अधिनियम का एक अलग प्रावधान लागू होता है। उनका कहना था, नागरिकता अधिनियम के तहत, असम में नागरिकता के लिए अलग प्रावधान हैं। सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में नागरिकता की जांच का कार्य लगभग पूरा होने वाला है। 24 जून का एसआईआर आदेश पूरे देश के लिए था। ऐसी परिस्थितियों में यह असम पर लागू नहीं होता। उन्होंने कहा, इसलिए असम के लिए अलग से पुनरीक्षण आदेश जारी किए जाएंगे और एसआईआर की एक अलग तिथि घोषित की जाएगी। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि मौजूदा एसआईआर स्वतंत्रता के बाद से ऐसी नौवीं कवायद है और पिछला एसआईआर 21 वर्ष पहले 2002-04 में हुआ था।

उन्होंने उल्लेख किया कि बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी की गई और इसको लेकर कोई भी अपील नहीं आई जो इस कवायद की सबसे बड़ी खूबी रही। एसआईआर यह सुनिश्चित करेगा कि कोई भी योग्य मतदाता का नाम छूट न जाए और किसी भी अयोग्य मतदाता का नाम मतदाता सूची में शामिल न हो।

अवैध विदेशी प्रवासियों को सूची से बाहर करना उद्देश्य

उत्तराखंड में अंतिम एसआईआर 2006 में हुआ था और उस वर्ष की मतदाता सूची अब राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट पर उपलब्ध है। राज्यों में अंतिम एसआईआर उसी तरह से 'कट-ऑफ' तिथि के रूप में काम करेगी जैसे बिहार की वर्ष 2003 की मतदाता सूची का उपयोग चुनाव आयोग ने गहन पुनरीक्षण के लिए किया था। अधिकांश राज्यों में मतदाता सूची का अंतिम एसआईआर 2002 और 2004 के बीच था और उन्होंने अपने-अपने राज्यों में हुए अंतिम एसआईआर के अनुसार वर्तमान मतदाताओं का मानचित्रण लगभग पूरा कर लिया है। एसआईआर का प्राथमिक उद्देश्य अवैध विदेशी प्रवासियों की जांच करके उनका नाम मतदाता सूची से बाहर करना है। बांग्लादेश और म्यांमार सहित विभिन्न देश के अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई के मद्देनजर यह कदम महत्वपूर्ण हो जाता है।

शीर्ष कोर्ट की राज्यों को फटकार, देश की छवि खराब हुई

आवारा कुत्तों के मामले में राज्यों के मुख्य सचिव तलब

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आवारा कुत्तों के मामले में अनुपालन हलफनामा दाखिल नहीं करने वाले राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को फटकार लगाई तथा कहा कि लगातार ऐसी घटनाएं हो रही हैं और देश की छवि विदेशों में खराब दिखाई जा रही है। कोर्ट ने पश्चिम बंगाल और तेलंगाना को छोड़कर सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को 3 नवंबर को अदालत में उपस्थित होकर यह बताने का निर्देश दिया कि उसके 22 अगस्त के आदेश के बावजूद अनुपालन हलफनामा क्यों नहीं दाखिल किया गया।

कोर्ट ने कहा कि प. बंगाल, तेलंगाना और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को छोड़कर अन्य किसी भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश ने अनुपालन शपथपत्र दाखिल नहीं किया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की तीन सदस्यीय विशेष पीठ ने कहा, आज 27 अक्टूबर है। कोई जवाब नहीं, कुछ भी नहीं। और लगातार घटनाएं हो रही हैं। न्यायालय ने कहा कि 22 अगस्त के आदेश का अनुसरण करते हुए केवल तीन अनुपालन हलफनामे दायर किए गए हैं। पीठ ने कहा, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। चूंकि उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया है इसलिए सभी राज्यों के मुख्य सचिवों (कुछ को छोड़कर) को अगले सोमवार सुबह साढ़े 10 बजे अदालत में उपस्थित रहना होगा और यह बताना होगा कि अनुपालन शपथपत्र क्यों दाखिल नहीं किए गए।

- न्यायालय ने हलफनामा दाखिल न करने पर जताई नाराजगी, अगली सुनवाई 3 नवंबर को

पीठ ने कहा, क्या अखबार नहीं पढ़ते आपके अधिकारी

सोमवार को सुनवाई के दौरान जब एक वकील ने कुछ दिशा-निर्देशों का उल्लेख किया, तो पीठ ने कहा, अधिकारियों को आने दीजिए, वे खुद बताएंगे। न्यायालय ने यह भी कहा कि नोटिस 22 अगस्त को जारी किए गए थे और इसकी खबर सभी अखबारों व सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रकाशित हुई थी। पीठ ने कहा, क्या आपके अधिकारी अखबार नहीं पढ़ते? क्या वे सोशल मीडिया नहीं देखते? क्या केवल औपचारिक नोटिस की जरूरत है? आदेश में (22 अगस्त को) सब कुछ स्पष्ट लिखा गया था।

लिव-इन पार्टनर महिला ने साथियों संग यूपीएससी अभ्यर्थी की हत्या की

नई दिल्ली, एजेंसी

अमृता चौहान

रामकेश मीणा

- मामले को दुर्घटना का स्वरूप देने के लिए शव को लगाई आग
- महिला, पूर्व प्रेमी व साथी गिरफ्तार, सभी मुरादाबाद के रहने वाले

गांधी विहार इलाके में यूपीएससी की तैयारी कर रहे 32 वर्षीय अभ्यर्थी का जला हुआ शव मिलने के कुछ दिनों बाद दिल्ली पुलिस ने हत्या के सिलसिले में उसकी 'लिव-इन पार्टनर' (सहजीवन साथी) सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। फोरेंसिक साइंस में बीएससी कर रही 21 वर्षीय महिला, उसके पूर्व प्रेमी और उनके साथी को गिरफ्तार कर लिया गया है। ये सभी उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के रहने वाले हैं।

पुलिस के एक सूत्र ने कहा, युवक के साथ 'लिव-इन' में रह रही महिला ने दोनों आरोपियों के साथ मिलकर उसकी हत्या की साजिश रची और बाद में उसके शव को आग लगा दी ताकि यह लगे कि यह आग दुर्घटनावश लगी है। मृतक की पहचान रामकेश मीणा के रूप में की गयी है। वह गांधी विहार स्थित एक इमारत की चौथी मंजिल पर रहता था। सूत्र ने बताया, छह अक्टूबर को पुलिस को एसी में विस्फोट के कारण फ्लैट में आग लगने की सूचना मिली। दमकल की गाड़ियों ने आग बुझाई और कमरे से बुरी तरह जला हुआ शव बरामद किया। शुरुआत में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। सूत्र ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज से पता चला है कि पांच और छह अक्टूबर की रात को चेहरा ढके दो लोग इमारत में घुसे थे और तड़के लगभग दो बजकर 57 मिनट पर एक महिला उनमें से एक के साथ बाहर निकलती हुई दिखाई दी।

मुरादाबाद में कई छापे मारे गए

जांच के दौरान महिला के कॉल डिटेल रिकॉर्ड से पता चला कि वह अपराध स्थल के पास मौजूद थी जिससे संदेह पैदा हुआ। मुरादाबाद में कई छापे मारे गए और 18 अक्टूबर को उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद उसके दो साथियों को भी गिरफ्तार कर लिया गया। महिला ने जांचकर्ताओं को बताया कि मीणा ने उसके अश्लील वीडियो रिकॉर्ड कर लिए थे और उन्हें डिलीट करने से इनकार कर दिया था। पूर्व प्रेमी के साथ मीणा को खत्म करने का फैसला कर लिया।

राम जन्मभूमि में दर्शनीय स्थलों का निर्माण पूर्ण

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : राम जन्मभूमि परिसर में सभी दर्शनीय स्थलों पर निर्माण का कार्य पूर्ण हो चुका है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपतराय ने सोमवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया कि 25 नवंबर को आयोजित ध्वजारोहण का कार्यक्रम संपन्न होने के बाद श्रद्धालुओं को सभी मंदिर में दर्शन कराए जाने के लिए मंथन किया जा रहा है। वहीं सूत्रों के अनुसार एक दिसंबर के बाद ही श्रद्धालु राम मंदिर के साथ परकोटा व सप्त ऋषि मुनियों के मंदिरों में भी दर्शन-पूजन कर सकेंगे।

महासचिव ने बताया कि दर्शनार्थियों से संबंधित मंदिर के सभी कार्य पूर्ण हो गए हैं। जिसमें रामलला के मुख्य मंदिर, परकोटा के 6 मंदिर - भगवान शिव, भगवान गणेश, भगवान हनुमान, सूर्यदेव, देवी भगवती, देवी अन्नपूर्णा तथा शेषावतार मंदिर भी पूर्ण हो चुके हैं। जिस पर ध्वज दंड एवं कलश स्थापित हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त सप्त मण्डपम में महर्षि वाल्मीकि, गुरु वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि अगस्त्य, निषादराज, शबरी एवं ऋषि पत्नी अहिल्या के मंदिरों का भी निर्माण पूर्ण हो चुका है। यात्री सुविधा केंद्र परिसर में संत तुलसीदास मंदिर में स्थापित हो चुके हैं। जटायु व गिलहरी की प्रतिमा भी स्थापित की जा चुकी हैं। अयोध्या के प्रांतीयकृत कार्तिक पूर्णिमा मेला में 14 कोसी परिक्रमा के दौरान 29 अक्टूबर की शाम 6 बजे से 31 अक्टूबर की सुबह आठ बजे तक अयोध्या को जोड़ने वाले सभी हाईवे पर भारी वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा। यातायात डायवर्जन लागू रहेगा। करीब 38 घंटे के लिए भारी मालवाहक वाहन आदि को प्रवेश नहीं मिलेगा।

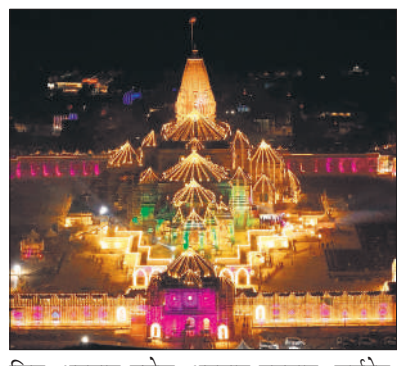

- ट्रस्ट ने दी जानकारी, श्रद्धालु दिसंबर से कर सकेंगे सभी मंदिरों में दर्शन-पूजन

देश के 53वें प्रधान न्यायाधीश बनेंगे न्यायमूर्ति सूर्यकांत

नई दिल्ली, एजेंसी

- सीजेआई गवई ने नाम की सिफारिश की, 14 महीने का होगा कार्यकाल

प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने केंद्र सरकार से न्यायमूर्ति सूर्यकांत को अगला प्रधान न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की है। वर्तमान सीजेआई के बाद वह दूसरे सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश, न्यायमूर्ति सूर्यकांत 24 नवंबर को 53वें प्रधान न्यायाधीश के रूप में पदभार ग्रहण कर सकते हैं।

सीजेआई गवई 23 नवंबर को सेवानिवृत्त होंगे। शीर्ष अदालत की ओर से कहा गया है, भारत के माननीय प्रधान न्यायाधीश, न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई, भारत के 53वें प्रधान न्यायाधीश के पद के लिए अपने उत्तराधिकारी के रूप में उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश, माननीय न्यायमूर्ति सूर्यकांत के नाम की सिफारिश करते हैं।

मेडिकल कॉलेज में महिला से दुष्कर्म सफाईकर्मी गिरफ्तार

शाहजहांपुर: राजकीय मेडिकल कॉलेज में एक महिला तीमारदार के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। यहां तैनात संविदा सफाईकर्मी ने महिला को डॉक्टर से बेहतर इलाज दिलाने के बहाने शौचालय में ले जाकर दुष्कर्म किया। इसकी जानकारी होते ही चौक कोतवाली पुलिस, फोरेंसिक टीम और मेडिकल कॉलेज प्रशासन मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने महिला की तहरीर पर आरोपी जयशंकर निवासी गढ़ी पूर्वी थाना कांट के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसने अपने रिश्तेदार के बेटे को तीन दिन पहले मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया था।

चेतावनी

राज्य के कई जिलों में होगी बेमौसम बारिश, गिरेगा तापमान

यूपी के मौसम को बे-अंदाज कर देगा चक्रवाती तूफान मोंथा

- गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम स्तर के बारिश का पूर्वानुमान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में अक्टूबर का महीना मौसम को बे-अंदाज करने जाने वाला है। इस दौरान चक्रवात मोंथा के प्रभाव से मौसम बदल गया है। मौसम विभाग के अनुसार, अरब सागर से आ रही नमी और बंगाल की खाड़ी में बन रहे वेदर सिस्टम के चलते बादलों की सक्रियता बढ़ी है। इसके प्रभाव से आने वाले दिनों में तापमान में चार से पांच डिग्री सेल्सियस तक गिर सकता है।

मौसम विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, बंगाल की खाड़ी में बना गहन अवदाब तेजी से प्रबल होकर गंभीर चक्रवाती तूफान मोंथा में बदल रहा है। उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ते हुए यह आंध्र प्रदेश तट के काकीनाडा के आसपास 28 अक्टूबर की शाम या रात के समय प्रचंड चक्रवाती तूफान के रूप में पहुंच सकता है। मोंथा चक्रवात का सबसे ज्यादा प्रभाव उत्तर प्रदेश और बिहार में दिखेगा। 29 से 31 अक्टूबर के बीच पूर्वांचल के कई जिलों और बुंदेलखंड आदि में गरज-चमक के साथ बारिश का अनुमान है। 30 अक्टूबर को वाराणसी आदि में भारी बारिश का पूर्वानुमान है। इससे पहले सोमवार को राज्य के अधिकांश हिस्सों में आसमान पर बादल छाए रहे, पारे में गिरावट के साथ लखनऊ, बरेली समेत कई जिलों में बूंदाबांदी हुई। सोमवार शाम तक बांदा में सर्वाधिक 14.6 मिमी और ललितपुर में 10 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम को देखते हुए किसानों ने धान फसल की कटाई तेज कर दी है। किसानों को खड़ी धान की फसल पर पानी पड़ जाने का भय सता रहा है।

फसलों की कटाई और भंडारण को लेकर सतर्क रहें किसान

कुलमिलाकर उत्तर प्रदेश में एक बार फिर करवट ले रहा मौसम आमजन की परेशानी का सबब बन सकता है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी दोनों तरफ से सक्रिय हो रहे मौसम तंत्रों के चलते अगले कुछ दिनों तक प्रदेश में बेमौसम बारिश तय है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि इस दौरान कुछ इलाकों में तेज हवाएं और बिजली गिरने की घटनाएं भी हो सकती हैं। किसानों को सलाह दी गई है कि वे अपनी फसलों की कटाई और भंडारण को लेकर सतर्क रहें। बेमौसम बारिश से तापमान में गिरावट आने की संभावना है। वहीं, त्योहारों और छठ पूजा की तैयारियों पर भी इसका प्रभाव पड़ सकता है।

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार, 28 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

1.13 लाख मीट्रिक टन खाद ज्यादा उपलब्ध

अमृत विचार, लखनऊ : कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सोमवार को कृषि भवन के सभागार में विभागीय योजनाओं की वित्तीय और भौतिक प्रगति की समीक्षा की। साथ ही उन्होंने खाद की उपलब्धता व डिलॉइट के प्रतिनिधियों के साथ सीड पार्क और सीड पॉलिसी की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि एमएफएमएस पोर्टल के अनुसार 26 अक्टूबर 2025 तक कुल 32.68 लाख मीट्रिक टन उर्वरक प्राप्त हो चुका है, जिनमें से 7.36 लाख मीट्रिक टन की बिक्री की जा चुकी है। इस प्रकार राज्य में 25.32 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का स्टॉक किसानों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए उपलब्ध है। जो गत वर्ष की इसी अवधि में उपलब्ध 24.19 लाख मीट्रिक टन के सापेक्ष 1.13 लाख मीट्रिक टन अधिक है। बैठक के दौरान उन्होंने विभागीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि बीज, खाद, कृषि यंत्र सहित अन्य सभी सुविधाएं किसानों तक समय पर पहुंचाई जायें।

सपा ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार, लखनऊ : सपा ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश को ज्ञापन देकर मांग की है कि गोरखपुर और देवरिया के जिला विद्यालय निरीक्षकों (डीआईओएस) के विरुद्ध तत्काल कार्रवाई की जाए। उन्होंने आरोप लगाया है कि इन अधिकारियों द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के नियमों एवं निर्देशों की अवहेलना करते हुए वित्तविहीन शिक्षकों से वेतन विवरण और नियुक्ति पत्र आदि प्रपत्र मांगे जा रहे हैं, उन्हें मतदाता बनने से रोका जा रहा है। सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने कहा कि गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया में अड़चन उत्पन्न की जा रही हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने मांग की है कि वित्तविहीन शिक्षकों के फार्म नं-19 को स्वीकार किया जाए, ताकि वे मतदाता सूची में शामिल हो सकें।

सुल्तानपुर के कार्यवाहक सीएमएस निलंबित

अमृत विचार, लखनऊ : सुल्तानपुर में पीर सिंहपुर स्थित 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय के कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. भास्कर प्रसाद को शासन द्वारा अमर्यादित भाषा का उपयोग समेत कई अन्य गंभीर आरोपों के चलते तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इस दौरान उन्हें अपर निदेशक, अयोध्या मंडल से संबद्ध कर दिया गया है। अपर मुख्य सचिव अमित कुमार घोष के निर्देश पर आदेशानुसार, डॉ. भास्कर प्रसाद के विरुद्ध कई गंभीर कदाचारों की शिकायतें प्राप्त हुई थीं, जिन पर अनुशासनिक कार्रवाई प्रस्तावित है। मालूम हो कि बीते दिनों राजनीतिक पार्टी के नेता व कार्यकर्ता विरोध स्वरूप जिले के सीएमओ और संयुक्त चिकित्सालय के सीएमएस की अर्थी यात्रा निकालने की बात कह रहे थे, उनसे बातचीत करते हुए डॉ.भास्कर ने राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करने की बात कही थी। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और राज्य सरकार ने इसे गंभीरता से लेते हुए गंभीर आरोप माना है।

अब तक 57 लाख से अधिक फीडबैक

अमृत विचार, लखनऊ : वर्ष 2047 तक समर्थ और विकसित राज्य बनाने के लक्ष्य के साथ शुरू हुए 'समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश @2047 : समृद्धि का शताब्दी पर्व महाभियान' के तहत प्रदेश के सभी 75 जिलों में नोडल अधिकारियों ने जनसंवाद और गोष्ठियों के माध्यम से लोगों से सुझाव एकत्र किए। सरकारी पोर्टल पर अब तक 57 लाख से अधिक फीडबैक प्राप्त हुए हैं। इनमें से 45 लाख ग्रामीण और 12 लाख नगरीय क्षेत्रों से हैं। सुझाव देने वालों में 28 लाख युवा, 26 लाख मध्यम आयु वर्ग और 3 लाख वरिष्ठ नागरिक शामिल हैं।

पांच सरकारी भवन बनेंगे दिव्यांग हितैषी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सुगम्य भारत अभियान के तहत लिया गया निर्णय

अमृत विचार : वित्तीय वर्ष 2025-26 में सुगम्य भारत अभियान के दूसरे चरण के तहत राजधानी लखनऊ के पांच प्रमुख सरकारी भवनों को दिव्यांग हितैषी बनाने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए 12 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि स्वीकृत की गई है। इस पहल से दिव्यांगजनों के लिए सरकारी भवनों तक सहज पहुंच सुनिश्चित होगी और शासन के "समान अवसर, समान सुविधा" के संकल्प को मजबूती मिलेगी।

दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की पहल पर जिन भवनों का चयन किया गया है, उनमें योजना भवन (हैवलॉक रोड), सिंचाई भवन (कैन्ट रोड), जिला सेवायोजन कार्यालय (लालबाग), विकास अनुवेषण एवं प्रशिक्षण प्रभाग (कालाकांकर हाउस) और सूडा नवचेतना केंद्र (अशोक मार्ग) शामिल हैं। इन भवनों में एक्सेस ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार रैंप, लिफ्ट, ब्रेल साइनेज, व्हीलचेयर फ्रेंडली सैनिटरी यूनिट्स और विशेष पार्किंग जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

अयोध्या हाईवे पर 38 घंटे बंद रहेगा भारी वाहनों का प्रवेश

14 कोसी परिक्रमा को लेकर 29 अक्टूबर की शाम 6 बजे से 31 की सुबह 8 बजे तक लागू रहेगा डायवर्जन

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार : अयोध्या के प्रांतीयकृत कार्तिक पूर्णिमा मेला में 14 कोसी परिक्रमा के दौरान 29 अक्टूबर की शाम 6 बजे से 31 अक्टूबर की सुबह आठ बजे तक अयोध्या को जोड़ने वाले सभी हाईवे पर भारी वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा। यातायात डायवर्जन लागू रहेगा। करीब 38 घंटे के लिए भारी मालवाहक वाहन जैसे ट्रक, डीसीएम व ट्रैक्टर आदि को प्रवेश नहीं मिलेगा। एसपी यातायात एपी सिंह ने बताया कि इस दौरान आवश्यक सेवा वाले वाहनों पर यह प्रतिबंध लागू नहीं होगा।

यहां रहेगा डायवर्जन

- सुल्तानपुर से आने वाले वाहनों को कूरेभार से, रायबरेली से आने वाले वाहनों को हलियापुर से व आजमगढ़, अंबेडकरनगर से आने वाले वाहनों को गोहन्ना मोड़ अंबेडकरनगर से दोस्तपुर होकर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर डायवर्ट किया जाएगा।
- बाराबंकी की ओर से आने वाले वाहनों को भिटरिया रामसनेही घाट से हैदरगढ़ से पूर्वांचल एक्प्रेस-वे की ओर डायवर्ट किया जाएगा।
- बस्ती की ओर से आने वाले वाहनों को लोलपुर से नवाबगंज गोंडा की ओर भेजा जाएगा।
- गोंडा की ओर नवाबगंज से आने वाले वाहनों को लकड़मंडी से लोलपुर से बस्ती की ओर डायवर्ट किया जाएगा।
- गोरखपुर से वाहनों का डायवर्जन-गोरखपुर से लिंक एक्सप्रेस-वे होकर पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर किया जाएगा।
- गोरखपुर, संत कबीरनगर, बस्ती से आने वाले वाहनों को फुटहिया चौकी थाना नगर से कलवारी से टांडा से अकबरपुर से दोस्तपुर से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर डायवर्ट किया जाएगा।
- गोरखपुर संतकबीरनगर, बांसी, मेहदावल, डुमरियागंज, उतरौला, बलरामपुर, गोंडा से आने वाले वाहन जरवल रोड तिराहा से वापस आकर बहराइच की ओर जाकर टिकोरा मोड़ से चहलरी घाट रोड होते हुए सिधौली सीतापुर-लखनऊ मार्ग पर डायवर्ट होंगे।

- बलरामपुर, बहराइच, गोंडा, श्रावस्ती से अयोध्या होकर लखनऊ जाने वाले वाहनों को टिकोरा मोड़ से चहलरी घाट रोड होते हुए सिधौली सीतापुर लखनऊ मार्ग पर डायवर्ट किया जाएगा।
- कानपुर की ओर से आने वाले वाहनों को कानपुर उन्नाव, मौरावां, मोहनलालगंज, गोसाईगंज, बांदसराय से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर डायवर्ट किया जाएगा।
- लखनऊ में आगरा एक्सप्रेस-वे से आने वाले वाहनों को मोहान, जुनाबगंज, मोहनलालगंज, गोसाईगज से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर डायवर्ट किया जाएगा।
- सीतापुर शाहजहांपुर से आने वाले वाहनों को आईआईएम रोड दुबग्गा से आलमबाग, नहरिया से शहीद पथ होते हुए अहिमामऊ होते हुए पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर डायवर्ट किया जाएगा।

योगी ने अस्ताचलगामी सूर्य को दिया अर्घ्य

छठ महापर्व में शामिल हुए मुख्यमंत्री, कहा- यह पर्व राष्ट्रीय एकजुटता का भी देता है संदेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को गोमती तट पर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देते हुए श्रद्धालुओं के बीच पहुंचकर पूजा-अर्चना में भाग लिया। भोजपुरी में कहा कि छठ मईया सबके जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली लेके आवें। उन्होंने कहा कि लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा सामाजिक एकता और प्राचीन भारतीय संस्कृति का जीवंत प्रतीक है। लोक आस्था, नारी शक्ति और लोकमंगल की साधना का पर्व है। उन्होंने पीलीभीत से गाजीपुर तक गोमती को निर्मल-अविरल बनाने का संकल्प लेते हुए स्वच्छता और कर्तव्यनिष्ठा पर बल दिया।

छठ महापर्व पर लखनऊ के लक्ष्मण मेला मैदान में आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी को स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत करते भोजपुरी समाज के लोग, मंच पर उपस्थित उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, महापौर सुषमा खर्कवाल व अन्य।

लक्ष्मण मेला स्थित भव्य मंच से भोजपुरी कलाकारों के सुर-संगीत से लोग निहाल रहे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अब यह परंपरा पूरे देश में फैल चुकी है। गाजियाबाद और नोएडा जैसे शहरों में 50 हजार से एक लाख श्रद्धालु छठ मना रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पर्व सांस्कृतिक एकता के साथ राष्ट्रीय एकजुटता का संदेश देता है। योगी ने कहा कि लखनऊ का कोई ड्रेनेज या सीवर अब गोमती में नहीं गिरेगा। आने वाले एक से डेढ़ वर्ष में पीलीभीत से गाजीपुर तक गोमती निर्मल और अविरल बनेगी। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों में जल स्तर और गंदगी की शिकायतें आई थीं, पर अब प्रशासन, नगर निगम और स्वयंसेवी संगठनों के प्रयासों से सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि यदि जल शुद्ध न हो, तो भगवान अर्घ्य कैसे स्वीकार करेंगे? नदी पूजा स्थल की तरह पवित्र होनी चाहिए।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने अखिल भारतीय भोजपुरी समाज के पदाधिकारियों की सराहना की और कहा कि समाज के सहयोग से छठ पर्व को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया गया है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से स्वच्छता अभियान में सहयोग देने की अपील की। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, महापौर सुषमा खर्कवाल, अखिल भारतीय भोजपुरी समाज के अध्यक्ष प्रभुनाथ राय, मॉरिशस के पूर्व सचिव सुरेश रामबरन सहित अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारी उपस्थित रहे।

सिंगल यूज प्लास्टिक का करें बहिष्कार

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी देश तब तक विकसित नहीं हो सकता, जब तक उसके नागरिक राष्ट्रीय कर्तव्यों से नहीं जुड़ते। उन्होंने स्वच्छता को राष्ट्रीय जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि स्वच्छता ही ईश्वर की सेवा है। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि सिंगल यूज़ प्लास्टिक और पॉलीथिन का प्रयोग पूरी तरह बंद करें।

धार्मिक स्थलों को निशाना बनाने की थी तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एटीएस की पूछताछ में आतंकी संगठन आईएस के मसूबे का हुआ खुलासा
- दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने दो आरोपियों को किया है गिरफ्तार, हो रही पूछताछ

अमृत विचार: यूपी के धार्मिक स्थलों को निशाना बनाने की पूरी तैयारी आतंकी संगठन आईएस के इशारे पर की गई थी। यह खुलासा भोपाल निवासी अदनान खां उर्फ अबु मौहम्मद और एटा के अदनान खां से एटीएस की पूछताछ में हुई। दोनों दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की गिरफ्त में है। पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेकर दिल्ली की स्पेशल सेल पूछताछ कर रही है। वहीं, एटीएस की टीम भी आरोपियों से पूछताछ करने गई है। जांच में सामने आया कि दोनों आतंकी संगठन आईएस के इशारे पर काम कर रहे थे।

आईजी कानून-व्यवस्था एलआर कुमार ने बताया कि एटीएस की टीम दोनों से उनके बाकी साथियों के बारे में पूछताछ कर रही है। दिल्ली पुलिस कई दिनों से भोपाल निवासी अदनान उर्फ अबु की गतिविधियों पर नजर रख रही थी। उसे यूपी एटीएस ने 2024 में वाराणसी के ज्ञानवापी परिसर का सर्वे करने वाले जज रवि कुमार दिवाकर को धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया था। वह पांच माह बाद जेल से छूट गया। इसके बाद उसने सीरिया में बैठे आईएस के खलीफा अबू इब्राहिम अल कुरैशी के इशारे पर सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डालने लगा और मुसलमानों पर अत्याचार होने का दुष्प्रचार कर जिहादी गतिविधियों के लिए युवाओं को भर्ती करने लगा। इंस्टाग्राम पर फेक आईडी भी बनायी थी। आतंकी संगठनों के पेजों सात-उल-उम्माद, वॉयस ऑफ इंडिया आदि को फॉलो करता था। सीरिया में बैठे उसके हैंडलर ने उसे आईएस और आतंकवाद से जुड़े तमाम वीडियो, फोटो, पीडीएफ उपलब्ध कराए थे, जिसे वह अपने संपर्क में आने वालों को भेजता था।

अदनान के पास से मिले जिहादी साहित्य

आईजी कानून-व्यवस्था के मुताबिक हाईस्कूल की पढ़ाई मदरसे से करने वाले अदनान के पास काफी बेहतर तकनीकी जानकारी है। उसके पास लैपटॉप, मोबाइल, एटीएम कार्ड और जिहादी साहित्य बरामद किया गया है। वहीं एटा निवासी अदनान भी इंटरनेट पर आईएस से जुड़ी गतिविधियों से प्रेरित था। अदनान के संपर्क में आने के बाद वह भी सोशल मीडिया पर जिहादी गतिविधियों का प्रचार-प्रसार करने लगा था। दोनों ही सोशल मीडिया के जरिए आईएस के कमांडरों के संपर्क में रहते थे। दिल्ली से गिरफ्तार एटा निवासी अदनान के पिता सलीम खान दूरदर्शन में ड्राइवर के पद पर कार्यरत है। वर्ष 2023 में दिल्ली स्थानांतरण होने पर वह परिवार सहित चले गये थे और सादिक नगर के सरकारी आवास में रहने लगे थे। दिल्ली में अदनान ने डाटा इंफॉर्मेशन की पढ़ाई भी की थी।

धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रहेगा अधूरा

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखनऊ में आयोजित 'जनता दर्शन' में कहा कि जनता की सेवा ही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। धन के अभाव में किसी का इलाज अधूरा नहीं रहेगा। सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है और किसी भी पीड़ित को इलाज या सहायता के लिए भटकना नहीं पड़ेगा।

- जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी ने दिया आश्वासन

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए करीब 50 से अधिक फरियादियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी शिकायतों का निश्चित समयावधि में निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के दौरान पुलिस, आर्थिक सहायता, जमीनी विवाद और पारिवारिक मामलों से जुड़ी शिकायतें सामने आईं। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। एक महिला लोकगीत कलाकार द्वारा सांस्कृतिक मंच की मांग पर मुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय और पंजीकृत कलाकारों को अधिक अवसर दिए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को तत्काल कार्यक्रम उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार गांव, गरीब, किसान और जरूरतमंद के हित में निरंतर कार्य कर रही है। हमारा लक्ष्य खुशहाल उत्तर प्रदेश बनाना है, जहां जनता को न्याय, सुरक्षा और सम्मान मिले।

लखनऊ में जनता दर्शन के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते मुख्यमंत्री योगी।

मंत्री हादसा मामले में यूपीडा अफसरों पर एफआईआर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मंत्री बेबी रानी मौर्य के पीआरओ ने दर्ज कराया मुकदमा

अमृत विचार: महिला कल्याण एवं बाल विकास मंत्री बेबी रानी मौर्य की कार दुर्घटना के मामले में नसीरपुर थाने में यूपीडा (यूपी एक्सप्रेसवेज इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी) के अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करायी गयी है। बीते शुक्रवार को आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर मंत्री की कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। आरोप है कि यूपीडा के अधिकारी घटना की जानकारी के बाद भी मौके पर नहीं पहुंचे थे।

अब मंत्री के निजी सचिव की तरफ से थाना नसीरपुर में यूपीडा के अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। मंत्री बेबी रानी मौर्य की कार आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर हाथरस से लखनऊ जाते समय एक्सप्रेस वे के 56 किलोमीटर पर आगे चल रहे ट्रक के टायर फटने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। इस दौरान मंत्री करीब एक घंटे तक दुर्घटनास्थल पर रहीं, लेकिन यूपीडा का कोई अधिकारी कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा था। इस पर मंत्री ने यूपीडा के अधिकारियों की लापरवाही पर नाराजगी प्रकट की गई थी। दर्ज कराई गई रिपोर्ट में यूपीडा टीम पर लापरवाही का आरोप लगाया गया है। कहा गया कि एक्सप्रेस वे पर चल रहे मरम्मत कार्य के कारण एक दिशा से ही दोनों दिशाओं का संचालन किया जा रहा था।, मगर किसी भी प्रकार का सुरक्षात्मक डायवर्जन का कोई चिन्ह बोर्ड या रिफ्लेक्टर संकेतक भी नहीं था।

भूसा टेंडर में लापरवाही पर दी चेतावनी

अमृत विचार, लखनऊ : भूसा टेंडर कार्यों में लापरवाही बरतने पर पांच जिलों के अधिकारियों को चेतावनी दी गई है। कहा गया है कि अगर कार्यशैली न सुधरी तो सख्त कार्रवाई होगा। पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा है कि भूसा टेंडर का कार्य तत्काल पूरा किया जाए। उन्होंने अमरोहा, बागपत, इटावा, शामली और मेरठ के मुख्य पशुचिकित्साधिकारियों को भूसा टेंडर कार्यों में लापरवाही बरतने पर सख्त चेतावनी देते हुए कार्य प्रणाली में सुधार लाने के निर्देश दिए। पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने सोमवार को यहां विधान भवन स्थित अपने कार्यालय कक्ष में पशुधन एवं दुग्ध विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा की।

जंबूरी से मिलेगी नई ऊर्जा : मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- योगी ने तैयारियों की समीक्षा की कहा- यह युवा शक्ति का महापर्व
- 61 वर्ष बाद यूपी करेगा भारत स्काउट्स एंड गाइड्स जंबूरी की मेजबानी

अमृत विचार : यूपी 61 वर्ष बाद भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के 19वें राष्ट्रीय जंबूरी की मेजबानी करने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को डिफेंस एक्सपो ग्राउंड, वृंदावन योजना में 23 से 29 नवंबर 2025 तक आयोजित होने वाले इस आयोजन की उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए कहा कि यह राज्य के लिए गौरवपूर्ण अवसर है। उन्होंने इसे युवा शक्ति का महापर्व बताते हुए कहा कि जंबूरी युवाओं में अनुशासन, सेवा भावना और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को नई ऊर्जा देगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आयोजन प्रदेश की दक्षता, व्यवस्था, सुरक्षा और आतिथ्य क्षमता का परिचायक बने। उन्होंने निर्देश दिए कि महाकुंभ की तर्ज पर सुरक्षा, स्वच्छता, स्वास्थ्य, आवास, यातायात और खानपान की व्यवस्थाएं सर्वोच्च स्तर पर हों। आयोजन की थीम होगी कि आत्मनिर्भर-स्वदेशी भारत, स्वच्छ एवं विकसित भारत, ग्रीन एवं सस्टेनेबल भारत।

बैठक में बताया गया कि यह आयोजन भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की डायमंड जुबिली का ग्रैंड फिनाले होगा। इसमें देश के सभी राज्यों से करीब 30,000 प्रतिभागी, विदेशों से 2,000 अतिथि, तथा 5,000 स्वयंसेवक शामिल होंगे। 300 एकड़ क्षेत्र में फैले इस स्थल की परिधि 7 किमी से अधिक होगी, जहां 3,500 टेंट, 2,200 शौचालय, 1,700 बाथरूम और 100 रसोईघर की व्यवस्था की जा रही है। मुख्य एरीना में 30,000 दर्शकों के बैठने की सुविधा, 12 प्रवेश द्वार और 11 एलईडी स्क्रीन होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आयोजन युवाओं को तकनीकी, सामाजिक और नेतृत्व कौशल विकसित करने का अवसर देगा। इस उद्देश्य से आईटी और एआई हब तैयार होगा, जहां डिजिटल लर्निंग और इनोवेशन कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि आयोजन डिजिटल इंडिया की झलक दिखाए। इस बार पहली बार दो दिवसीय भव्य ड्रोन शो, आरएफआईडी स्मार्ट आईडी कार्ड, और व्हाट्सएप कम्युनिकेशन नेटवर्क का भी उपयोग होगा। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा को लेकर कहा कि पूरा परिसर 24x7 सीसीटीवी निगरानी में रहे।

कवायद

किताबी ज्ञान से आगे बढ़ेगी शिक्षा, प्रयोगशाला और जीवन से जुड़ेगा सीखने का अनुभव

3288 विज्ञान-गणित के अध्यापक बनेंगे कौशल शिक्षक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 3 नवंबर से लखनऊ में शुरू होगा कौशल शिक्षक तैयार करने का महाकैंप

अमृत विचार : योगी सरकार बुनियादी शिक्षा को प्रयोगधर्मी, कौशल-आधारित और भविष्य-केंद्रित बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठा रही है। बच्चों में 'रटने' की प्रवृत्ति को समाप्त कर 'सीखो करके (लर्निंग बाई डूइंग)' की संस्कृति विकसित करने के लिए शिक्षा प्रणाली में व्यापक नवाचार लागू किया जा रहा है। इसी उद्देश्य से प्रदेश के 3288 चयनित विज्ञान और गणित अध्यापकों को कौशल शिक्षक बनाने की पहल शुरू हो रही है।

3 नवंबर से दीन दयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान, लखनऊ में 1888 अध्यापकों और 16 फरवरी से 18 मार्च तक उद्यमिता विकास संस्थान में 1400 अध्यापकों का त्रिदिवसीय 'कौशल-आधारित ट्रेनर्स प्रशिक्षण महाकैंप' आयोजित होगा। यह आवासीय प्रशिक्षण 66 बैचों में पूरा किया जाएगा। इस पहल का मकसद ऐसे शिक्षक तैयार करना है जो कक्षाओं को प्रयोगशाला, प्रोजेक्ट, मॉडल, गतिविधि और वास्तविक जीवन के अनुभवों से जोड़ें। इससे बच्चों में जिज्ञासा, रचनात्मकता और समस्या-समाधान की क्षमता बढ़ेगी।

समझने, परखने और खोजने की शिक्षा देना लक्ष्य

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि आने वाले समय में कक्षाओं में बच्चों को 'याद करने' की बजाय 'समझने, परखने और खोजने' की शिक्षा दी जाए। यह पहल नई शिक्षा नीति के मूल दर्शन के अनुरूप है और भविष्य की स्किल इकोनॉमी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस युग तथा नवाचार-प्रधान भारत की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर की जा रही है। उन्होंने कहा कि अब शिक्षक केवल पढ़ाने वाले नहीं, बल्कि सोचने और खोजने की क्षमता जगाने वाले मार्गदर्शक होंगे। यह बदलाव उत्तर प्रदेश की बुनियादी शिक्षा को नई दिशा देगा।

सक्रिय शिक्षार्थी बनाता है 'लर्निंग बाय डूइंग' : शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि जब बच्चा खुद प्रयोग करता है, वस्तुओं से खेलते हुए सीखता है, प्रश्न पूछता और समाधान खोजता है, तो उसकी तार्किक सोच, वैज्ञानिक दृष्टि और अभिव्यक्ति शक्ति विकसित होती है। यही 'लर्निंग बाय डूइंग' की असली ताकत है कि यह बच्चे को निष्क्रिय श्रोता से सक्रिय शिक्षार्थी में बदल देता है।

नई संस्कृति की ओर बढ़ता उत्तर प्रदेश : महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने कहा कि प्रयास है कि बच्चे निःसंकोच प्रश्न पूछें, विद्यालयों की प्रयोगशालाएं जीवंत बनें और हर शिक्षक छात्रों में सोचने की ताकत जगाने का माध्यम बने। यह प्रशिक्षण बुनियादी शिक्षा में नई संस्कृति स्थापित करेगा, जहाँ विद्यालय ज्ञान के साथ अनुभव की प्रयोगशाला बनेंगे और उत्तर प्रदेश भविष्य के आत्मविश्वासी, नवोन्मेषी भारत के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

पर्यटन में शोध के लिए मांगे आवेदन

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन एवं आतिथ्य के क्षेत्र में पर्यटन विभाग शोध कराएगा। प्रत्येक रिसर्च स्टडी के लिए अधिकतम 10 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता भी दी जाएगी। इसके लिए विभाग ने मार्केट रिसर्च स्टडी (बाजार अनुसंधान अध्ययन) के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। यह पहल उप्र. पर्यटन नीति-2022 के तहत शुरू की गई है। यह जानकारी पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने सोमवार को दी। उन्होंने बताया कि इच्छुक संस्थाएं विभाग की वेबसाइट https://up-tourismportal.in पर जाकर आवेदन कर सकती हैं। यह पोर्टल 15 नवंबर 2025 तक खुला रहेगा।

बिहार की तर्ज पर यूपी में भी बनेगी नई वोटर लिस्ट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- फरवरी तक सामने आ जाएगी नई मतदाता सूची

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में भी बिहार की तर्ज पर त्रुटिरहित नयी वोटर लिस्ट जारी करने का प्रयास है। इसमें राज्य के सभी पात्र नागरिकों के नाम शामिल होंगे, जबकि अपात्र सूची से बाहर होंगे। माना जा रहा है कि प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बाद फरवरी में नई मतदाता सूची सामने आ जाएगी।

इस बीच राज्य में मौजूदा वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कार्य के लिए 1.62 लाख बीएलओ की ड्यूटी लगाई गई है। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से एसआईआर की समय-सारिणी जारी किए जाने के बाद उप्र. में काम तेज हो गया है। बीएलओ घर-घर जाकर वोटर लिस्ट के एआईआर का कार्य करेंगे। इस दौरान सूची में शामिल ऐसे लोग जो एक स्थान से दूसरे स्थान चले गए हैं, जिनका दो-दो स्थानों पर सूची में नाम है, किसी मतदाता की मृत्यु हो चुकी है या फिर गलती से मतदाता सूची में किसी विदेशी व्यक्ति का नाम शामिल हो गया है तो उसे हटाया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

गैंगरेप के मामले में आरोपियों को सजा

कानपुर देहात। न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश व एफटीसी प्रथम ने दुष्कर्म के मामले में सोमवार को फैसला सुनाया। 23 अप्रैल 2014 को आरोपी दीपक यादव पुत्र शिवपाल यादव निवासी ग्राम प्रतापपुर खास थाना शिवली, नरविजय सिंह उर्फ पप्पू यादव पुत्र विश्वनाथ यादव निवासी ग्राम अलमापुर थाना सचेंडी व सोनू उर्फ बुधकुमार पुत्र राजाराम कुशवाहा निवासी ग्राम प्रतापपुर खास थाना शिवली के खिलाफ युवती को बहला फुसला कर दुष्कर्म का अभियोग पंजीकृत किया गया था। कोर्ट ने दीपक यादव को 10 वर्ष के सश्रम कारावास व 15 हजार रुपये के अर्थदंड व सहअभियुक्त नरविजय सिंह को पांच वर्ष के सश्रम कारावास व पांच हजार के अर्थदंड से दंडित किया गया। तीसरे आरोपी की मौत हो चुकी है।

डीएम पहुंचे ईवीएम वेयर हाउस, लिया मशीनों का जायजा

कानपुर देहात : सोमवार की सुबह जिलाधिकारी कपिल सिंह माती जिला मुख्यालय में स्थित इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के वेयर हाउस पहुंचे। उन्होंने वेयर हाउस तथा मशीनों के रख-रखाव का जायजा लिया। संबन्धित अधिकारियों से कहा कि वेयर हाउस के सीसीटीवी कैमरों और मशीनों की उचित देखभाल सुनिश्चित की जाए। डीएम के मुआयने में अलग-अलग राजनीतिक दलों से जुड़े लोग भी बुलाए गए थे।

पटेल की जयंती पर होगा विशेष कार्यक्रम

कानपुर देहात। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की पर 31 अक्टूबर को सरदार-150 : एक भारत आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन होगा। डीएम कपिल सिंह ने लोगों से व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की है। जिलाधिकारी ने कहा कि यह अभियान राष्ट्रीय एकता, अखंडता और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त बनाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।

मारपीट के मामले में 23 साल बाद फैसला

कानपुर देहात। रनियां थाना क्षेत्र के गांव शिवनाथ पुरवा में करीब 23 साल पहले हुई मारपीट की घटना में सोमवार को फैसला आया। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम ने आरोपी विनोद पुत्र रामस्वरूप दोष सिद्ध करार दिया। जेल में बिताई गई सजा की अवधि को समायोजित करते हुए न्यायालय उठने तक की सजा व दो हजार पांच सौ रुपए के अर्थदंड से दंडित किया गया। विनोद के खिलाफ धारा 323, 324, 325, 504, 506 के अंतर्गत मुकदमा चला था।

5 दिसंबर तक वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण

कानपुर देहात। सर्वे कमिश्नर वक्फ के निर्देश पर जनपद कानपुर देहात में वक्फ सम्पत्तियों के पंजीकरण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। उत्तर प्रदेश शिया एवं सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड, लखनऊ द्वारा निर्देशित किया गया है कि सभी वक्फ संपत्तियों का विवरण उम्मीद पोर्टल पांच दिसंबर तक अनिवार्य रूप से अपलोड/फीड किया जाए। ताकि राज्य में वक्फ संसाधनों के संरक्षण और उपयोग की दक्षता में वृद्धि की जा सके। उम्मीद पोर्टल पर पंजीकरण से वक्फ सम्पत्तियों की निगरानी, देखभाल एवं विकास योजनाओं का क्रियान्वयन प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा।

कार, बाइक पर पलटा ट्राला, दबने से मासूम सहित दो की गई जान

झांसी से कानपुर की ओर जा रहा था गिट्टी भरा ट्राला, पुखरायां के पास हुआ हादसा

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचार: झांसी-कानपुर हाईवे पर पुखरायां के पास सोमवार शाम गिट्टी से लदा ट्राला बेकाबू होकर गुजर रही कार और बाइक पर पलट गया। इससे कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। भीतर बैठे लोग फंस गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार सवारों को बाहर निकाला। तबतक एक मासूम बच्चे और चपेट में आए बाइक सवार की भी मौत हो गई। हादसे के कारण एक लेन का यातायात काफी समय तक बाधित रहा।

सोमवार दोपहर बाद झांसी और कानपुर हाइवे से गिट्टी लदा ट्राला कानपुर की ओर जा रहा था। हाईवे पर पटेल चौक पर अचानक मोटर साइकिल सामने आ जाने से ट्राला अनियंत्रित हो गया। पास से गुजर रही कार इसकी चपेट में आ गई। काफी मात्रा में ट्राला की गिट्टी कार पर गिरी और वह उसी में दब गई। कार में प्रतापगढ़ के रहने वाले रविकुमार, उनकी पत्नी दीपिका और पुत्र आरव और अभिनव सवार थे। बताते हैं रवि कुमार इन दिनों पुखरायां में आवासित हैं। उनकी पत्नी दीपिका डीग गांव के होम्योपैथिक अस्पताल में फार्मेसिस्ट के रूप में कार्यरत हैं। दीपिका को लेकर वह घर जा रहे थे। रविकुमार, दीपिका और अभिनव बाल-बाल बचे लेकिन आरव की मौत हो गई। कार काट कर आरव का शव निकला गया। दूसरी तरफ, जरैलापुर गांव के बाइक सवार प्रहलाद सचान 60 वर्ष भी ट्राले की चपेट में आए। अपने घर जाते समय पटेल चौक पर ट्राले ने उनकी जिंदगी छीन ली। लोग बचने की आस में उन्हें जिला अस्पताल ले जा रहे थे तभी रास्ते में उनकी मौत हो गई।

कानपुर-झांसी हाईवे पर लगा जमा। फंसे लोगों को निकालने के लिए कटर से कार को काटते हुए। अमृत विचार

बाइक फिसली, पीछे से आए वाहन ने रौंदा, मौत

- **कानपुर देहात :** अकबरपुर में हाईवे पर दोपहर बाद हादसा हो गया। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के ज्योतिष गांव निवासी गिरीश चंद्र का पुत्र सुभाष सविता कानपुर से लौट रहा था। अकबरपुर में राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक शोरूम के पास उसकी बाइक फिसल गई। पीछे से आए किसी अज्ञात वाहन ने उसे रौंद दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। कोतवाली पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम को भेजा।

हाईवे किनारे मिला युवक का रक्त रंजित शव, दोस्तों पर हत्या का आरोप

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचार: बरौर थाना क्षेत्र में रहने वाले युवक की संदेह जनक हालात में मौत हो गई। उसका शव मुंगीसापुर में कानपुर-औरैया हाईवे के किनारे मिला। चेहरे पर काफी खून लगा था। बताया गया कि युवक बीती शाम अपने दो दोस्तों के साथ निकला था। रात भर नहीं लौटा। घर वालों ने दोस्तों से संपर्क करने की कोशिश की लेकिन उनसे बात नहीं हुई। सुबह मुंगीसापुर के चौकी इंचार्ज ने युवक के परिजनों को शव मिलने की जानकारी दी।

बरौर के गांव अंगदपुर निवासी स्व संदीप शर्मा का छोटा बेटा प्रदीप उर्फ सुक्खा 23 वर्ष आंधप्रदेश में चाट का ठेला लगाता था। दीपावली के त्योहार पर वह यहां आया था। सोमवार को तड़के करीब तीन बजे डेरापुर थाने की मुंगीसापुर पुलिस को कैरामउ गांव के रास्ते पर युवक का शव पड़ा होने की जानकारी मिली। युवक के पास मिले मोबाइल पर किसी का फोन आ रहा था मगर डिस्प्ले टूटी होने के कारण कॉल रिसीव नहीं हो पाई। तब चौकी इंचार्ज अरविंद तिवारी ने प्रदीप का सिम दूसरे मोबाइल में डाला फिर कॉल अटेंड कर प्रदीप के घर वालों को जानकारी दी। घटना के बारे में चचेरे भाई सौरभ कुमार शर्मा ने बताया कि प्रदीप को बीती शाम करीब सात बजे शराब ठेके के पास से गांव के ही दो युवक जबरन अपनी कार में डाल कर ले गए थे।

प्रदीप।

बकौल सौरभ उसे इस तरह ले जाते कई लोगों ने देखा। पुलिस को दी तहरीर में सौरभ ने इस बात का भी जिक्र किया जिस समय प्रदीप को ले जाया जा रहा था, उसने पास मौजूद लोगों से कहा था कि उसे यदि कुछ हो जाता है तो घर पर बता देना। सौरभ का आरोप है कि दोनों दोस्तों ने प्रदीप को बुरी तरह मारापीटा। उसकी हत्या कर दी। इसके बाद उसका मोबाइल भी तोड़ दिया। शव फेंक कर दोनों मौके से फरार हो गए। इधर पुलिस ने अभीतक रिपोर्ट दर्ज नहीं की है।

घर के खराब माहौल के कारण छोड़ा था गांव

कानपुर देहात। मृतक प्रदीप के बारे में बताया गया कि उसके घर की हालत ठीक नहीं है। पिता के नहीं रहने के बाद मां का व्यवहार ठीक नहीं रहा। कई अनचाहे लोगों के अक्सर घर में टिके रहने का वह विरोध करता था। उसकी नहीं चली तो गांव छोड़कर आंध्रप्रदेश चला गया। चाट का ठेला लगाकर किसी तरह गुजर बसर कर रहा था। चचेरे भाई सौरभ द्वारा थानाध्यक्ष के नाम लिखी गई तहरीर में गांव के ही दो दोस्तों पर हत्या का आरोप लगाया गया। जबकि प्रदीप की मां और भाई पर हत्या की साजिश रचने की बात कही।

लोगों द्वारा बताए गए तथ्यों की भी होगी जांच

कानपुर देहात। थानाध्यक्ष अमिता वर्मा ने बताया कि मामला हत्या से जुड़ा है या फिर सड़क हादसे से, इसकी पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद संभव है। उन्होंने बताया कि अभी तहरीर नहीं मिली है। तहरीर के मुताबिक मुकदमा कायम कर कार्रवाई की जाएगी। अलग-अलग लोगों द्वारा कुछ तथ्य बताए गए हैं, उन पर भी जांच होगी।

सीआरपीएफ के हवलदार की मौत, गांव में छाया शोक

संवाददाता, शिवली

अमृत विचार: क्षेत्र के भवानीपुर गांव के रहने वाले सीआरपीएफ के हवलदार जसवीर सिंह यादव 45 वर्ष की ड्यूटी के दौरान बीमार हो जाने पर मौत हो गई। सूचना से परिजनों के साथ ही ग्रामीण भी गम में डूब गए। मंगलवार को शव गांव आने पर अंतिम संस्कार किया जाएगा।

भवानीपुर गांव के रहने वाले सीआरपीएफ हवलदार जसवीर सिंह यादव इस इस समय छत्तीसगढ़ दंतेवाड़ा में तैनात थे। भतीजे नरेंद्र यादव ने बताया कि तैनाती स्थल पर बीमारी से मृत्यु की सूचना मिली है। मंगलवार को शव गांव आएगा। इसके बाद यही पर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। मृत्यु की सूचना से पत्नी शैलजा,पुत्री शिखा,पुत्र भूपेंद्र का रो रोकर बुरा हाल है। गांव वाले भी सांत्वना देने पहुंच रहे है। ग्राम प्रधान हीरामन शिवली जनार्दन यादव ने बताया कि अंतिम विदाई देने के लिए आसपास गांवों के लोग मंगलवार को पहुंचेंगे।

जसवीर सिंह यादव।

देश की आजादी में मदरसों की अहम भूमिका

संवाददाता, राजपुर

अमृत विचार: मदरसा अरबिया फैजुल उलूम पुखरायां में उलमा और मदरसों के शिक्षकों हाफिज आलिम एवं संचालकों की इस्लाही व तरबियती नशिस्त की कार्यशाला हुई। इसमें जमीयत उलमाए हिंद उत्तर प्रदेश के नवनियुक्त महासचिव मौलाना अमीनुल हक अब्दुल्लाह कासमी का फूल माला और शाल पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मदरसा अरबिया फैजुल उलूम के शिक्षक कारी सूफियान ने कुरान की तिलावत से की। इसके बाद मदरसा के छात्र मुहम्मद अरशद ने नात पढ़ी।

मुख्य वक्ता कानपुर से आए मुफ्ती अब्दुर रशीद कासमी ने मदरसों का मकसद और उनके काम के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा इस्लाम का पहला मदरसा मक्का में हजरत अबू बकर सिद्दीक के घर में शुरू हुआ। इसके बाद दारे अरकम और हज़रत उमर की बहन ने मदरसा संचालित किया गया। इसके बाद मदीना में मस्जिद कुबा और अस्हाबे सुफ़्फ़ा ने मदरसे संचालित हुए। उन्होंने बताया कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में देश की आज़ादी के लिए मदरसों ने अहम भूमिका निभाई। इसमें उलमा और मुसलमानों ने अपनी जान की कुर्बानी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुफ्ती इकबाल कासमी ने की।

इस दौरान जमीयत उलमाए हिंद उत्तर प्रदेश के नवनियुक्त महासचिव मौलाना अमीनुल हक अब्दुल्लाह कासमी ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन मौलाना अब्दुल माजिद कासमी ने किया। आयोजक मौलान मुबीन ने मेहमानों का शुक्रिया अदा किया।

कार्यशाला को संबोधित करते वक्ता। अमृत विचार

5 हजार की घूस लेते रूरा थाने का एसआई गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

अमृत विचार : विजिलेंस की टीम ने सोमवार शाम रूरा थाने में तैनात एसआई संजय सिंह राठौर को 5 हजार की घूस लेते रंगे हाथ पकड़ लिया। विजिलेंस की टीम एसआई को साथ ले गई। रात को उसे सस्पेंड कर दिया गया है। एसपी ने मामले की जांच सीओ सिकंदरा प्रिया सिंह को सौंपी है।

27 अगस्त 2025 को एक गांव में युवती के साथ छेड़छाड़ और मारपीट की घटना हुई थी। इस मामले में पीड़िता की मां द्वारा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। इसमें अभी जांच चल रही है। सूत्रों ने बताया कि नामित आरोपियों में से एक आरोपी का नाम हटाने के लिए एसआई संजय सिंह घूस मांग रहा था। 5 हजार में बात फाइनल हो जाने के बाद घूसखोरी की शिकायत विजिलेंस से की गई। इस पर विजिलेंस टीम ने एसआई को रंगे हाथ पकड़ने की योजना बनाई। सोमवार की शाम टीम रूरा कस्बा पहुंची। यहां एक होटल में एसआई को बुलाया गया। उसे रुपये दिए गए। रुपये लेते ही टीम ने दरोगा को धर दबोचा और हेड ऑफिस ले गई । यहां पुलिस के अधिकारियों ने मामले की जानकारी देने से बचाव किया। हालांकि देर रात दरोगा को निलंबित किया। दो साल बाद उसका रिटायरमेंट है।

संजय सिंह राठौर।

पीड़ित को समय पर न्याय दिलाना हमारी प्राथमिकता : जिलाधिकारी

कार्यालय संवाददाता,कानपुर देहात

- **अभियोजन कार्यों की समीक्षा बैठक में डीएम ने दिए निर्देश**

अमृत विचार: जिलाधिकारी कपिल सिंह ने गंभीर प्रकृति के मुकदमों में प्रभावी पैरवी कर अधिक से अधिक दोषियों को सजा दिलाए जाने की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों से अपराधी प्रवृत्ति के लोगों को यह संदेश जाए कि छोटा से छोटा अपराध करने पर भी वह सजा से बच नहीं सकते हैं।

अभियोजन कार्यों की समीक्षा बैठक में सोमवार को उन्होंने यह भी कहा कि न्यायालय में साक्ष्य के लिए आने वाले गवाहों की शत प्रतिशत गवाही कराई जाए। साथ ही दोषमुक्त मामलों में नियमानुसार अपील की कार्रवाई भी सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी अधिकारियों और शासकीय अधिवक्ताओं से कहा कि अभियोजन के कार्य को गंभीरता से लें। सभी जान लें कि पीड़ितों को न्याय दिलाना हम सभी की जिम्मेदारी है। एक्साइज एक्ट, पॉक्सो एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, एससी-एसटी एक्ट, हत्या, डकैती, बलात्कार, शस्त्र अधिनियम से संबंधित महत्वपूर्ण एवं गंभीर मामलों को चिह्नित करते हुए उसके निष्पादन के लिए ससमय कार्रवाई की जाए। हम सबकी प्राथमिकता होनी चाहिए कि हम न्याय समय से दिला सकें।

जिलाधिकारी ने कहा कि न्यायालय में लंबित मामलों के निष्पादन के लिए सभी संबंधित पक्षों में समन्वय का होना आवश्यक है,जरूरी है सभी आवश्यक पत्रावली व संबंधित कागजात ससमय पेश किए जाए। जिलाधिकारी ने बैठक में महिला अपराधों व पाक्सों एक्ट से संबंधित मुकदमों पर प्रभावी ढंग से कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने आपराधिक मामलों में लिप्त अपराधियों को सजा दिलाने को न्यायालयों में मुकदमों की प्रभावी ढंग से पैरवी करने के लिए अभियोजन अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में दोषसिद्ध, दोषमुक्त वादों तथा टॉप टेन मामलों की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित को दिए गए।

दौड़ में प्रांजुल, लम्बी कूद में हिमांशी ने मारी बाजी

संवाददाता, राजपुर

अमृत विचार: राजपुर कस्बे के भारतीय विद्या पीठ इंटर कॉलेज में सोमवार को ब्लॉक स्तरीय एक दिवसीय खेल कूद प्रतियोगिता आयोजित हुई। प्रतियोगिता में राजपुर क्षेत्र के कई विद्यालय के 510 छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। बालक बालिका वर्ग मे 50, 100 , 200 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान लाने छात्र-छात्राओं को प्रशंसा-पत्र व शील्ड देकर सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिता का शुभारंभ चौयरमैन अंशू त्रिपाठी ने सरस्वती मां के चित्र के दीप प्रज्जवलित कर किया। इसके बाद खेल शुरू हुए। 50 मीटर बालक वर्ग दौड़ प्रतियोगिता में प्रांजुल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं बालिका वर्ग में कशिश प्रथम, वही 100 मीटर दौड़ में बालक वर्ग में अंश व बालिका वर्ग में निशा प्रथम स्थान पर रही। 200 मीटर दौड़ प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में गुनगुन बालक वर्ग प्रांजुल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जूनियर बालिका वर्ग कबड्डी प्रतियोगिता में ऊमरपुर व भाल विद्यालय की टीम के बीच प्रतियोगिता में भाल टीम विजेता रही। जबकि प्राथमिक बालक वर्ग में अनवा व बकसौंधी विद्यालय की टीम के बीच हुई प्रतियोगिता में अनवां टीम विजयी रही।

दूसरी तरफ, लंबी कूद प्रतियोगिता में बालिका वर्ग में हिमांशी व बालक वर्ग में अंश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा खो खो कबड्डी, ऊची कूद, ड्रिस्कस थ्रो प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता के समापन पर खंड शिक्षा अधिकारी श्रीकृष्ण प्रेमी, व एआरपी प्रदीप निरंजन व सोमिल बाबू ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान लाने पर छात्र छात्राओं को शील्ड व प्रमाण पत्र व मेडल देकर सम्मानित किया। वहीं महिला शिक्षक अनीता , हिमानी, विभा, प्रियंका, रागिनी, गुनजन व तरन्नुम ने खेल कूद प्रतियोगिता की रंगोली बनाकर मन मोह लिया। इस दौरान प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष सुरेन्द्र कटियार, जहीर अहमद, नोडल शिक्षक संकुल फरमान, विनोद, मिस्वाहुल हक, शिक्षक अंजनी कटियार, अरुणेन्द्र सिंह, आशीष शुक्ला, आनंद कुमार, विमल, अखिलेश कटियार रहीश बाबू मौजूद रहे।

कबड्डी प्रतियोगिता में हुनर दिखातीं छात्राएं। अमृत विचार

छठ महापर्व

छठ मैया के जयकारों से गूंजा रसूलाबाद और रनियां

सूर्यदेव को संध्या अर्घ्य दे संतान व परिवार की मंगलकामना

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचार: सोमवार को छठ मइया के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। कार्तिक मास के शुक्लपक्ष की षष्ठी तिथि छठ मैया को समर्पित है। लोक-आस्था से जुड़े इस पावन पर्व के तीसरे दिन आस्थावान लोग पूरे दिन निर्जल व्रत रखते हुए शाम के समय सूर्यदेव को संध्या अर्घ्य देकर अपने परिवार और संतान के लिए मंगलकामना की।

संध्या अर्घ्य के दिन व्रती और श्रद्धालुओं ने नदी या तालाब के किनारे अस्तांचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया। चौथे दिन मंगलवार को ऊषाकाल में अर्घ्य के साथ छठ महापर्व का समापन होगा।

इस दिन उगते सूर्य को जल और दूध से अर्घ्य दिया जाएगा और व्रत के समापन पर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। इस दिन अर्घ्य के लिए दूध-जल से भरा तांबे या कांसे का लोटा, सुप में रखे फल केला, नारियल, सेब, अमरूद, पपीता, गन्ना, नींबू, शरीफा, बेल, सिंघाड़ा, नारंगी, धान्य में गेहूं, चावल, दाल, गुड़, घी, सौंफ, दूध, शहद, चीनी, ठेकुआ, फूलमाला, अक्षत (चावल), दूब घास, दीपक, प्रसाद की डलिया आदि यथाशक्ति सामग्री की आवश्यकता होती है। षष्ठी को रसूलाबाद में निर्मला देवी, संतविलास सिंह चौहान (बाबा जी),डा.लोकश सिंह चौहान प्रियंका सिंह ,लक्षिता सिंह चौहान आदि ने श्रद्धा के साथ षष्ठी पूजन किया।

सूर्य को अर्घ्य देतीं व्रतधारी महिलाएं। अमृत विचार

रनियां के अमृत सरोवर पर हुई छठ पूजा

- **रनियां :** सूर्य उपासना व लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा औद्योगिक क्षेत्र रनियां में भी परंपरागत तरीके से मनाई गई। सोमवार को सायंकाल सूर्य अस्त के समय छठव्रतियों द्वारा पानी के अंदर खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देकर पति बच्चों व परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की गई। मंगलवार की सुबह सूर्योदय के बाद सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत खोला जाएगा। रनियां नगर पंचायत के किशरवल गांव स्थित पातालेश्वर मंदिर परिसर में स्थित अमृत सरोवर पर बने घाट पर विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी छठ पूजा का भव्य आयोजन किया गया। दोपहर होते-होते पूर्वांचल के रहने वाले लोगों तथा आस्थावानों की भीड़ जुटने लगी। रामदुलारी देवी, रेनू, मीनू, सविता, सुधा, रिंकी देवी, शिखा, संगीता, कोमल, विमला, प्रीति, मंजू, सुलेखा सिंह, पूजा अरोड़ा सहित तमाम महिलाओं ने विधि विधान पूर्वक पूजा अर्चना कर पति, बच्चों और घरवालों की सुख-समृद्धि की कामना की। यहां राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला भी पहुंची और पूजा में सहभागिता की। इस दौरान तहसीलदार पवन कुमार, चेयरमैन विटान दिवाकर, प्रतिनिधि रामकिशोर दिवाकर, विष्णु कुमार गुप्ता, श्याम जी त्रिपाठी, राजीव ठाकुर, सोनू मिश्रा, सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

अमृत सरोवर पर पूजा करतीं व्रतधारी महिलाएं।

छह महीने से बंद स्ट्रीट लाइटें जलीं

अमृत विचार IMPACT

संवाददाता, रनियां

अमृत विचार: अमृत विचार की खबर किशरवल रोड पर रोशनी लेकर आई। रनियां नगर पंचायत प्रशासन द्वारा सड़क के किनारे पोल पर स्ट्रीट लाइटें लगवाई गई थीं मगर छह महीने से वह जलीं नहीं। आपके अपने अखबार अमृत विचार ने सोमवार को समस्या को प्रमुखता से उठाया। इस पर कार्रवाई भी हो गई। सोमवार को ही नगर पंचायत द्वारा मरम्मत करा लाइटें जलवा दी गई। इससे किशरवल रोड जगमगा उठा। लोगों ने अमृत विचार को धन्यवाद ज्ञापित किया।

रनियां के किशरवल रोड तिराहे से किशरवल गांव तक सड़क मार्ग से सैकड़ों की संख्या में छठ पूजा में शामिल होने महिलाओं और पुरुषों का आना-जाना होता है। सड़क किनारे लगी स्ट्रीट लाइटें बंद होने से रास्ते में अंधेरा छाया हुआ था। समस्या को लेकर अमृत विचार अखबार ने सोमवार के अंक में छठ पूजा के रास्ते की स्ट्रीट लाइटें बंद शीर्षक से प्रमुखता से खबर प्रकाशित की।

खबर प्रकाशित हुई तो जिम्मेदारों की नींद टूटी और इलेक्ट्रीशियन और मशीनरी लगाकर कमियां दूर करते हुए शाम तक स्ट्रीट लाइटें जलाई गईं। दिन ढलते ही किशरवल रोड दूधिया रोशनी से जगमगा उठा। इससे स्थानीय लोगों, राहगीरों तथा छठ पूजा में शामिल होने आए लोगों को काफी राहत मिली। पिछले छह महीने से बंद पड़ी लाइटें जलने से स्थानीय लोगों ने अमृत विचार अखबार तथा नगर पंचायत का शुक्रिया अदा किया।

सोमवार को दूधिया रोशनी से जगमग हुआ रोड। अमृत विचार

- **अमृत विचार ने उठाया मुद्दा तो जागा प्रशासन**

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार 28 अक्टूबर 2025

पांच वर्षीय मासूम से दुष्कर्म करने का आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

आरोपी के फायर करने से एक गोली घाटमपुर इंस्पेक्टर की बुलेट प्रूफ जैकेट में धंसी

संवाददाता घाटमपुर

- जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में लगी गोली

आरोपी को लेकर जाते पुलिसकर्मी।

अमृत विचार। घाटमपुर में पांच साल की मासूम बच्ची से दरिंदगी करने वाले आरोपी को पकड़ने गई पुलिस की रविवार देर रात उससे मुठभेड़ हो गई। आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। आरोपी की फायरिंग से एक गोली घाटमपुर इंस्पेक्टर धनंजय कुमार पांडेय की बुलेट प्रूफ जैकेट में जा धंसी। वहीं पुलिस की जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली आरोपी के दाहिने पैर में जा लगी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर सीएचसी में भर्ती कराया।

शुक्रवार रात थाना क्षेत्र के एक गांव में यह दिल दहला देने वाली वारदात हुई थी । दादी के साथ घर के बाहर सो रही 5 वर्षीय मासूम को उसका ही पारिवारिक चाचा अनुराग उर्फ सुलखान, जो नशे का आदी बताया जा रहा है, उठा ले गया था। कुछ देर बाद जब दादी लघुशंका के लिए उठीं तो बच्ची को खून से लथपथ हालत में बाथरूम में पड़ा देखकर उनके होश उड़ गए थे। परिजनों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बच्ची को सीएचसी में भर्ती कराया था। वहां पर उसकी गंभीर हालत गंभीर को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे कानपुर रेफर कर दिया था।

पुलिस पर फायरिंग, जवाब में आरोपी को लगी गोली

- मुखबिर की सूचना पर आरोपी को पकड़ने पहुंची पुलिस टीम ने जैसे ही आरोपी को घेरने की कोशिश की, उसने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली आरोपी के दाहिने पैर में जा लगी। गोली लगते ही वह गिर पड़ा। पुलिस ने उसे घायल अवस्था में दबोच लिया और तुरंत सीएचसी में भर्ती कराया।

आरोपी पर सख्त कार्रवाई की तैयारी

- पुलिस ने बताया कि बच्ची का इलाज कानपुर के अस्पताल में जारी है। आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट समेत कई गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी घटना पर नजर बनाये हुए हैं। स्थानीय लोगों में घटना को लेकर आक्रोश व्याप्त है और आरोपी को कड़ी सजा देने की मांग उठ रही है।

तीन टीमें आरोपी की तलाश में जुटी हुई थीं: घटना के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया और उसकी तलाश के लिए तीन टीमें गठित की थीं। आरोपी लगातार स्थान बदलकर भाग रहा था। रविवार रात सूचना मिली कि वह रतनपुर और बलहापारा गांव के बीच जंगल में छिपा हुआ है।

घाटमपुर एसीपी कृष्ण कांत ने बताया कि आरोपी की तलाश लगातार जारी थी। सूचना मिली कि वह जंगल में छिपा है। टीम ने घेराबंदी की तो आरोपी ने फायरिंग की। आत्मरक्षा में की गई जवाबी फायरिंग में उसके पैर पर गोली लगी है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

मारपीट की घटनाओं में दो लोग घायल

चौबेपुर । क्षेत्र में दो अलग-अलग स्थानों पर हुई मारपीट की घटनाओं में दो लोगों को गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है।

पहली घटना में चौबेपुर कस्बा के दर्जियांन मोहल्ला निवासी नासिर पुत्र नादर ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया है कि बीती शाम वह अपने दरवाजे पर बैठा था। तभी मोहल्ले के जाविर ,साबिर व बंगा पुत्रगण स्व शाकिर दरवाजे पर आये और शराब के लिए पैसों की मांग की। पैसा देने से इनकार कर देने पर उक्त लोगों ने उसे जमकर मारा पीटा, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं।

दूसरी घटना पचोर गांव में हुई। यहां के वैभव पुत्र राजेश चौरसिया ने पुलिस को दी तहरीर में बताया है कि बीते दिन वह पचोर चौराहे पर खड़ा था तभी पड़ोसी गांव हुलकापुर निवासी हर्षित व अमन पुत्रगण विजय बेरिया ने उसके साथ बेवजह गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर उसे जमकर मारा पीटा। इतना ही नहीं मामले की शिकायत पुलिस में किए जाने की बात कहे जाने पर उक्त लोगों ने पुनः मारपीट करने व जान से मारने की धमकी दी।

खेलों से एकता व नेतृत्व की सीख मिलती है : अनुराधा

संवाददाता बिठूर

अमृत विचार। ब्लॉक प्रमुख अनुराधा अवस्थी ने रविवार की देर शाम मंधना मेला ग्राउंड में निर्मित इंटरलॉकिंग सड़क का लोकार्पण किया। इस दौरान क्षेत्रीय लोगों ने उनके पहुंचने पर उनका स्वागत किया। लोकार्पण के बाद ब्लॉक प्रमुख अनुराधा अवस्थी ने मेला ग्राउंड में चल रही नाइट क्रिकेट लीग में पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

उन्होंने कहा कि खेल युवा शक्ति को अनुशासन, एकता और नेतृत्व का पाठ पढ़ाते हैं। समय-समय पर खेलों का आयोजन किया जाना चाहिए, जिससे युवाओं में उत्साह बढ़ता है और स्वस्थ स्पर्धा की भावना का विकास होता है।

इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता दिनेश अवस्थी, विष्णु शंकर दुबे, मृदुल द्विवेदी, हरिओम द्विवेदी , उमंग द्विवेदी , भरत गुप्ता, नीलेश श्रीवास्तव , शंकर त्रिपाठी , निखिल शुक्ला, शिवा बाजपेई समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

फीता काटकर मैच का उद्घाटन करतीं ब्लॉक प्रमुख अनुराधा अवस्थी।

न्यूज ब्रीफ

मारपीट की घटनाओं में दो लोग घायल

चौबेपुर । क्षेत्र में दो अलग-अलग स्थानों पर हुई मारपीट की घटनाओं में दो लोगों को गंभीर चोटें आईं। पीड़ित पक्षों की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है। मारपीट की पहली घटना में चौबेपुर कस्बा के दर्जियांन मोहल्ला निवासी नासिर पुत्र नादर ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया है कि बीती शाम वह अपने दरवाजे पर बैठा था। तभी मोहल्ले के जाविर ,साबिर व बंगा पुत्रगण स्व शाकिर दरवाजे पर आये और शराब के लिए पैसों की मांग की। पैसा देने से इनकार कर देने पर उक्त लोगों ने उसे जमकर मारा पीटा, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं। मारपीट की दूसरी घटना पचोर गांव में हुई। यहां के वैभव पुत्र राजेश चौरसिया ने पुलिस को दी तहरीर में बताया है कि बीते दिन वह पचोर चौराहे पर खड़ा था तभी पड़ोसी गांव हुलकापुर निवासी हर्षित व अमन पुत्रगण विजय बेरिया ने उसके साथ बेवजह गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर उसे जमकर मारा पीटा। इतना ही नहीं मामले की शिकायत पुलिस में किए जाने की बात कहे जाने पर उक्त लोगों ने पुनः मारपीट करने व जान से मारने की धमकी दी। प्रभारी निरीक्षक आशीष कुमार चौबे ने बताया कि मारपीट की घटनाओं में आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

चोरी की फिराक में घूम रहा बदमाश गिरफ्तार

घाटमपुर । घाटमपुर के रेउना में पुलिस ने चोरी की फिराक में घूम रहे बदमाश को पकड़ लिया। उसकी तलाशी लेने पर बदमाश के पास से तमंचा व दो कारतूस बरामद हुए। पुलिस ने युवक को न्यायाल में पेशकर जेल दिया। पुलिस जांच में सामने आया कि बदमाश के खिलाफ आसपास थानों में आठ से अधिक चोरी, लूट समेत अन्य मुकदमे दर्ज हैं। घाटमपुर के रेउना थाना प्रभारी अनुज राजपूत ने बताया कि वह देर रात गश्त कर रहे थे, तभी मुखबिर ने सूचना दी कि एक बदमाश चोरी करने के फिराक में यहां पर काफी देर से घूम रहा है। जानकारी मिलते ही वह तुरंत पुलिस बल के साथ पहुंचे तो युवक उन्हें देखकर भागने लगा। इस दौरान उन्होंने उसे दौड़कर थाना क्षेत्र के दहेली गिरसी मार्ग पर स्थित पुलिया के पास से पकड़ लिया। तलाशी के दौरान युवक के पास से एक तमंचा और दो कारतूस बरामद हुए है। पूछताछ में आरोपी ने अपनी पहचान घाटमपुर थाना क्षेत्र के बरनाव गांव निवासी 25 वर्षीय अंकित के रूप में बताई है। पुलिस ने जब जांच पड़ताल की तो पता चला कि युवक के खिलाफ आसपास थानों में लगभग 8 मुकदमे चोरी लूट आदि के दर्ज है। पुलिस ने युवक को न्यायालय में पेशकर जेल भेज दिया है।

पुलिस ने लोगों को किया जागरूक

घाटमपुर । थाना क्षेत्र के परास गांव में रविवार को साइबर क्राइम के प्रति जागरूकता चौपाल आयोजित की गई। हल्का प्रभारी एसआई कौशल कुमार मिश्रा व उपनिरीक्षक अवधेश कुमार का. अमित पटेल ने क्षेत्र में लोगों को बुलाकर साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी व अन्य अपराधिक गतिविधियों से सतर्क रहने की अपील की। उन्होंने बताया कि अंजान लिंक,पीडीएफ,फोटो, कॉल, ओटीपी सहित आदि ऑनलाइन जुड़ी गतिविधि पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। साथ ही किसी भी तरह की साइबर अपराध या ठगी की स्थित में तुरंत पुलिस को सूचना दें। इस दौरान गांव के लोग मौजूद रहे। सभी ने पुलिस के इस प्रयास की सराहना की।

महापर्व छठ

घाटमपुर में कूष्मांडा देवी मंदिर स्थित तालाब में महिलाओं ने पारंपरिक छठ महापर्व पर व्रत रखकर ढलते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया। व्रतियों ने परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। इस मौके पर घाटों पर झालरें जगमगा रही थीं और घाटों पर मेले जैसा नजारा देखने को मिला। वहीं पुलिस की भी चाक-चौबंद व्यवस्था रही। ● अमृत विचार

किसान पंजीकरण को लेकर एसडीएम ने दिए निर्देश

संवाददाता बिल्हौर

मातहतों को दिशा-निर्देश देते एसडीएम संजीव दीक्षित। अमृत विचार

अमृत विचार। उप जिलाधिकारी डॉ. संजीव दीक्षित ने आज कृषि विभाग, ब्लॉक विभाग और सप्लाई विभाग के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। यह बैठक किसानों से संबंधित दो प्रमुख मुद्दों - 'फार्मर रजिस्ट्री' (किसान पंजीकरण) में वृद्धि और खेतों में 'पराली न जलाने' के अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने पर केंद्रित थी।

बैठक में डॉ. दीक्षित ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे जमीनी स्तर पर कार्य करते हुए किसान पंजीकरण की संख्या को तेज़ी से बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक किसानों का पंजीकरण सुनिश्चित करना सरकारी योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचाने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस कार्य में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

पराली न जलाने पर सख्ती: बैठक का दूसरा महत्वपूर्ण एजेंडा पराली (फसल अवशेष) जलाने की घटनाओं को पूरी तरह से रोकना था। उप जिलाधिकारी ने कृषि और ब्लॉक अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे किसानों के बीच जाकर पराली न जलाने के फायदे बतायें और इसे जलाने से होने वाले गंभीर पर्यावरणीय नुकसान के बारे में जागरुकता अभियान चलाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पराली जलाने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। डॉ. दीक्षित ने सप्लाई विभाग के अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि वे यह सुनिश्चित करें कि किसानों को उनकी आवश्यकतानुसार कृषि उपकरण और अन्य संसाधन समय पर उपलब्ध हों, जिससे वे पराली को खेत में ही उचित तरीके से प्रबंधित कर सकें। कहा कि सभी अधिकारी टीम भावना से काम करें और इन दोनों महत्वपूर्ण लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें। चेतावनी दी कि यदि इन निर्देशों के पालन में कोई लापरवाही पाई जाती है, तो संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। तहसीलदार अनुभव चंद्र के साथ कृषि विभाग के तहसील स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

एक दिवसीय रोजगार मेला 30 को लगेगा

हमीरपुर। जिला रोजगार सहायता अधिकारी ने बताया कि 30 अक्टूबर को प्रातः 10:30 बजे से अभिनव प्रज्ञा महाविद्यालय लोदीपुर निवादा में एक दिवसीय रोजगार मेला का आयोजन होगा, जिसमें कई प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रतिनिधि आएंगे। इच्छुक अभ्यर्थी rojgaarsangam.up.gov.in पर आवेदन कर सकते हैं।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि साझेदारी फर्म मैसर्स एस के एग्रो इंडस्ट्री है जिसका रजिस्टर्ड पता–आराजी नम्बर–507 ग्राम शुक्लापुर तहसील बिल्हौर कानपुर नगर जिला कानपुर–209205 है फर्म में हरी कान्त त्रिपाठी, अभिषेक त्रिपाठी एवं शिखर त्रिपाठी साझेदार थे। उक्त फर्म को अभिषेक त्रिपाठी नें दिनांक 01–03–2023 को स्वेच्छा से फर्म को इस्तीफा दे दिया उपरोक्त दिनांक को श्रीमती रानी त्रिपाठी पत्नी श्री शिव कान्त त्रिपाठी ने फर्म में साझेदारी ग्रहण की जिसे वर्तमान साझेदारों ने स्वीकार कर लिया है अब वर्तमान में फर्म में हरी कान्त त्रिपाठी, शिखर त्रिपाठी एवं श्रीमती रानी त्रिपाठी साझेदार है एवं अभिषेक त्रिपाठी का फर्म से कोई सम्बन्ध नहीं है।

ककवन पुलिस ने मारपीट व धमकी देने के मामले में दो को किया गिरफ्तार

संवाददाता बिल्हौर

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी। अमृत विचार

अमृत विचार । थाना ककवन पुलिस ने मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के मामले में फरार चल रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गुगानीपुरवा निवासी छविराम पुत्र मुन्नू और शिवम उर्फ भूरा पुत्र मुन्नू के रूप में हुई है।

19 अक्टूबर, 2025 को ग्राम गुमानीपुरवा निवासी अवधेश पुत्र रामनाथ ने थाना ककवन में तहरीर दी थी। तहरीर के मुताबिक, शाम करीब 6 बजे अवधेश अपने भाई दिवारी लाल के साथ घर की सफाई कर रहे थे। तभी गांव के ही अलवर, भूरा, छविराम और विक्रम पुत्रगण मुन्नू वहाँ आ गए और विवाद करने लगे।आरोप है कि अलवर ने दिवारी लाल को अपने साथ शराब पीने के लिए कहा। जब दिवारी लाल ने मना किया, तो आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए उन पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आए अवधेश और उनके भतीजे मदन पुत्र राजेश को भी बुरी तरह पीटा, जिससे तीनों को गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों छविराम और भूरा पर मारपीट के मामले के अलावा पीड़ित वादी अवधेश पर 'मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाने' और 'फौजदारी करने की धमकी देने' का भी आरोप है। इसी आधार पर दोनों को गिरफ्तार किया गया है।

प्रसव के दौरान महिला की मौत पर हंगामा

संवाददाता बिल्हौर

अमृत विचार। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीएचसी बिल्हौर में रविवार को प्रसव के लिए भर्ती हुई गर्भवती महिला की उपचार के दौरान मौत हो गई। परिजनों ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर में हंगामा किया।

कन्नौज जनपद के मोचीपुर गांव निवासी सोनू गौतम अपनी 20 वर्षीय पत्नी गुड़िया को रविवार दोपहर प्रसव के लिए बिल्हौर सीएचसी लेकर आए थे। देर रात करीब 12 बजे महिला की अचानक तबीयत बिगड़ गई। ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने उसकी हालत गंभीर देखकर उसे एलएलआर (हैलट) अस्पताल कानपुर रेफर कर दिया। परिजनों का आरोप है कि एंबुलेंस समय पर उपलब्ध न होने से करीब एक घंटे की देरी हुई, इसी बीच गुड़िया ने दम तोड़ दिया। महिला की मौत की जानकारी मिलते ही परिजन आक्रोशित हो उठे और डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा करने लगे।

थाना प्रभारी अशोक कुमार सरोज ने बताया कि मृतका के मायके या ससुराल पक्ष से किसी ने कोई लिखित शिकायत नहीं दी है। दोनों पक्षों की मौजूदगी में आवश्यक कार्यवाही पूरी कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। वहीं मामले में प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक डॉ. धर्मेंद्र राजपूत ने बताया कि महिला को मिर्गी के दौरे आते थे। इसी के चलते उसकी मौत हो गई है।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं MOHD JAFAR S/O MOHD TAHIR KIDWAI निवासी 233 बड़ागांव थाना मसौली जिला बाराबंकी का रहने वाला हूं अब मैं अपना नाम बदलकर MOHD ZAFAR KIDWAI रख लिया है अब मुझे भविष्य में मेरे बदले हुए नाम से जाना हुआ पहचाना जाए।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं जीतेन्द्र कुमार यादव आयु लगभग 69 वर्ष पुत्र श्री चिरौंजी यादव निवासी 8 सदर बाजार कैंट अयोध्या, मेरे पुत्र मनीष यादव के हाईस्कूल के अंक पत्र में मेरा नाम जीतेन्द्र यादव अंकित है जबकि आधार कार्ड संख्या 856971024496 में जीतेन्द्र कुमार यादव अंकित है। जीतेन्द्र यादव व जीतेन्द्र कुमार यादव दोनों मेरे नाम है और दोनों नाम का एक ही व्यक्ति स्वयं मैं ही हूँ। वर्तमान में मुझे जीतेन्द्र कुमार यादव के नाम से ही जाना जाता है भविष्य में भी इसी नाम से जाना व पहचाना जायेगा। **जीतेन्द्र कुमार यादव पुत्र श्री चिरौंजी यादव निवासी 8 सदर बाजार कैंट अयोध्या।**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल परीक्षा 2021 अनुक्रमांक 212549626 तथा इंटरमीडिएट परीक्षा 2023 अनुक्रमांक 2237218030 परीक्षाफल वास्तव में कहीं खो गया है। **मनीष कुमार पुत्र श्री राम सूरत, ग्राम पोस्ट – चफरिया बाजार, जनपद – बहराइच**

सूचना

सूचित हो कि पहले मेरा नाम SHERA ALI था से बदलकर SHER ALI रख लिया है। अब मुझे SHER ALI के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O-AMEERA ALI ADD-BAJDARI, JARWAL DIST-BAHRAICH-271904 (U.P.)

सूचना

मेरे पासपोर्ट संख्या F1853837 पर मेरा नाम Mohammad Qasim अंकित है। जबकि अभिलेखानुसार सही नाम Mohd Qasim है। भविष्य में मुझे Mohd Qasim नाम से जाना व पहचाना जाए। **मो कासिम पुत्र मंजूर अहमद निवासी मोहल्ला बड़ा गोरियाना, जायस जनपद अमेठी।**

सूचना

मैने अपना नाम SHASHI PRABHA CHAUHAN से बदलकर SHASHI PRABHA रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। W/0-RAN VIJAY SINGH CHAUHAN ADD-645A/421 JANKI PURAM NEAR, CAPITAL CONVENT COLLAGE DIST-LUCKNOW-226021 (U.P.)

सूचना

मेरे कतिपय अभिलेखों पर मेरे पिता का नाम त्रुटिवश MO SIDDIK अंकित हो गया है। जबकि सही नाम MOHAMMAD SIDDIQ है। भविष्य में मुझे MOHAMMAD IRFAN पुत्र MOHAMMAD SIDDIQ (मोहम्मद सिद्दीक) के नाम से जाना व पहचाना जाए। **मोहम्मद इरफान पुत्र मोहम्मद सिद्दीक निवासी मखदूमपुर, सण्डहा, सलोन, रायबरेली**

सूचना

मैं, **राम कुमार, पुत्र नौमी लाल, आयु 66 वर्ष, निवासी–बीकामऊ कला, देवरई कला, बक्शी का तालाब, लखनऊ 227202,** मेरे परिवार में निम्नलिखित सदस्य है– 1. श्रीमती आशा देवी पत्नी राम कुमार, 2. श्री अनुज कुमार, 3. श्रीमती अंजू देवी, 4. श्री विवेक कुमार, 5. कुमारी लक्ष्मी, 6. श्री वरुण कुमार, मैं यह घोषणा करता हूँ कि मेरे ज्येष्ठ पुत्र अनुज कुमार व उसकी पत्नी श्रीमती अंजू देवी, अब मेरे परिवार के सदस्य नहीं है। वह दोनों अपना अलग रहते, बनाते खाते हैं। मेरे अन्य परिवार के किसी व्यक्ति से उनका कोई नाता नहीं है। यह है कि उक्त दोनों व्यक्ति के रोज रोज के झगड़े और पारिवारिक अशांति के कारण अलग रह रहे हैं। अब से मेरा उक्त दोनों व्यक्तियों से कोई भी कानूनी, सामाजिक या आर्थिक संबंध नहीं है।

सूचना

आप सभी को अवगत कराना है कि मेरे मकान का बैनामा गायब हो गया है ,जिसका जिल्द संख्या 6825, पृष्ठ संख्या 367से 386 क्रमांक 9371 जो कि 14 दिसंबर 2022 को बैनामा लिया गया था , जो की 10/10/2025 उतरौला से बलरामपुर जा रहे थे रस्ते में झोला जिसमें बैनामा रखा हुआ था कही गिर गया ,जिसकी सूचना पुलिस को भी दिया गया हैं, अगर किसी को मिलता है तो दिए गए पता पर संपर्क करें, राम प्रकाश मौर्या पुत्र राम गुलाम निवासी गजपुर ग्रिंट तहसील उतरौला जिला बलरामपुर। **मोबाइल नम्बर 9455834893.**

सूचना

मैं, **सुनील कुमार मिश्रा पुत्र श्री सुरेन्द्र कुमार, निवासी–ग्राम व पो0 चतिया तहसील महोली जिला सीतापुर** उ0प्र0 का हूँ। मेरे ड्राइविंग लाइसेन्स जिसका सं0 UP 3420050079160 है जिसमें मेरा नाम (SUNEEL KUMAR MISHRA) तथा पिता का नाम (SURENDRA KUMAR MISHRA) लिखा है, जबकि आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम (SUNIL KUMAR MISHRA) तथा पिता का नाम (SURENDRA KUMAR) अंकित है। उक्त ड्राइविंग लाइसेन्स पर मेरा नाम (SUNEEL KUMAR MISHRA) तथा पिता का नाम (SURENDRA KUMAR MISHRA) के स्थान पर (SUNIL KUMAR MISHRA) तथा पिता का नाम (SURENDRA KUMAR) उक्त ड्राइविंग लाइसेन्स के अभिलेखों में संसोधित कर अंकित किया जाय है।

सख्ती

एसडीएम ने एक संचालक व एक ओवरलोड डंपर पुलिस को सौंपा

पांच मौरंग धुलाई केंद्रों पर मारा छापा

संवाददाता घाटमपुर

मौरंग धुलाई सेंटर। अमृत विचार

अमृत विचार। घाटमपुर में देर रात एसडीएम ने पांच धुलाई केंद्रों पर छापा मारा। इस दौरान पांचों मौरंग धुलाई केंद्र चलते मिले।

एसडीएम ने एक युवक को पकड़ कर पुलिस को सौंप दिया। वहीं धुलाई केंद्र पर खड़े एक ओवरलोड डंपर को पकड़कर सजेती थाने में खड़ा करा दिया। वहीं अन्य चार केंद्र संचालक मौके से भाग निकले। इसके साथ ही रिपोर्ट खनन अधिकारी कानपुर नगर और भू गर्भ जल निगम को भेज दी है। घाटमपुर एसडीएम अविचल प्रताप सिंह ने बताया कि तहसील क्षेत्र में चल रहे धुलाई केंद्रों की उन्हें लगातार शिकायतें मिल रही थीं, शिकायतों को संज्ञान में लेकर देर रात छापेमारी की गई। छापेमारी में थाना सजेती अंतर्गत पांच धुलाई केंद्र चलते पाए गए। जिनमें एक का मालिक आदेश पुत्र ओमप्रकाश निवासी आनूपुर मौके पर पकड़ा गया, जिसे सजेती पुलिस के सुपुर्द किया गया। पूछताछ में उसके द्वारा बताया गया कि अन्य चालू पाए गए धुलाई केंद्र रोहित पुत्र भगवानदीन निवासी आनुपुर तथा सौरभ पुत्र वीरेन्द्र निवासी आनुपुर के हैं। इनके विरुद्ध जांच पूरी कर विधिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गये हैं। छापेमारी के दौरान मौके से चार मौरंग धुलाई केंद्र संचालक फरार हो गए। यहां पर एक ओवरलोड मौरंग का ट्रक बिना रॉयल्टी के मिला, जिसे सजेती थाने में खड़ा कराया गया है। इसके साथ ही खनन अधिकारी कानपुर और धुलाई केंद्र पर कार्रवाई करने के लिए भू गर्भ जल निगम को पत्र लिखा है।

धुलाई केंद्र संचालकों पर होगी कार्रवाई

- घाटमपुर एसडीएम अविचल प्रताप सिंह ने बताया कि इन धुलाई केंद्रों पर मौंरग धुलाई में डंपर र व ट्रकों में रोजाना लाखों लीटर पानी बर्बाद होता है। यहां से निकलने के बाद वाहन सड़क पर पानी गिराते हुए चलते है, जिससे सड़क दुर्घटनाएं होने का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने सजेती थाना प्रभारी, भूगर्भजल टीम तथा एसडीओ विद्युत को इन धुलाई सेंटरों पर प्रभावी कार्रवाई करने हेतु निर्देश दिए हैं, ताकि सड़क सुरक्षा के साथ ही भूगर्भजल की बर्बादी पर अंकुश लग सके।

कार्यालय खंड शिक्षा अधिकारी, तालग्राम कन्नौज

निविदा आमंत्रण सूचना

कार्यालय जिलाधिकारी जनपद कन्नौज के आदेश पत्रांक / एस0एस0ए0/4554–59/2025–26 दिनांक 09/10/2025 द्वारा वि0ख0 तालग्राम में संचालित विद्यालयों में जर्जर कुल 77 विद्यालयों की नीलामी अधोहस्ताक्षरी की अध्यक्षता में सहायक एव वित्त लेखाधिकारी बेसिक शिक्षा जनपद कन्नौज एवं सहायक विकास अधिकारी पचांयत तालग्राम की समिति द्वारा स्थान कार्यालय खण्ड शिक्षा अधिकारी वि0ख0 तालग्राम मे दिनांक 07/11/2025 को नीलामी की जानी है।

अतः संलग्न सूची अनुसार जर्जर कुल 77 विद्यालयों की नीलामी समिति द्वारा दिनांक 07/11/2025 को खण्ड शिक्षा अधिकारी वि0ख0 तालाग्राम (सराय प्रयाग) में की जायेगी। नीलामी सम्बन्धित जानकारी निविदा दाता/ठेकेदार ब्लाक संसाधन केन्द्र सराय प्रयाग से नीलामी दिनांक 07/11/2025 तक प्राप्त कर सकते है।

(रमेश चन्द्र चौधरी)
खण्ड शिक्षा अधिकारी
वि0ख0 तालग्राम – कन्नौज

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS • MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

शहर में आज

- **कॉन्क्लेव:** आईआईटी में इंजीनियर्स कॉन्क्लेव-2025 के तहत बैठक सुबह 11 बजे।
- **बैठक:** दिवंगत नेहा संखवार के नाना के निवास गुजंन विहार में आएगा कांग्रेस का प्रतिनिधि मंडल एक बजे।
- **सम्मेलन:** दक्षिण महिला मोर्चा द्वारा क्षेत्रीय कार्यालय भाजपा में आत्मनिर्भर भारत सम्मेलन दोपहर दो बजे।
- **कथा:** विश्व शांति सेवा समिति द्वारा मोतीझील ग्राउंड में श्रीमद्भागवत कथा दोपहर 2:30 बजे से।

सिटी ब्रीफ

चरण सुहावा गुरुचरण यात्रा आज

कानपुर। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा कानपुर-बुंदेलखंड के क्षेत्रीय अध्यक्ष सरदार अजीत सिंह छाबड़ा ने बताया कि 28 अक्टूबर को सायं 4 बजे चरण सुहावा गुरुचरण यात्रा का जाजमऊ गंगापुल पर स्वागत होगा। भाजपा महानगर, उत्तर प्रदेश सिख फाउंडेशन, गुरुद्वारा कीर्तनगढ़ गुमटी नंबर 5, गुरुद्वारा दु:ख हरण सरसैया घाट समेत सभी सिख संस्थाएं एवं जत्थे बंदियां मौजूद रहेंगी।

किसान लाभ लें

कानपुर। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत खाद्यान्न, दलहनी एवं तिलहनी फसलों जैसे गेहूं, जौ, चना, मटर, मसूर एवं सरसों के सामान्य बीजों का वितरण 50 प्रतिशत अनुदान पर राजकीय कृषि बीज भंडारों से किया जा रहा है। किसान राजकीय कृषि बीज भंडार से अनुदान का लाभ उठाएं। कृषक हेल्पलाइन नंबर 7839883134 पर भी संपर्क कर सकते हैं।

आधी सड़क बनाई

कानपुर। अति व्यस्त दादानगर से विजय नगर जाने वाली रोड आधी बनाकर छोड़ दी गई है। आधी सड़क पहले जैसी ही उखड़ी पड़ी है। इस कारण राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। उखड़ी सड़क पर गिट्टी उखड़ गई है जिससे वाहन रपट जाते हैं और लोग चुटहिल हो जाते हैं।

प्रो. अमित कुमार अग्रवाल को राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

प्रो. अमित कुमार।

- विज्ञान युवा-शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार हासिल हुआ

अमृत विचार। आईआईटी कानपुर के भौतिकी विभाग के प्रोफेसर अमित कुमार अग्रवाल को राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया है। उन्हें विज्ञान युवा-शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार हासिल हुआ है। यह पुरस्कार भारत के विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दिए जाने वाले सर्वोच्च सम्मानों में से एक है।

यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रो. अग्रवाल के सैद्धांतिक संघनित पदार्थ भौतिकी में किए गए नवोन्मेषी शोध को मान्यता देता है। विशेष रूप से क्वांटम ट्रांसपोर्ट, टोपोलॉजिकल मटेरियल और लो डायमेंशनल सिस्टम के क्षेत्रों में उनके योगदान को सराहा गया है। वे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस के सेंटर फॉर हाई एनर्जी फिजिक्स के पहले पूर्व छात्र हैं जिन्हें यह राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त हुआ है। यह उपलब्धि आईआईटी कानपुर और भारतीय वैज्ञानिक समुदाय दोनों के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। संस्थान की ओर से बताया गया कि प्रो. अमित अग्रवाल ने अपनी पीएचडी वर्ष 2005-2009 आईआईएससी बेंगलुरु से प्रो. दिप्तिमन सेन के मार्गदर्शन में पूरी की थी। इससे पहले उनके एक शोध शोध प्रबंध को वर्ष 2009-2011 के दौरान सैद्धांतिक भौतिकी में सर्वश्रेष्ठ पीएचडी थीसिस के लिए कुमारी एलए मीरा मेमोरियल मेडल से भी सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने आईआईटी कानपुर में अगस्त 2012 से अपनी सेवाएं शुरू की थीं। संस्थान में प्रो. अमित अग्रवाल सैद्धांतिक भौतिकी के क्षेत्र में अग्रणी वैज्ञानिकों में से एक माने जाते हैं। उनका शोध क्वांटम जियोमेट्री और क्वांटम मटेरियल में ट्रांसपोर्ट फिनॉमेना, डेंसिटी फंक्शनल थ्योरी के प्रयोग से नए 2डी, टोपोलॉजिकल और मैगनेटिक मटेरियल का अध्ययन, नैनोस्केल डिवाइज मॉडलिंग पर केंद्रित है। जो आधुनिक क्वांटम टेक्नोलॉजी से जुड़ा हुआ है। उनके शोध ने पदार्थों के क्वांटम व्यवहार की गहन समझ को आगे बढ़ाया है और भविष्य के नैनोइलेक्ट्रॉनिक व क्वांटम डिवाइज के डिज़ाइन में नई दिशा प्रदान की है। प्रो. अमित अग्रवाल ने कहा कि इस पुरस्कार से सम्मानित होना मेरे लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। मेरा सफर 'क्वांटम वर्ल्ड' को समझने की जिज्ञासा और अपने गुरुओं, सहयोगियों एवं छात्रों से मिली प्रेरणा से संचालित है।

धनबाद में हुआ था जन्म

- प्रो. अमित अग्रवाल का जन्म चिरकुंडा (धनबाद) में 1980 में हुआ था। उन्होंने किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली यूनिवर्सिटी से फिजिक्स में बीएससी ऑनर की डिग्री प्राप्त की। जहां उन्हें एनएस खरे अवॉर्ड फॉर एकेडेमिक एक्सीलेंस से सम्मानित किया गया। उन्होंने आईआईसीएस बेंग्लुरू से एमएस (2002-2005) और पीएचडी (2005-2009) में की। जिसके बाद उन्होंने इटली में पोस्टडॉक्टोरल शोध कार्य किया। छात्रों के साथ गहरे जुड़ाव के लिए प्रसिद्ध प्रो. अग्रवाल क्वांटम मटेरियल्स और क्वांटम फिनॉमेना की सैद्धांतिक समझ में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

छाई छठ की छटा

भगवान सूर्य और छठ मइया की पूजा के पर्व डाला छठ पर लाखों श्रद्धालु छठ पूजन घाटों पर उमड़ पड़े। महापर्व पर व्रती परिवार डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देने के लिए घाटों पर पहुंचे। (पैकेज पेज IV पर) • अमृत विचार

15वें वित्त के विकास कार्यों की एचबीटीयू करेगा जांच

शहर में 72 करोड़ रुपये से हो रहे 200 कार्यों की जांच होगी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- वायु गुणवत्ता सुधार के लिए शासन से मिला है बजट, 10 लाख से ऊपर सभी कार्यों की होगी जांच

अमृत विचार। शहर में पिछले दिनों हुए सड़क गड्ढा मुक्त व पैचवर्क के कार्यों की जांच एचबीटीयू का सिविल इंजीनियरिंग विभाग करेगा। विभाग की रिपोर्ट के आधार पर ही नगर निगम के ठेकेदारों का भुगतान होगा। नगर निगम ने कार्यों की गुणवत्ता जांचने के लिए एचबीटीयू को पत्र लिखा है। अभियंत्रण विभाग के अनुसार शहर में 72 करोड़ से 200 विकास कार्यों को पिछले दिनों कराया गया है। इसमें 10 लाख रुपये से ज्यादा बजट के सभी विकास कार्यों की जांच होगी, इसके बाद ही भुगतान किया जायेगा।

बरसात के बाद शहर की सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गए। पाइप लाइनों व दूसरे विकास कार्यों की वजह से भी सड़कें गड्ढायुक्त हो गईं। महापौर प्रमिला पांडेय की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा 15वें वित्त आयोग की ओर से शहर में वायु प्रदूषण नियंत्रण एवं वायु गुणवत्ता सुधार के लिए जारी बजट से कार्य कराने की योजना को स्वीकृति दी गई। इसके बाद सड़कों को गड्ढामुक्त करने और धूल के नियंत्रण के लिए नगर निगम की ओर से कार्य कराए जा रहे हैं। इसमें कुछ कार्य हो चुके हैं और आगे भी कई कार्य होने बाकी हैं। नगर आयुक्त ने हो चुके ऐसे 200 विकास कार्यों की सूची एचबीटीयू को भेजी है और गुणवत्ता की जांच करने को कहा है। योजना के अन्तर्गत 10 लाख से अधिक लागत के कार्यों की गुणवत्ता एवं उपयोगिता की जांच एचबीटीयू से कराई जा रही है। गुणवत्ता एवं उपयोगिता की जांच रिपोर्ट मुख्य अभियन्ता, सिविल के कार्यालय व ई-मेल पर मांगी गई है।

100 करोड़ रुपये से ज्यादा मिला अनुदान

- शासन द्वारा 15वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के अन्तर्गत वर्ष 2020-21 के लिये वायु गुणवत्ता सुधार के लिए नगर निगम को 106 करोड़ 90 लाख की धनराशि जारी की गयी है। जिसके तहत की शहर में विकास कार्य कराए जा रहे हैं।

विकास कार्यों पर सवाल

- अभियंत्रण विभाग के अधिकारियों के अनुसार कई ठेकेदारों ने वर्कआर्डर के बाद नियमता काम नहीं किया है। फौरी कार्य की वजह से स्थानीय लोगों द्वारा नगर निगम में निरंतर शिकायत की जा रही है। क्षेत्रीय पार्षदों ने भी कई विकास कार्यों पर सवार उठाए हैं। कई जगह सड़कों को आधा-अधूरा बनाकर छोड़ दिया गया। वहीं, कई स्थानों पर पैचवर्क की क्वालिटी घटिया है। इस कारण ही किए गए कार्यों की जांच की जा रही है। इससे कई ठेकेदारों में हड़कंप है।

वकीलों पर गैंगस्टर कार्रवाई के विरोध में नारेबाजी

कार्यालय संवाददाता ,कानपुर

पुलिस कमिश्नर को ज्ञापन सौंपते अधिवक्ता। अमृत विचार

- पुलिस आयुक्त को ज्ञापन देने के लिए बाहर बुलाने पर अड़े अधिवक्ता
- दीनू गैंग में वकीलों के खिलाफ हो रही कार्रवाई को बताया गया गलत

अमृत विचार। दीनू उपाध्याय गैंग मामले में वकीलों पर हो रही कार्रवाई को गलत बताते हुए विरोध में पुलिस के खिलाफ अधिवक्ताओं ने नारेबाजी की। एडीसीपी एलआईयू वकीलों से ज्ञापन लेने पहुंचे लेकिन अधिवक्ता पुलिस आयुक्त को ज्ञापन देने के लिए कार्यालय के बाहर बुलाने पर अड़ रहे, अंत में वकीलों का जत्था पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचा और पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल को चार सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा।

दीनू गैंग के मामले में वकीलों पर हो रही कार्रवाई, बिठूर थाने में अधिवक्ता को रोकने के मामले में बार एसोसिएशन के पदाधिकारी अधिवक्ताओं के साथ सोमवार को पुलिस कमिश्नर को ज्ञापन देने पहुंचे। यहां ज्ञापन लेने के लिए संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून आए लेकिन अधिवक्ता इस बात पर अड़ गए कि पुलिस आयुक्त को ज्ञापन देंगे।

बार एसोसिएशन के अध्यक्ष इंदीवर वाजपेयी और महामंत्री अमित सिंह ने कहा कि बिना सबूत के वकीलों को झूठे मुकदमों में फंसाया जा रहा है। मांग की गई कि अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम को शीघ्र लागू किया जाए। वकीलों पर दर्ज किये गये मुकदमों की न्यायिक अधिकारी से जांच कराई जाए। किसी भी अधिवक्ता पर कार्रवाई से पहले बार एसोसिएशन को सूचित किया जाए। इस मौके पर रवींद्र शर्मा, राकेश तिवारी, अनूप द्विवेदी, राघवेंद्र प्रताप सिंह, अनुराग श्रीवास्तव संदीप सिंह आदि थे।

आप सभी को छठ पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं
KIRLOSKAR ELECTRICAL CO.
BLISS POWERFUL RELIABLE
10% DISCOUNT ON ALL GENUINE SPARE PARTS
5 वर्ष की वारन्टी
24 घंटे 7 दिन सर्विस
फर्स्टटाईम टोटल कम्पनी मैनुफैक्चरिंग
सिंगल विण्डो सर्विस
जेनसेट खरीदते समय किर्लोस्कर का लोगो देखकर ही खरीदें
SERVICE PROVIDER
RAMAN ELECTRICALS
124/120, सी-ब्लॉक गोविन्द नगर, कानपुर
E-mail: ramanelectricals@rediffmail.com
COMPLAIN NO.: 8808333368, CUSTOMER CARE : 8400333368
हमारी तीन शाखाएं - उन्नाव, कन्नौज, घाटमपुर में

बूंदाबांदी से 5 डिग्री कम हुआ तापमान

कानपुर। शहर में सोमवार को मौसम ने अपना मिजाज बदल दिया। दोपहर से हुई बूंदाबांदी से तापमान में कमी दर्ज हुई। मौसम विभाग के अनुसार तापमान में लगभग 5 डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई। भीगी सड़कों से फिसलन जैसे हालात हुए। वाहन सवारों को इससे परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर में अचानक मौसम मे हुए बदलाव की वजह मौसम वैज्ञानिक बंगाल और अरब सागर पर बने 'अवदाब' के असर को मान रहे हैं। मौसम विशेषज्ञों ने बताया कि फिलहार बुधवार तक मौसम की स्थिति इसी तरह बनी रह सकती है। बादल छाये रहने के साथ ही मध्यम व हल्की बारिश संभव हो सकती है।

New DASTAK Classes
दस्तक, आपके सफलता की
The classes are known for preparing students for various exams like
SSC, BANK, UPSI, UPP
Address: Sharada Nagar Crossing No 9, Infront of Anurag Hospital, Kakadeo Kanpur Uttar Pradesh.
CONTACT: 7607780084, 7080270066
Vikash Pathak

राज्य सरकार के कब्जे में आ गई म्योर मिल की भूमि। अमृत विचार

म्योर मिल की जमीन अब राज्य सरकार को वापस

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सिविल लाइंस स्थित म्योर मिल की लीज 90 साल की थी जिसका नवीनीकरण नहीं कराया गया। जिससे मिल की जमीन राज्य सरकार को वापस हो गई। मिल के लगभग 15 हेक्टेयर यानी डेढ़ लाख वर्ग मीटर क्षेत्रफल भूमि पर सरकारी परियोजनाओं का रास्ता साफ हो गया है।

म्योर मिल की विशाल जमीन अब राज्य सरकार के कब्जे में वापस आ गई है। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की मंजूरी के बाद एडीएम वित्त एवं राजस्व (प्रभारी अधिकारी नजूल) के आदेश से इस पर पुनर्प्रवेश कर दिया गया है। करीब 15 हेक्टेयर यानी डेढ़ लाख वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाली यह भूमि अब अनावंटित सरकारी भूमि घोषित की गई है और परिसर पर पुनर्प्रवेश का बोर्ड भी अंकित करा दिया गया है। नजूल अभिलेखों के अनुसार, यह जमीन वर्ष 1861 में पहली बार 'द कानपुर म्योर मिल' को लीज पर दी गई थी। इसके बाद 1930 के दशक में इसका नवीनीकरण हुआ था। लगभग डेढ़ सदी तक यह भूमि टेक्सटाइल इकाइयों के लिए उपयोग में रही, लेकिन मिलें बंद होने के बाद परिसर के कई हिस्से लंबे समय से खाली पड़े थे।

सिटी ब्रीफ

नकदी-जेवर ले गए चोर

कानपुर। जूही के मिलिट्री कैंप चौकी क्षेत्र स्थित एक स्कूल में चोर घुसकर नकदी-जेवर सहित माल पार कर ले गए। जूही खुर्द निवासी सतीश त्रिपाठी के घर के पास ही सरस्वती मेमोरियल जूनियर हाईस्कूल है। उनके बेटे मोहित त्रिपाठी ने बताया कि शनिवार को बच्चों की छुट्टी के बाद स्कूल बंद हुआ था। रविवार सुबह जब स्कूल पहुंचे तो कार्यालय में लगा दरवाजा टूटा था। अंदर रखी पिता की तीन लाख रुपये की सोने की अंगूठी, 18 चांदी के सिक्के, चांदी के गणेश लक्ष्मी, 60 हजार रुपये नकद गायब थे।

स्क्रैप लेकर गए ट्रक चालक ने मारी रंगदारी

कल्याणपुर। पनकी इंडस्ट्रियल एरिया से माल लेकर सीकर राजस्थान के लिए निकला ट्रक चालक माल समेत गाड़ी लेकर अपने घर पहुंच गया। माल वापसी के बदले 75 हजार बतौर रंगदारी की मांग करने लगा। पीड़ित ने ट्रक चालक के खिलाफ पनकी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रावतपुर निवासी अब्दुल हमीद की पनकी के इस्पात नगर में डीजीएस प्लास्टिक के नाम से स्क्रैप फैक्ट्री है। अब्दुल हमीद के मुताबिक गत दो अक्टूबर को श्री खाटू श्याम ट्रांसपोर्ट कंपनी का चालक शायर अली उनकी फैक्ट्री से प्लास्टिक स्क्रैप ट्रक में लोड कर राजस्थान के सीकर में बंसल पॉली प्लास्ट के लिए निकला। चार अक्टूबर को वहां पहुंचे शायर अली का वहां के कर्मचारियों से विवाद हो गया। जिस पर शायर अली कर्मचारियों पर 75 हजार रुपए लूटने का आरोप लगा, माल समेत ट्रक लेकर अपने घर भरतपुर पहुंच गया।

सीवर लाइन डालने के विरोध में बंद कीं दुकानें

सीटीआई से गोविंदनगर के बीच बिछाई जानी है सीवर लाइन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- व्यापारियों ने पुरानी सीवर लाइन की सफाई की मांग की
- कहा, खोदाई से बाजार का कारोबार हो जाएगा चौपट

अमृत विचार। गोविंदनगर में सीवर लाइन बिछाई जाने को लेकर कुछ व्यापारी विरोध में उतर आए हैं। सोमवार को कार्य के विरोध में व्यापारियों ने दुकानों को बंद कर बाजार में घूम-घूम कर विरोध प्रदर्शन किया। व्यापारियों ने पुरानी पड़ी सीवर लाइन की सफाई कराने की मांग की। चेताया कि अगर सीवर लाइन बिछाई गई तो दुकानों की चाबी प्रशासन को सौंप देंगे।

गोविंदनगर से सीटीआई के बीच तीन करोड़ रुपये से सीवर लाइन और उसके बाद सड़क बनाई जानी है। इसको लेकर पूर्व में पार्षद नवीन पंडित, विधायक महेश त्रिवेदी, पार्षद वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष बंटी पांडेय, पार्षद विद्या भारती सहित अन्य लोगों ने भूमि पूजन किया था इसके बाद से कुछ व्यापारी भड़क गए। व्यापारियों ने एक साथ बैठक की, निर्णय लिया कि नई सीवर लाइन न डालकर पुरानी सीवर लाइन की सफाई की जाए। इसके बाद सभी व्यापारियों ने दुकानों के शटर गिरा दिए और बाजार में घूम-घूम कर व्यापारी एकता जिंदाबाद के नारे लगाए।

गोविंदनगर बाजार में प्रदर्शन करते व्यापारी। अमृत विचार

भगत सिंह मार्ग मार्केट एसोसिएशन के महामंत्री बलवीर सिंह छाबड़ा ने बताया कि सूचना मिली है कि कल से जलनिगम की ओर से खोदाई शुरू होनी है। यहां पर जो लाइन पड़ी है। इसमें मिट्टी भरी है। उन्होंने बताया कि अगर यह साफ हो जाए तो जलभराव की समस्या खत्म हो जाएगी। व्यापारी नेता राकेश पाटनी ने बताया कि सीवर लाइन बिछाने के लिए पार्षद ने भूमि पूजन किया है। सड़क की खोदाई होने से पांच से सात हजार परिवार आर्थिक संकट से जूझेंगे। उन्होंने सीवर लाइन बिछाए जाने का आदेश वापस लेने की मांग की। कहा कि अगर मांग पूरी नहीं हुई तो दुकानों को बंद कर चाभी प्रशासन को सौंप देंगे। वहीं, हंगामा की सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई। इधर, पार्षद नवीन पंडित ने बताया कि आदर्श बेकरी से लेकर बाटा चौराहा के बीच के कुछ व्यापारी विरोध कर रहे हैं। जबकि स्कूल, गुरुद्वारा, मंदिर सहित अन्य लोगों ने समर्थन दिया है। उन्होंने बताया कि अभी तक बरसाती नाले से पानी निकल रहा था। अब यह ध्वस्त हो चुका है।

टूटी पेयजल लाइनें और क्षतिग्रस्त चैंबर सुधारे जाएंगे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कई स्थानों पर टूटी पेयजल लाइनों की वजह से लोग परेशान हैं
- अलग-अलग जोन में ऐसे लीकेज पाइप और क्षतिग्रस्त चैंबर चिह्नित

अमृत विचार। शहर में कई स्थानों पर टूटी पेयजल लाइनों की वजह से लोग परेशान हैं। इससे एक ओर पानी की बर्बादी हो रही है तो वहीं सड़कें भी टूट रहीं हैं। इसी तरह क्षतिग्रस्त सीवर चैंबर की वजह से दुर्घटना होने का डर रहता है। जलकल दोनों ही समस्याओं को जल्द दूर करेगा। अलग-अलग जोन में ऐसे लीकेज पाइपों और क्षतिग्रस्त चैंबरों को चिह्नित किया गया है। नए मेनहोल के ढक्कन लगाने और पाइप लाइनों की मरम्मत में करीब 50 लाख रुपये खर्च होंगे। इसके टेंडर कराए गए हैं।

जलकल ने कार्यों के लिए करीब 50 लाख रुपये के टेंडर भी करा लिए हैं। पनकी स्वराजनगर व पनकी सरायमीता में कई स्थानों पर पाइप लाइन में लीकेज मरम्मत का कार्य के साथ ही रतनलाल नगर व गुजैनी, दादा नगर के विभिन्न स्थानों में लीकेज को ठीक किया जायेगा। जूही परमपुरवा में 39 क्षतिग्रस्त मैनहोलों की मरम्मत, गोविंद नगर में 10 सीवर मेनहोल मरम्मत, कारवालोनगर में 10 सीवर मेनहोल, बर्रा 2 बर्रा पश्चिम एवं गोविंदनगर उत्तरी में 12 सीवर मेनहोल की मरम्मत, रविदासपुरम गोविंद नगर व दबौली में 10 सीवर मेनहोल की मरम्मत की जाएगी। जलकल ने वार्ड 91 में सीवर समस्या को दूर करने के लिए भी टेंडर कराए हैं। यहां ब्लॉक 176 से नंदलाल आटा चक्की चौराहे तक आटा चक्की चौराहे तक 180 मीटर सीवर लाइन डाली जाएगी। इसके साथ ही 15 मेनहोल निर्माण का कार्य 9.98 लाख रुपये से होगा।

कई सीवर चैंबर क्षतिग्रस्त हैं।

घने इलाकों में भी पड़ेगी नई सीवर लाइन

- शहर के घने इलाकों चमनगंज, रायपुरवा, फहीमाबाद, हुमायूंबाग, सीसामऊ, दलेलपुरवा, नाजिरबाग में भी सीवर समस्या को दूर करने के लिए नई सीवर पाइप लाइनों को डाला जायेगा। इसके साथ क्षतिग्रस्त सीवर चैंबरों को दुरुस्त किया जायेगा। इसको लेकर जलकल ने टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है।

तमंचे के साथ फोटो वायरल की

कानपुर। जाजमऊ में तमंचे के साथ फोटो पोस्ट करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा है। जाजमऊ थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि कुछ दिनों पहले सोशल मीडिया पर एक युवक की फोटो वायरल हुई थी। जिसमें युवक हाथ में तमंचा लिए था। देर रात उसे छबीलेपुरवा फार्म के किनारे पकड़ गया। पूछताछ में युवक ने अपना नाम पोखरपुर कालोनी निवासी रोहित उर्फ नन्नू बताया। पुलिस को उसके पास से एक तमंचा व दो कारतूस बरामद किया है।

संदिग्ध दशा में 11 वीं की छात्रा ने फांसी लगाई

कानपुर। गुजैनी थानाक्षेत्र के बिहारीपुरवा में रविवार रात संदिग्ध परिस्थितियों में 11 वीं की छात्रा ने फंदा लगाकर जान दे दी। छोटे भाई ने आसपड़ोस के लोगों को जानकारी दी। जब तक लोग पहुंचते तब तक उसकी सांसे थम गई।

दिलीप सिंह चौहान घर के पास ही पान मसाले की दुकान चलाते हैं। सर्दी का मौसम आते ही उन्होंने घर के पास मूंगफली की दुकान लगाई है। उन्होंने बताया कि उनकी छोटी बेटी रिया (17) घर के पास स्थित स्कूल में 11 वीं की छात्रा थी। परिवार में बड़ी बहन रिद्धिमा अमौसी एयरपोर्ट पर प्राइवेट जाब करती है। जबकि मां अरुणा देवी और एक बेटा जयवीर है। उन्होंने बताया कि रविवार रात घर पर जयवीर और रिया खाना पीना खाकर खेल रहे थे। इतने में ही रिया अचानक कमरे से गई और दरवाजा अंदर से बंदकर दुपट्टे से फंदा लगा लिया। इस दौरान जयवीर ने दरवाजा खटखटाया लेकिन कोई आवाज नहीं हुई। इसके बाद वह पड़ोस में रहने वाले लोगों को बुलाकर लाया। दरवाजा न खुलने पर उन लोगों को सूचना दी गई। वह लोग भी दुकान छोड़कर घर पहुंचे और दरवाजा तोड़ा। वहां उसका शव फंदे से लटक रहा था।

5 परिसरों में पकड़ी बिजली चोरी

कानपुर। केस्को की विजिलेंस टीम ने साइकिल मार्केट व जीआईसी उपकेंद्र अंतर्गत पांच परिसरों में बिजली चोरी पकड़ी। केस्को मीडिया प्रभारी देवेंद्र वर्मा के मुताबिक बेकनगंज में बब्लू, अमीन हीरा, रेशमा, फिरदौस और दादा मियां चौराहा में नूर बिजली चोरी करते पाए गए, जिनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी गई है। वहीं, लोगों के बिजली चोरी न करने के लिए जागरूक भी किया गया। उन्होंने बताया कि बिजली चोरी के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।

पुलिस से वार्ता करते सपा नेता सम्राट विकास। अमृत विचार

बैटरियां चोरी करने वाले गिरफ्तार

कानपुर। कैंट पुलिस ने टॉवर से बैटरियां चोरी करने वाले पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। जाजमऊ केडीए कॉलोनी निवासी मोहम्मद जैद के अनुसार वह इंडस टॉवर्स लिमिटेड में टेक्नीशियन के पद पर हैं। उनकी कंपनी का एक टॉवर कैंट में लगा है। 20 अक्टूबर की शाम को वह वहां पहुंचे तो बैटरी बैंक का केबिन टूटा मिला। बैटरियां गायब थीं। जिस पर उन्होंने कैंट थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। रविवार तड़के लालकुर्ती बदलीपुरवा रोड पर खंडहर के पास से कैंट पुलिस ने पांच आरोपियों को पकड़ा। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम कैंट के वादेपुरवा निवासी प्रवीन, अहिरवां सैनिक नगर का रोहित सिंह, बदलीपुरवा का शनि, जाजमऊ का आफताब अंसारी उर्फ दरोगा और अंबेडकरनगर जाजमऊ का रिजवान बताया। पुलिस ने 24 बैटरियां, तार के तीन टुकड़े, एक बाइक, ई-रिक्शा और लोहे की रॉड बरामद की है।

एचआईवी मरीज से भेदभाव पर हैलट में प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। हैलट अस्पताल में तीमारदारों ने एचआईवी मरीज के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाते हुए सोमवार को प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में उनके साथ इटावा नेटवर्क ऑफ पिपुल लिविंग विथ एचआईवी संगठन के सदस्य शामिल हुए। संगठन के सदस्यों ने हैलट अस्पताल के प्रमुख अधीक्षक डॉ.आरके सिंह को ज्ञापन दिया और एचआईवी ग्रस्त मरीजों के साथ भेदभाव न करने की मांग की। डॉ.सिंह ने बताया कि अस्पताल में भर्ती मरीज का इलाज बिना किसी भेदभाव के किया जा रहा है।

ग्वालटोली निवासी 22 वर्षीय युवक को एक साल पहले जांच में पता चला कि वह एचआईवी पॉजिटिव है। तब से उसका इलाज चल रहा था। परिजनों के मुताबिक युवक को बीते सोमवार को कार सवार ने टक्कर मार दी थी, जिससे पैर में गंभीर चोट लगने पर उसे हैलट अस्पताल में भर्ती कराया था। आरोप है कि यहां पर दो दिनों तक तो डॉक्टरों ने ठीक से इलाज किया। लेकिन जब मरीज के एचआईवी पॉजिटिव होने की जानकारी हुई तो उन्होंने मरीज को एक अलग गंदे कमरे में कर दिया। जहां कोई भी डॉक्टर उसे देखने नहीं आता। मरीज के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है। जानकारी होने पर सोमवार को इटावा नेटवर्क ऑफ पिपुल लिविंग विथ एचआईवी संगठन के सदस्यों ने परिजनों से मुलाकात की और उसके साथ हैलट में प्रमुख अधीक्षक के कार्यालय के बाहर शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर मरीज के साथ भेदभाव न किए जाने और पूरा इलाज उपलब्ध कराने की मांग की। संगठन के अध्यक्ष संजय कुमार के मुताबिक प्रमुख अधीक्षक ने आश्वासन दिया है कि सभी एचआईवी व्यक्तियों को अस्पताल में बिना किसी भेदभाव के सम्मानपूर्वक और निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। प्रमुख अधीक्षक डॉ. आरके सिंह ने कहा कि मरीज अस्पताल में भर्ती है। उसको पूरा इलाज मिलेगा। संक्रमण किसी और को न हो इसलिए मरीज को अलग कमरे में रखा गया।

हैलट में प्रदर्शन के दौरान मौजूद इटावा नेटवर्क ऑफ पिपुल लिविंग विथ एचआईवी संगठन के सदस्य। अमृत विचार

- परिजनों का आरोप है कि मरीज के साथ किया गया भेदभाव

कोर्ट में मामला कर सकते दायर

- संगठन के अध्यक्ष संजय कुमार के मुताबिक एचआईवी या एड्स से पीड़ित मरीज के साथ भेदभाव पूर्ण व्यवहार करने पर अस्पताल के खिलाफ अदालत में मामला दायर किया जा सकता है। चाहे वह भेदभाव, इलाज से मना करने या गोपनीयता का उल्लंघन करने के कारण हो। ऐसे मामलों में मरीज सिविल कोर्ट या उपभोक्ता फोरम में अपकृत्य कानून के तहत क्षतिपूर्ति का दावा कर सकता है और यदि लापरवाही से बीमारी हुई है तो भारतीय दंड संहिता की धारा 269 और 270 के तहत भी शिकायत की जा सकती है। यदि लापरवाही के कारण मौत हुई है तो धारा 304-ए के तहत भी कार्रवाई हो सकती है।

इलाज में लापरवाही पर हॉस्पिटल में हंगामा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- परिजनों ने डॉक्टरों पर लगाया लापरवाही का आरोप

अमृत विचार। लाजपत नगर स्थित एक निजी हॉस्पिटल में परिजनों ने डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए रविवार रात को हंगामा किया। हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को समझाकर शांत कराया। सपा नेता सम्राट विकास ने पुलिस, परिजनों व डॉक्टर से वार्ता की। इसके बाद परिजन अपने मरीज को अस्पताल से दूसरी जगह ले गए। हालांकि रास्ते में मरीज की मौत हो गई।

मूलरूप से प्रतापगढ़ कुंडा निवासी मोहम्मद कामिल (55) तहसील में अमीन पद से सेवानिवृत्त थे और उनको किडनी की बीमारी थी। बीते 15 दिनों से उनको अधिक समस्या होने पर परिजनों ने उनको पहले शारदा नगर स्थित एक हॉस्पिटल में भर्ती कराया था, जहां आराम नहीं मिलने पर परिजन उन्हें लाजपत नगर स्थित एक हॉस्पिटल ले गए, जहां पर उनका करीब तीन दिन तक इलाज चला। तभी रविवार रात को मरीज की हालत अधिक खराब होने पर परिजन आईसीयू के बाहर एकत्र हुए। परिजनों का आरोप है कि यहां पर डॉक्टरों ने मरीज को वेंटिलेटर पर जबरदस्ती रखा, लेकिन इलाज सही तरह से नहीं किया। इलाज में लापरवाही बरती, जिसकी वजह से उनकी हालत में सुधार होने के बजाय और बिगड़ती गई। साथ ही काफी रुपये का बिल भी बना दिया, जिससे नाराज परिजनों ने हंगामा किया और पुलिस बुला ली। पुलिस ने परिजनों को समझाकर शांत कराया, जिसके बाद वह अपने मरीज को रात में अस्पताल से ले गए। अस्पताल से निकाले के बाद रास्ते में उनकी मौत हो गई। अस्पताल के निदेशक ने बताया कि मरीज डायलिसिस पर काफी समय थे, इलाज में कोई लापरवाही नहीं की गई। जो बिल बना, वह परिजनों को अधिक लगा रहा था, इसलिए उन्होंने हंगामा किया, अस्पताल प्रशासन ने बिल से रुपये कम ही लिए हैं।

रैम्प से रेल पटरियों और एफबीडब्लू प्लांट को नीचे उतारा गया। अमृत विचार

सेंट्रल से स्वदेशी कॉटन तक ट्रैक बिछाने का कार्य शुरू

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- रैम्प से रेल पटरियों और एफबीडब्लू प्लांट को नीचे उतारा गया

अमृत विचार। मेट्रो के कॉरिडोर-1 के बैलेंस सेक्शन कानपुर सेंट्रल से नौबस्ता के अंतर्गत लगभग 3 किमी. लंबे अंडरग्राउंड सेक्शन में स्वदेशी कॉटन मिल रैम्प में ट्रैक बिछाने का कार्य शुरू हो गया है। सोमवार को स्वदेशी कॉटन मिल के समीप स्थित रैम्प से रेल पटरियों और एफबीडब्लू प्लांट को नीचे उतारा गया तथा वेल्डिंग कार्य शुरू किया गया। ट्रैक निर्माण के अंतर्गत 18 मीटर लंबी रेल पटरियों को आपस में जोड़ा जाएगा। वेल्डिंग के बाद निश्चित अंतरालों पर स्लैब की ढलाई की जाएगी, जिन पर आगे डिरेलमेंट गार्ड और थर्ड रेल लगाने की व्यवस्था होगी।

यूपीएमआरसी के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने बताया कि कानपुर मेट्रो में ट्रैक निर्माण के लिए हेड हार्डेड रेल का प्रयोग किया जा रहा है। इस तरह की रेल पटरियों का उपयोग हाई-स्पीड फ्रेट कॉरिडोर जैसी परियोजनाओं में भी होता है। ये रेल पटरियां सामान्य रेल की तुलना में अधिक कठोर और लंबे जीवन-चक्र वाली होती हैं। बैलास्ट-लेस (गिट्टी-रहित) ट्रैक में इन रेलों के कारण रखरखाव की आवश्यकता न्यूनतम रहती है और संचालन अधिक सुचारु होता है। उन्होंने कहा कि कानपुर सेंट्रल से स्वदेशी कॉटन मिल रैम्प के बीच ट्रैक निर्माण की शुरुआत हमारे लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस सेक्शन के अंतर्गत हाल ही में 'आजाद' और 'विद्यार्थी' टनल बोरिंग मशीनों के माध्यम से टनलिंग कार्य पूरा किया गया था। वर्तमान में ट्रैक बिछाने के साथ-साथ फिनिशिंग और सिस्टम इंस्टॉलेशन कार्य भी तेजी से आगे बढ़ रहा है।

हेल्थ अलर्ट | जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों ने सौ से अधिक बच्चों पर की स्टडी

बच्चों में भूलने, गुस्साने और हिंसा की प्रवृत्ति

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अगर आपके घर में अधिक झगड़ा होता है या बच्चे का स्क्रीन टाइम ज्यादा है तो बच्चों के व्यवहार पर नजर रखने की जरूरत है। बार-बार घर में झगड़ा होने और स्क्रीन टाइम बढ़ने से बच्चों में न्यूरो ट्रांसमीटर असंतुलित होने की समस्या देखी गई है, जिसकी वजह से उनमें भूलने, गुस्सा करने, चिड़चिड़ापन और मानसिक अस्थिरता के लक्षण प्रतीत हुए हैं। यह समस्या आगे चलकर अवसाद का भी कारण बन सकती है।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के मानसिक रोग विभाग के बाल क्लीनिक में एक महीने में डॉक्टरों ने 121 बच्चों पर स्टडी की है, जिनमे ऐसे बच्चे शामिल किए गए, जिनका पढ़ाई में मन न लगता, व्यवहार में

हिंसक प्रवृत्ति आने, गुस्से में खुद को नुकसान पहुंचाने, खुद का हाथ काट लेने, दीवार पर सिर मारने और बाल को नोचने आदि समस्या से ग्रस्त थे। विभागाध्यक्ष डॉ. धनंजय चौधरी ने बताया कि 121 बच्चों को तीन आयु वर्गों में बांटकर उनपर स्टडी की गई है। चार से आठ वर्ष बच्चों में बुद्धि से कमजोरी, बार-बार सामान भूलने, मोबाइल देखकर ही खाना खाने, स्कूल न जाने और चिड़चिड़ापन की समस्या देखी गई। नौ से 14 वर्ष के बच्चों में मिर्गी जैसे दौरे, तनाव, फोन स्क्रीन की लत और माता-पिता व परिजन से अभद्रता करने की हरकत सामने आई है। जबकि 15 से 17 वर्ष के बच्चों में रिश्तों में असंतुलन, ब्रेकअप के बाद अवसाद, आत्महत्या के विचार और खुद को नुकसान पहुंचाने की प्रवृत्ति प्रमुख देखी गई है। इसकी सबसे बड़ी वजह स्क्रीन टाइम और पारिवारिक झगड़े होना है। बताया कि लगातार छह से आठ घंटे लैपटॉप या मोबाइल की स्क्रीन देखने से दिमाग में डोपामीन नामक न्यूरो ट्रांसमीटर असंतुलित हो जाता है, जिससे असंतुलन मानसिक अस्थिरता, भूलने और गुस्से जैसी दिक्कतें होती है। वहीं, घर का झगड़ालू माहौल और विरोधाभासी व्यवहार बच्चे के मन पर गहरा असर डालते हैं।

ऐसे करें बचाव

- डॉ.धनंजय चौधरी ने बताया कि बच्चा अगर गुस्से या तनाव की स्थिति में है तो उस वक्त उसे डांटने या समझाने से बचना चाहिए। परिवार में शांति और आपस में संवाद बनाकर रखें। बच्चों के सामने झगड़ा न करें। बच्चे से विरोधाभासी बातें न करें, उसकी समस्या को शांत मन से जरूर सुनें। बच्चे का अगर स्क्रीन टाइम अधिक है तो उसको सीमित करने की पूरी कोशिश करें। बच्चों को संगीत, योग या मार्शल आर्ट जैसी गतिविधियों के लिए प्रेरित करें। खानपान पर विशेष ध्यान दें और पौष्टिक चीजों का सेवन कराएं। व्यवहार में बदलाव होने पर डॉक्टर से संपर्क जरूर करें।

चोरी का हिस्सा मांगने पर किशोर को पीटा, मौत

कल्याणपुर। कल्याणपुर में चोरीके मोबाइल की रकम में हिस्सा मांगने पर किशोर के साथी ने उसे 15 दिन पहले बेरहमी से पीट दिया था। रविवार को किशोर ने दम तोड़ दिया। पुलिस बीमारी से किशोर की मौत होने की बात कह रही है।

आवास विकास-तीन निवासी सोमवती के मुताबिक उनका 14 वर्षीय बेटा ईशू पिछले तीन वर्षों से मसवानपुर निवासी एक चट्टा संचालक के पास काम कर रहा था। करवाचौथ के दौरान चट्टा संचालक के कहने पर ईशू व उसके साथी ने इलाके में रहने वाले युवक का मोबाइल चोरी किया था। आरोप है कि साथी किशोर ने चोरी के इस मोबाइल बेच दिया था। जिसपर ईशू ने जब अपने हिस्से के रुपए मांगे, तो साथी किशोर ने उसकी डंडों से पिटाई कर दी थी। ईशू का घर पर ही इलाज चल रहा था।

लाल बंगला में जाम का कारण बना ट्रांसफार्मर दूसरी जगह शिफ्ट होगा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- विधानसभा अध्यक्ष ने केस्को एमडी और डीसीपी ट्रैफिक को बुलाकर दिए निर्देश

अमृत विचार। लाल बंगला में जाम की समस्या आम हो गई है। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने जाम लगने की मुख्य वजह खोजी और उसके निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को बुलाकर निर्देश दिए।

लाल बंगला रोड और चौकी चौराहे के पास दिनभर जाम के हालत बने रहते हैं। चौकी के पास ट्रांसफार्मर लगा होने की वजह से जाम की समस्या विकराल हो जाती है। इस संबंध में क्षेत्र के लोगों ने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से मिलकर निस्तारण की मांग की थी। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने खुद लाल बंगला चौकी के पास जाकर वास्तविकता को परखा और केस्को प्रबंधक निदेशक सैमुअल पॉल एन और डीसीपी ट्रैफिक अर्चना सिंह को बुलाया। नगर निगम और केडीए के अधिकारियों को भी मौके पर बुलाया। उन्होंने केस्को प्रबंध निदेशक से चौकी के पास लगे ट्रांसफार्मर को दूसरी जगह शिफ्ट करने निर्देश दिए। नगर निगम और केडीए अधिकारियों को अतिक्रमण पर नियंत्रण लगाने के निर्देश दिए। डीसीपी ट्रैफिक अर्चना सिंह से कहा कि कुछ ऐसा प्रबंध करें, जिससे कि सड़क पर जाम न लगने पाए।

लाल बंगला चौकी चौराहे के पास जाम से निजात के संबंध में अफसरों को निर्देश देते विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना। अमृत विचार

अमृत विचार

www.amritvichar.com

सिटी ब्रीफ

दो आरोपियों को जेल भेजा गया

कानपुर। गाजियाबाद वसुंधरा निवासी नमित अग्निहोत्री के अनुसार काकादेव अंबेडकर नगर उनके पैतृक मकान पर चचेरे भाई अनूप अग्निहोत्री ने मकान की फर्जी वसीयत तैयार कर अपने बेटे शुभम के नाम रजिस्ट्रर्ड दान लिख दी। इस काम में अनूप का साथ उसके दूसरे बेटे राहुल व बेटी मीनाक्षी ने दिया था। उन्होंने विरोध किया तो आरोपियों ने रंगदारी मांगते हुए मकान न छोड़ने पर हत्या करने की धमकी दी थी। जिसके बाद काकादेव थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। थाना प्रभारी राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि शुभम व राहुल अग्निहोत्री को सोमवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

ऑटो में महिला का पर्स चोरी

कानपुर। सागरपुरी से दासूकुआं जाने के लिए आटो में बैठी महिला का बगल में सवारी बन कर बैठी महिला ने पर्स चोरी कर लिया। इस पर्स में पीड़िता के 36 सौ रुपये और मंगलसूत्र था। पीड़िता ने हनुमंत विहार थाने मे रिपोर्ट दर्ज कराई है। केडीए कॉलोनी सागरपुरी निवासी ऋषिकांत शर्मा की पत्नी शिप्रा शर्मा शनिवार को अपने ससुराल यशोदा नगर जा रहीं थीं। रास्ते में ऑटो में एक अन्य महिला अपने छोटे बच्चे के साथ सवार हुई और कुछ दूरी बाद मछरिया के पास उतर गई। उसके जाने के बाद शिप्रा शर्मा ने अपना बैग देखा तो उसमें की चेन आधी खुली मिली। जांच करने पर पता चला कि बैग में रखे रुपये और लॉकेट वाला मंगलसूत्र गायब था। पीड़िता की शिकायत पर पहुंची पुलिस ने बताया कि वह उस महिला का चेहरा, कपड़े या हुलिया पहचान याद नहीं है। थानाध्यक्ष राजीव सिंह ने बताया कि महिला के बताए मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

सेंट्रल स्टेशन पर पकड़े गए लुटेरे।

स्टेशन के आउटरों पर यात्रियों को लूटने वाले गिरफ्तार

कानपुर। स्टेशनों के आउटर पर खड़ी होने वाली ट्रेनों के यात्रियों से लूटपाट करने वाले दो अपराधियों को जीआरपी ने गिरफ्तार किया है। इन दोनों के कब्जे से डेढ़ लाख रुपये कीमत के मोबाइल भी बरामद हुए हैं। सोमवार को जीआरपी थाना प्रभारी ओम नारायण सिंह की अगुवाई में सेंट्रल स्टेशन पर चेकिंग के दौरान टाटमिल की ओर कच्चे रास्ते पर पीपल के पेड़ के पास दो शातिर लुटेरे आसिफ उर्फ अजमेरी निवासी मुन्ना पुरवा नाला रोड एवं सुरजीत निवासी कच्ची बस्ती गोविंद नगर को गिरफ्तार किया।

तीन निराश्रित मासूमों को मिले माता-पिता, गूंजीं किलकारियां

जिलाधिकारी ने दत्तक ग्रहण आदेश पर हस्ताक्षर कर तीन दंपतियों को बच्चे सौंपे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने जैसे ही दत्तक ग्रहण आदेश पर हस्ताक्षर किए और तीन दंपत्तियों को प्रमाणपत्र सौंपे, वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखें नम हो उठीं। जिन घरों में बरसों से सूनापन उन्हें काटने को दौड़ रहा था, वहां अब बच्चों की किलकारियां गूंजेंगी। सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय भावनाओं से भर गया। हालात ने जिन नन्हें मासूमों को अकेला छोड़ा था, अब उन्हें सहारा मिल गया है यानी उन्हें नया परिवार मिल गया है। नवजात परी को जिसे नजीराबाद थाने के अंतर्गत लावारिस पाया गया था, नवजात करन को जो कोतवाली क्षेत्र से निराश्रित अवस्था में मिला और नवजात सोना अनवरगंज रेलवे स्टेशन पर अकेली मिली थी। इन तीनों बच्चों को बाल कल्याण समिति के आदेश से स्वरूप नगर स्थित राजकीय विशेषज्ञ दत्तक ग्रहण इकाई / बालिका गृह में रखा गया। वहीं से इनकी देखरेख हुई और कानूनी प्रक्रिया पूरी कर इन्हें स्वतंत्र घोषित किया गया। ये तीनों नए परिवारों की धरोहर बन गए। जिलाधिकारी ने कहा कि दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और सुरक्षित है। गोद लेना केवल सीएआरए पोर्टल से ही मान्य है। किसी अन्य माध्यम से की गई प्रक्रिया विधिक रूप से अमान्य होगी। उन्होंने तीनों दंपत्तियों को घर में नए सदस्य आने की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

मासूमों को गोद लेने की प्रक्रिया पूरी होने पर बधाई देते जिलाधिकारी। अमृत विचार

कौन बने माता-पिता

- हैदराबाद के प्रवीण कुमार दीवानजी और लता श्रीवास्तव ने परी को गोद लिया, जिसका नया नाम रखा गया रायिनी। धनबाद (झारखंड) के दिनेश कुमार तिवारी और अनामिका तिवारी ने करन को गोद लिया, जिसका नाम आयांश तिवारी रखा गया। जयपुर के भीमराज और मीना देवी ने सोना को गोद लिया, जिसे अब वान्या नाम मिला है। जब लता श्रीवास्तव ने नन्हीं रायिनी को सीने से लगाया, उनकी आंखें छलक पड़ीं। मीना देवी ने वान्या का माथा चूमा, तो दिनेश तिवारी ने आयांश को गोद में भरकर कहा कि आज हमारा घर पूरा हो गया।

क्या है गोद लेने की प्रक्रिया

- दत्तक ग्रहण केन्द्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण सीएआरए पोर्टल से ही मान्य है। किसी अन्य माध्यम से किया गया गोद लेना विधिक रूप से अवैध माना जाएगा। इसके लिए आवेदक दंपत्ति को पैन कार्ड, आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, विवाह प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र अथवा आयकर विवरणी, स्वास्थ्य प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र और नवीनतम फोटो जैसे सभी आवश्यक दस्तावेज ऑनलाइन जमा करने होते हैं। इसके उपरांत जिला बाल संरक्षण इकाई आवेदक का सामाजिक और आर्थिक मूल्यांकन करते हुए गृह अध्ययन रिपोर्ट तैयार करती है और उसे पोर्टल पर अपलोड करती है। जब सारी औपचारिकताएं पूरी हो जाती हैं तो पहले बच्चों को फॉस्टर केयर में सौंपा जाता है, जिसके दौरान दंपत्ति को निर्धारित शुल्क जमा करना पड़ता है। अंतिम चरण में जिलाधिकारी कार्यालय में सुनवाई और साक्षात्कार होता है तथा सभी नियम पूरे होने पर जिलाधिकारी द्वारा विधिक रूप से दत्तक ग्रहण का आदेश जारी किया जाता है।

590 ग्राम पंचायतों में नामावली पुनरीक्षण शुरू

कानपुर। त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन 2026 के लिए निर्वाचक नामावली का वृहद पुनरीक्षण कार्य आरंभ हो गया है। जिसके तहत 10 विकास खंडों के 590 ग्राम पंचायतों में चुनाव की तैयारियां जोर शोर से चल रही हैं। मतदाता सूची को दुरुस्त करने के लिए 869 बीएलओ की टीम को लगाया गया है।

जिले में पंचायत चुनाव में 10 विकास खंड सरसौल, बिधनू, शिवराजपुर, पतारा, कल्याणपुर, चौबेपुर, बिल्हौर, घाटमपुर, ककवन एवं भीतर गांव शामिल हैं।

इनमें कुल 90 न्याय पंचायत हैं। आागामी पंचायत चुनाव को देखते हुए 1994 मतदान स्थल बनाने की तैयारी है जिसके लिए 826 मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। सरसौल में 84, बिधनू में 85, शिवराजपुर में 75, पतारा 81, कल्याणपुर 81, चौबेपुर 72, बिल्हौर 106, घाटमपुर 142, ककवन 40, भीतरगांव में 103 बीएलओ लगाए गये हैं।

> त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन 2-026 के लिए निर्वाचक नामावली का वृहद पुनरीक्षण शुरु हो चुका है, मतदाता सूची को दुरुस्त किया जा रहा है।
>
> -संजय द्विवेदी, जिला निर्वाचन अधिकारी, कानपुर

यात्रा का मार्ग चार्ट पुलिस कमिश्नर को सौंपते क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, पूर्व महापौर रविन्द्र पाटनी, जिला अध्यक्ष शिवराम सिंह आदि। अमृत विचार

जाजमऊ से गुमटी तक यात्रा का भव्य स्वागत

- सिखों की पवित्र गुरु चरण सुहावा यात्रा आज पहुंचेगी कानपुर
- भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष ने यात्रा का मार्ग चार्ट पुलिस कमिश्नर को सौंपा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सिख समाज की आस्था और श्रद्धा से जुड़ी पवित्र गुरु चरण सुहावा यात्रा आज कानपुर पहुंचेगी। यात्रा में गुरु गोविंद सिंह जी महाराज एवं माता साहिब कौर जी के पावन चरण पादुका का दर्शन शहरवासी कर सकेंगे। जाजमऊ से लेकर गुमटी गुरुद्वारा मार्ग तक दर्जनों स्थानों पर यात्रा का भव्य स्वागत किया जाएगा। सिख संगतों के साथ-साथ भाजपा के कार्यकर्ता भी यात्रा के स्वागत की तैयारियों में जुटे हैं। सोमवार को भाजपा की ओर से यात्रा का मार्ग चार्ट पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल को सौंपा गया। भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, जिला अध्यक्ष शिवराम सिंह, पूर्व महापौर रविन्द्र पाटनी, पूर्व विधायक अजय कपूर, श्री गुरु सिंह सभा के प्रधान हरविंदर सिंह (लॉर्ड), गुरुद्वारा कीर्तनगढ़ के प्रधान हरजीत सिंह कालरा, अजीत छाबड़ा, जसविंदर सिंह, गुरविंदर सिंह, नीतू सागरी, रमिंदर सिंह, कमलजीत सिंह बग्गा सहित अनेक सिख नेताओं ने पुलिस कमिश्नर से मुलाकात की। क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल ने यात्रा मार्ग, कार्यक्रम स्थल एवं स्वागत स्थलों की विस्तृत जानकारी पुलिस कमिश्नर को दी। यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, ट्रैफिक प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यात्रा के सभी बिंदुओं पर गंभीरता से अमल किया जाए। प्रकाश पाल ने बताया कि जाजमऊ पुल पर अरुण चैतन्य पुरी महाराज की अगवाई में बैंड बाजों घंटा घड़ियाल संग स्वागत होगा। यात्रा मार्ग में पड़ने वाले मठ मंदिरों में भी स्वागत की तैयारी की जा रही है।

अज्ञान रूपी अंधकार को दूर करता है गुरु

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। श्रीराम सर्वजनिक सेवा समिति द्वारा रामकथा पार्क वाई ब्लॉक किदवई नगर में आयोजित श्रीराम कथा के प्रथम दिन 108 रामहृदय दास जी (जिज्ञासु) महाराज ने श्रद्धालुओं को प्रभु की महिमा के बारे में बताया।

उन्होंने कहा कि गुरु ही वह प्रकाश है जो अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर जीवन को धर्म और सत्य के मार्ग पर अग्रसर करता है। श्रीराम चरित में गुरुमहिमा का वर्णन केवल भक्ति का आधार नहीं, बल्कि मानव जीवन की दिशा का संकेत भी है। राम नाम अविनाशी है और यह संसार के सभी परिवर्तनों के बावजूद सदा स्थिर रहता है। राम केवल एक नाम नहीं, बल्कि सबसे बड़ा मंत्र है, स्वयं सदाशिव भोले शंकर भी हर प्रहर राम नाम का जाप करते हैं। यह संसार राम नाम से ही चल रहा है, और सूर्य, चंद्रमा, अग्नि, वायु जैसी सभी शक्तियों में राम नाम समाहित है। कथा प्रारंभ से पूर्व श्री विष्णु महायज्ञ का शुभारम्भ हुआ। वेदपाठी ब्राह्मणों ने वैदिक मंत्रोच्चारण किया। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि यह कथा महोत्सव नौ दिनों तक चलेगा। प्रमुख रूप से राजेन्द्र सिंह चौहान, देवेश द्विवेदी, लाला अग्निहोत्री, राधे शिवहरे, विवेक बाजपेई, मोनू पाण्डेय, अजय अग्निहोत्री, राम कुमार द्विवेदी, हितेश तिवारी, नरेश द्विवेदी उपस्थित रहे।

राम हृदय दास जी महाराज।

भट्ठों में कामगारों को बेरोजगार करने की साजिश

कानपुर। नवीन मार्केट स्थित सपा कार्यालय में सोमवार को पदाधिकारियों की बैठक हुई। नगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने कहा कि महानगर में 250 भट्ठे और प्रदेश में बीस हजार से अधिक ईंट-भट्ठे हैं, जिसमें इस समय ईंट पथायी हो रही है और उनमे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से दो लाख कामगार कार्यरत हैं। वर्तमान समय में एक ईंट नौ रुपये की आ रही है। ऐसे में भाजपा सरकार के अधिकारी सर्वे कर इन कामगारों को बेरोजगार बनाने की साजिश रच रहे है। ऐसे में ईंट की कीमत बढ़कर 13 रुपये हो जाएगी। तब निर्माण क्षेत्र में गिरावट आएगी और निर्माण कार्य करना मुश्किल होगा। बताया कि सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने वन टाइम सेटलमेंट लागू किया था, जिससे कामगार व ईंट निर्माता खुश थे। इस दौरान केके शुक्ला, शैलेंद्र यादव, संजय सिंह, नंदलाल जयसवाल, रजत मिश्रा, शबाब अबरार रहे।

प्रदेश में सिख अल्पसंख्यक आयोग बनाया जाए

अशोक नगर कार्यालय में बैठक करते सिख समाज के लोग। अमृत विचार

- पंजाबी एवं सिंधी भाषा अनुसंधान केंद्र की स्थापना करें
- 30 अक्टूबर को लखनऊ में सिख समाज का अधिवेशन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सिख समाज की एकता और अधिकारों के लिए केन्द्रीय श्री गुरु सिंह सभा का राज्य स्तरीय अधिवेशन 30 अक्टूबर को लखनऊ में होगा। सिख समाज ने केंद्र व राज्य सरकार से मांग की है कि उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक आयोग की तर्ज पर उत्तर प्रदेश सिख अल्पसंख्यक आयोग का गठन किया जाए और सिख समाज के लिए यूपी में एमएलसी की पांच सीटें आरक्षित की जाएं।

सोमवार को श्री गुरु सिंह सभा कानपुर महानगर कैंप कार्यालय अशोक नगर में बैठक हुई जिसमें सभा के चेयरमैन एवं पूर्व एमएलसी सरदार कुलदीप सिंह ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की 350वीं शहादत वर्षगांठ के उपलक्ष्य में केन्द्रीय श्री गुरु सिंह सभा (उत्तर प्रदेश इकाई) द्वारा 30 अक्टूबर को केके पैलेस अवध चौराहा, वीआईपी रोड आलमबाग में अधिवेशन होगा। अधिवेशन में पारित प्रस्तावों को राज्य सरकार को औपचारिक रूप से स्मारक पत्र के रूप में सौंपा जाएगा। सभा के अध्यक्ष सिमरन जीत सिंह, मोहकम सिंह, संजय टंडन, राजेन्द्र सिंह (नीटा), गुरविंदर सिंह (बिट्टू), अमरजीत सिंह चड्ढा, गुरविंदर सिंह (वासु), सुखप्रीत सिंह (बंटी), सुरिंदर सिंह, तजिन्दर पाल सिंह, मंजीत सिंह (चड्ढा) आदि थे।

ये प्रस्ताव पारित किये गये

- पंजाबी एवं सिंधी भाषा अनुसंधान केंद्र की स्थापना करें ताकि इन भाषाओं की साहित्यिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर का संरक्षण, अध्ययन और डिजिटलीकरण हो सके। सिख विरासत संग्रहालय एवं प्रदर्शनी केंद्र की स्थापना हो ताकि गुरु साहिबानों के जीवन, बलिदान और मानवता के प्रति योगदान की जानकारी नई पीढ़ियों तक पहुंचे।
- विश्वविद्यालय स्तर पर पंजाबी और सिंधी विषयों में एमफिल एवं पीएचडी कार्यक्रमों की शुरुआत की जाए ताकि अकादमिक जगत में सिख और सिंधी विरासत को सशक्त स्थान मिल सके।
- भाषाई प्रमाणपत्र, डिप्लोमा और डिग्री पाठ्यक्रमों का संचालन हो ताकि युवाओं में भाषा और संस्कृति के प्रति गर्व और पहचान विकसित हो।
- उत्तर प्रदेश विधानमंडल में सिख प्रतिनिधित्व की व्यवस्था के लिए पांच सीटें आरक्षित करें।
- उत्तर प्रदेश सिख अल्पसंख्यक आयोग का गठन करें और सिख समाज के कल्याण, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक उन्नति के लिए ठोस नीति बने।

अभिभावक प्रशिक्षण हुआ

कानपुर। अमृता स्पेशल स्कूल एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर में पेरेंट्स ओरियंटेशन (अभिभावक प्रशिक्षण) कार्यक्रम किया गया। डॉ. ख्याति अवस्थी ने अभिभावकों को ऑक्युपेशनल थैरेपी का महत्व बताया। कहा कि ओटी उन बच्चों के लिए विशेष रूप से सहायक है जिन्हें ऑटिज्म, विकासात्मक देरी, संवेदी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। अमृत विचार

पोर्टल पर अपलोड करें वक्फ सम्पत्तियों का ब्योरा

- अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कार्यालय में हेल्प डेस्क स्थापित
- 5 दिसंबर तक उम्मीद पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों का विवरण दें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। केन्द्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, नई दिल्ली में उम्मीद केन्द्रीय पोर्टल, 2025 का शुभारम्भ किया गया है। इस पोर्टल का उद्देश्य मौजूदा औकाफ (वक्फ सम्पत्तियों) का विवरण, पंजीकरण, लेखा, लेखा परीक्षा तथा वक्फ एवं बोर्ड से संबंधित अन्य विवरणों को केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित स्वरूप में ऑनलाइन अपलोड करना है। कानपुर में अपलोड करने का काम शुरू हो गया है। पोर्टल पर अपलोड करने की अंतिम तिथि 5 दिसंबर है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कार्यालय में हेल्पडेस्क स्थापित की गई है।

जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी एवं सहायक सर्वे कमिश्नर वक्फ, कानपुर नगर पवन कुमार सिंह ने बताया कि वक्फ सम्पत्तियों का विवरण उम्मीद पोर्टल पर दर्ज किए जाने के लिए संबंधित मुतवल्ली को मेकर के रूप में नामित किया गया है जिनके द्वारा सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। मुतवल्ली द्वारा दर्ज की गई सूचनाओं का परीक्षण (चेकर) के रूप में बोर्ड द्वारा नामित कर्मचारियों द्वारा किया जाएगा। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी एवं सहायक सर्वे कमिश्नर वक्फ ने बताया कि सुन्नी एवं शिया वक्फ बोर्ड, लखनऊ द्वारा विभिन्न कार्मिकों एवं मुतवल्लियों को कोऑर्डिनेटर के रूप में नामित किया गया है।

प्रतियोगिता में विजयी टीम। अमृत विचार

सीएसजेएमयू ने डीएवी कॉलेज को हराया

- अंतर महाविद्यालयीय फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से सोमवार को अंतर महाविद्यालयीय फुटबॉल प्रतियोगिता की शुरुआत हुई। प्रतियोगिता में पहले मुकाबले में सीएसजेएमयू की टीम ने अपना मैच जीता।

प्रतियोगिता की शुरुआत स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट के निदेशक प्रो सुधांशु पाण्डया ने मुख्य अतिथि के रूप में की। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडली में देबुजीत सिंह यादव, शरद जायसवाल, प्रदीप कुमार, वीरेंद्र कुमार, अमित कुमार, राशिद अहमद एवं आनंद शर्मा मौजूद रहे। सोमवार को खेले गए मुकाबले में सीएसजेएमयू की टीम ने डीएवी कॉलेज की टीम को पराजित किया। सीएसजेएमयू की टीम के कप्तान दिनेश रहे, जबकि डीएवी कॉलेज की टीम के कप्तान कबीर रहे। कार्यक्रम में शारीरिक शिक्षा विभागाध्यक्ष डॉ श्रवण कुमार सिंह यादव, खेल सचिव निमिषा सिंह कुशवाहा, संयुक्त खेल सचिव शुभम हजेरिया, सह-प्राध्यापक डॉ प्रभाकर पाण्डेय, सहायक आचार्य अभिषेक मिश्रा, सहायक आचार्य धर्मेन्द्र सिंह चौहान, फुटबॉल कोच गोविन्द सहित अन्य मौजूद रहे।

धर्म पथ

विश्व शांति सेवा समिति के तत्वावधान में मोतीझील में श्रीमद्भागवत कथा

जब अपने तक साथ छोड़ देते तब प्रभु देते हैं सहारा : देवकी नंदन

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। संसार में भगवान श्रीकृष्ण के अतिरिक्त हमारा कोई नहीं है। वही हमारे सच्चे साथी, सच्चे मित्र और सच्चे रक्षक हैं। जब दुनिया साथ छोड़ देती है, जब अपने भी पराए बन जाते हैं, तब भी केवल भगवान ही हैं जो हमारे साथ खड़े रहते हैं। इसीलिए हमें हमेशा श्रीकृष्ण पर विश्वास रखना चाहिए, क्योंकि वे हमारे थे, हमारे हैं और हमारे रहेंगे। हमें अपनी मातृभाषा हिंदी से भी प्रेम करना चाहिए। यह केवल भाषा नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति और हमारी पहचान है। जो व्यक्ति अपनी भाषा का सम्मान करता है, वही अपने देश और अपनी परंपरा का सच्चा सम्मान करता है। आज जब लोग विदेशी भाषाओं की ओर आकर्षित हो रहे हैं, तब हमें गर्व से कहना चाहिए कि हमारी मातृभाषा ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। ये बातें देवकीनंदन ठाकुर जी महाराज ने विश्व शांति सेवा समिति के तत्वावधान में मोतीझील में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में कहीं। उन्होंने कहा कि किसी भी जीव की हत्या करना पाप है। जीव चाहे छोटा हो या बड़ा, सभी में परमात्मा का अंश विद्यमान है। इसलिए हमें हर जीव पर दया करनी चाहिए, करुणा रखनी चाहिए। यही सच्चा धर्म है। अच्छे कर्म का फल सदैव शुभ होता है चाहे संसार उसे तुरंत न देखे, परंतु भगवान सब देखते हैं। संसार में संबंध अक्सर जरूरतों पर टिके होते हैं, परंतु भगवान ऐसे नहीं हैं। वे बिना किसी स्वार्थ के हमसे प्रेम करते हैं। जब कोई कथा सुनने के बाद तुम्हारे हृदय में भगवान के प्रति प्रेम जाग्रत होने लगे, जब तुम्हारा मन संसारिक विषयों से हटकर भगवद्-स्मरण में रमने लगे, तो समझ लेना कि तुम सही मार्ग पर चल रहे हो। इस अवसर पर शिव प्रकाश गुप्ता, जयमाला सिंह, प्रभा शकर वर्मा, पूनम पाण्डेय, विपिन बापजेई, डा. यूपी सिंह, राम विनय यादव, सतीश गुप्ता, अजय मिश्रा, अनिल श्रीवास्तव, नीरज वर्मा, रानी अवस्थी, वीरेन्द्र गुप्ता, नीलम सेंगर, माया सिंह, आभा गुप्ता, मीना शुक्ला, निर्मला त्रिपाठी, किरन तिवारी, अनु सेंगर, चन्द्र प्रभा रहीं।

देवकी नंदन ठाकुर जी।

कथा सुनने उमड़े शहरवासी। अमृत विचार

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार 28 अक्टूबर 2025

सिटी ब्रीफ

संगोष्ठी में रखे विचार

कानपुर। जुहारी देवी गर्ल्स पीजी कॉलेज में इतिहास विभाग द्वारा उत्तर प्रदेश में स्वतन्त्रता आन्दोलन एवं राष्ट्रवाद विषय पर एक अभिलेख प्रदर्शनी व संगोष्ठी आयोजित हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सीएसजेएमयू के प्रति कुलपति प्रो सुधीर कुमार अवस्थी, विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ संजय श्रीहर्ष, मुख्य वक्ता के रूप में प्रो अनिल मिश्रा, प्रो समर बहादुर सिंह, आशीष सिंह चौहान ने विचार रखे। गोष्ठी में सहायक प्रोफेसर डॉ आकांक्षा गुप्ता, महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो रन्जू कुशवाहा ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ आकांक्षा गुप्ता ने किया।

तीन तलाक देने का आरोप

चकेरी। रेलबाजार में एक विवाहिता ने आरोप लगाया है कि दहेज की मांग पूरी न होने पर आरोपित पति समेत ससुरालीजनों ने उन्हें मारापीटा। पति ने तीन तलाक देकर से घर से भगा दिया। पीड़िता ने रेलबाजार थाने में शिकायत की है। सुजातगंज निवासी पीड़िता के अनुसार उनका विवाह फरवरी 2024 में उन्नाव निवासी युवक के साथ हुआ था। विवाह के कुछ माह बाद से ही ससुरालीजन दहेज में पांच लाख रुपये और कार की मांग करने लगे। मांग पूरी न होने पर आरोपित उन्हें प्रताड़ित करते थे। 22 अक्टूबर को दहेज की मांग को लेकर उन्हें मारापीटा। साथ ही पति ने तीन तलाक देकर घर से भगा दिया।

प्रतिभागियों का कन्नौज भ्रमण

कानपुर। सुगन्ध एवं सुरस विकास केन्द्र फजलगंज में नेशनल एससी, एसटी हब द्वारा प्रायोजित सुगंधित तेल, सुगन्ध एवं सुरस उद्योग पर प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने कन्नौज भ्रमण किया। वहां विभिन्न प्रजातियों के पौधों को देखा।

पार्कों में बनाए गए तालाबों पर हुई पूजा। अमृत विचार

पनकी नहर पर आस्था का सैलाब उमड़ा। अमृत विचार

जय हो छठी माई...

ललना औ सुहाग कै रक्षा करा हे छठ माता...

कानपुर। भगवान सूर्य और छठ मइया की पूजा के पर्व डाला छठ पर लाखों श्रद्धालु छठ पूजन घाटों पर उमड़ पड़े। लोक आस्था के इस महापर्व पर हाथों में अखंड ज्योत लिए हुए व्रती परिवार डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देने के लिए घाटों पर पहुंचे। इस दौरान तमाम श्रद्धालु नंगे पांव ही चल रहे थे। घाट पर पहुंची महिला श्रद्धालुओं ने पहले वेदी पूजन किया और फिर छठी मइया की महिमा के गीत गाते हुए भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। इस दौरान बैंडबाजे की धुन पर तमाम श्रद्धालु नाचते रहे। छठ मइया का जयकारा भी वातावरण में गूंजता रहा।

कांच ही बास के बहंगिया बहंगी लचकत जाए..., अरघ लेई सूरजदेव खुश होइहै छठी मइया..., 'हे छठी मइया तोहार महिमा अपार ...' व 'अदिति लेहो मोर अरघिया...., कहवां भइल एतनी देर हो माई..., ' लीहीं सुरुज मल अरघिया आके करीं न दया... व ललना औ सुहाग कै रक्षा करा हे छठ माता, खुश होइबे हम आज... आदि गीतों से छठ मइया की महिमा का गुणगान व्रती महिलाओं ने किया। श्रद्धालुओं ने भगवान सूर्य के दर्शन भी किए। अर्मापुर नहर और पनकी नहर पर स्थित मंदिर में भगवान सूर्य का मनोहारी श्रृंगार किया गया। घाट पर पहुंची श्रद्धालु महिलओं ने अर्घ्य देकर सुख-समृद्धि की कामना की। गंगा बैराज, सरसैया घाट, गोला घाट, मैस्कर घाट, पनकी नहर, अर्मापुर, सीटीआई, साकेत नगर आदि जगहों पर छठ मइया का पूजन किया गया। सुहागिन महिलाओं ने एक दूसरे की मांग में सिंदूर भी लगाया। झालरों से सजाए गए घाट पर ऐसा लग रहा था मानों लाखों तारें जमीं पर उतर आए।

एक-दूसरे की मांग में सिंदूर भरतीं महिलाएं। अमृत विचार

महापौर ने अरमापुर और पनकी में किया छठ पूजन

- **कानपुर।** महापौर प्रमिला पांडेय ने सोमवार शाम अरमापुर और पनकी घाट में डूबते सूरज को अर्घ दिया। महापौर प्रमिला पांडे सबसे पहले अरमापुर घाट पहुंची जो उन्होंने बड़ी संख्या में महिलाओं के साथ डूबते सूरज को अर्घ देकर पूजन किया इस दौरान चारों तरफ जय छठ मैया के जयकारे गूंजते रहे। महापौर ने कहा कि यह पर्व न सिर्फ धार्मिक आस्था से जुड़ा है, बल्कि परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु और पर्यावरण के प्रति श्रद्धा का भी प्रतीक है। अरमापुर में पूजन के बाद महापौर प्रमिला पांडेय पनकी पहुंची जहां पर उन्होंने मौजूद महिलाओं को छठ पूजा की शुभकामनाएं प्रेषित की और यहां पर आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की पत्नी रश्मि सिंह ने भी सरसैया घाट पर पूजन किया।

छठ पूजा करने पहुंचीं महापौर प्रमिला पांडेय। अमृत विचार

आज उगते सूर्य को दिया जाएगा अर्घ्य

मंगलवार को उगते हुए सूर्य को महिलाएं अर्घ्य देंगी। इसी के साथ ही व्रत का पारण किया जाएगा। 36 घंटे के निर्जला व्रत का पारण ठेकुआ और अदरक का प्रसाद खाकर किया जाएगा। भोर में तीन बजे ही महिलाएं घाटों पर पहुंचने लगेंगी। सूर्योदय तक छठ मइया की महिमा के गीत गाए जाएंगे और फिर अरुणोदय होते ही अर्घ्य देकर एक दूसरे की मांग में सिंदूर भरेंगी।

हाथों में ज्योति और प्रसाद लेकर पूजन किया। अमृत विचार

यहां हुआ सामूहिक पूजन

नमक फैक्ट्री, शास्त्री नगर पार्क, अवधपुरी, विष्णुपुरी, पनकी, अर्मापुर, सीटीआइ, साकेत नगर, गुजैनी, दबौली, नहर घाट, गंगा बैराज, सरसैया घाट, गोला घाट, मैस्कर घाट, रतनपुर, स्वरूप नगर, गोविंद नगर, कल्याणपुर, बर्रा विश्व बैंक में सामूहिक छठ पूजन किया गया। तमाम जगहों पर तो महिलाओं ने घर की छत पर टब में जल भरकर उसमें खड़ी हुईं और अर्घ्य दिया।

जल में खड़े होकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया गया। अमृत विचार

हे छठ मइया, मनौती पूरी करा... अमृत विचार

शास्त्रीनगर बाबा आनंदेश्वर पार्क में पूजा हुई। अमृत विचार

नए पक्के घाट में मनी छठ पूजा

कानपुर। शास्त्री नगर स्थित पीली बिल्डिंग स्कूल के बगल में बाबा आनंदेश्वर पार्क में पक्के छठ घाट में पूजा अर्चना हुई। पार्षद अरविंद यादव ने बताया कि नगर निगम निधि से छठ पूजा और शिव महोत्सव कार्यक्रम के लिए पार्क में पक्के मंच का निर्माण कार्य, टिन शेड का कार्य, लाइटिंग का कार्य 30 लाख रुपये से कराया गया है। बाबा आनंदेश्वर समिति के राजू पाल, गोविंद शुक्ला, महेश पाल, अनुराग यादव, विराट, रामू, अजीत शर्मा, गौरव त्रिपाठी आदि ने परिवार समेत छठ पूजा की।

गोलाघाट पर गंगा में पूजन को उमड़ी भारी भीड़। अमृत विचार

चांदी 35 हजार, सोना नौ हजार गिरा

विशेष संवाददाता,कानपुर

- सराफा बाजार हतप्रभ, निवेशकों को झटका, गहनों के खरीदारों को राहत

अमृत विचार। सोने-चांदी के तेजी से बढ़ते ऐतिहासिक दामों ने जिस तरह सराफा बाजार में तहलका मचा दिया था, उससे कहीं ज्यादा धड़ाम हुई कीमतों ने हैरत में डाल दिया है। मात्र 12 दिन में चांदी के भाव अपनी चोटी से कोई 35 हजार तो सोने के नौ हजार गिर गए हैं। 14 अक्टूबर को चांदी 1,86,000 रुपये किलो के साथ चोटी पर थी जो अब 27 अक्टूबर को 1,51,300 पर आ गिरी। यानि लगभग 35 हजार की गिरावट। सोना 17 अक्टूबर को 1,33,900 रुपये का 10 ग्राम था, जो 27 अक्टूबर को 1,24,575 पर आ गया। निवेशकों को कोई नौ हजार की चपत लगी। दरअसल सोने और चांदी की लगातार बढ़ती कीमतों ने निवेशकों को आकर्षित किया और वे इसमें जमकर पूंजी लगाने लगे। टैरिफ वॉर, केंद्रीय बैंकों के जरिये जमकर खरीद ने सोने के भाव चोटी पर पहुंचा दिए और चांदी तो बेकाबू रही। अब जब भाव धड़ाम हैं तो छोटे निवेशक माथा पीट रहे, लेकिन बड़े खिलाड़ी अभी इंतजार कर रहे हैं। वह उस घड़ी का इंतजार करेंगे, जब सोना और चांदी फिर अपने भाव का शिखर पार करेंगे। विशेषज्ञ कहते हैं कि सोने का ट्रैक रिकार्ड बताता है कि इसके भाव चाहे जितना गिर जाएं, कभी न कभी फिर अपनी ही ऊंचाई के पार पहुंचेंगे जरूर।

चांदी के भाव

- 14 अक्टूबर 1,86,000, 15 अक्टूबर 1,83,500, 17 अक्टूबर 1,77,000, 18 अक्टूबर 1,69,500, 24 अक्टूबर 1,52,000, 25 अक्टूबर 1,54,000 और अब 27 अक्टूबर को 1,51,300 रुपये किलो।

सोने की घटती कीमत

- 14 अक्टूबर 1,30,600, 15 अक्टूबर 1,1,31,450, 16 अक्टूबर 1,31,100, 17 अक्टूबर 1,33,900, 18 अक्टूबर 1,32,500, 24 अक्टूबर 1,25,100, 25 अक्टूबर 1,26,500 और अब 27 अक्टूबर को 1,24,575 रुपये का 10 ग्राम

बड़ी समस्या जरीब चौकी, एक्सप्रेस रोड, कोपरगंज समेत कई मुख्य मार्गों पर उलझे वाहन

ट्रैफिक पुलिस घाटों पर, गलियों से बाजारों तक जाम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- घनी आबादी की गलियों में ई रिक्शे, जो जिधर से निकला, वहीं जाम में उलझा

अमृत विचार। छठ पूजा पर्व के चलते ट्रैफिक पुलिस की ड्यूटी घाटों पर ट्रैफिक व्यवस्था संभालने के लिए लगाई गई थी जिससे शहर के कई प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक पुलिस नहीं होने से भीषण जाम लगा। घनी आबादी, बाजारों के अंदर ई रिक्शों के घुसने के कारण बाजार भी जाम में उलझे रहे।

दीपावली के बाद पहला सोमवार ऐसा था जिसमें यातायात का भारी दबाव शहर को झेलना पड़ा। सोमवार को छठ पूजा के चलते भी ट्रैफिक पुलिस की ड्यूटी घाटों के आसपास व्यवस्था संभालने में लगाई गई थी जिससे प्रमुख चौराहों पर इक्का दुक्का ट्रैफिक पुलिस मौजूद रही। परेड समेत कई ऐसे चौराहे थे, जिसपर कोई ट्रैफिक पुलिस नहीं दिखाई दी जिसके नतीजे में भीषण जाम लगा। भी ट्रैफिक पुलिस नहीं थी बल्कि क्षेत्रीय पुलिस व्यवस्था को संभालने का प्रयास करती दिखाई दी। ऐसे ही खड़खड़ा चौराहा से नई सड़क, मूलगंज चौराहा होते हुए घंटाघर तक ई रिक्शों की लंबी लाइन लगी रही। घंटाघर पर माल रोड, नरोना चौराहा, चार्लिस चौराहा, कचेहरी स्थित चेतना चौराहा समेत दर्जनों चौराहों पर कोई ट्रैफिक पुलिस नहीं थी। जरीब चौकी से डिप्टी पड़ाव होते हुए घंटाघर जाने वाला मुख्य मार्ग बुरी तरह जाम में जकड़ा रहा जिससे हजारों वाहनों ने अजमेरी चौराहा, टुकनिया पुरवा, आलम मार्केट होते हुए बासमंडी निकलने की कोशिश की जिससे इस मार्ग पर भी वाहन उलझे रहे। तलाक महल, डॉ. बेरी चौराहा, पानी की टंकी मुख्य मार्ग देर रात तक जाम में फंसा रहा जिससे तमाम लोगों ने दादा मियां चौराहा, मछली तिराहा, हीरामन पुरवा होकर निकलने की कोशिश की।

बड़ा चौराहा पर लगा जाम। अमृत विचार

गंगा के पानी में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य देतीं महिलाएं। अमृत विचार

गंगा तट पर पूजन करतीं व्रती महिलाएं। अमृत विचार

छठ मइया मैं आई तेरे द्वार, सुन ले अरजिया हमार...

पुत्र व पति की दीर्घायु के लिए अस्त होते सूर्य को दिया अर्घ्य, शाम होते ही गंगातट पर जुटने लगी श्रद्धालुओं की भीड़

संवाददाता, शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में सोमवार को छठ महापर्व बड़े ही श्रद्धा और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। सोमवार को पूरे दिन बदली छाई रही और सूर्य के दर्शन भी नहीं हुये। इसके बावजूद शाम को समय के अनुसार डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया गया, गंगा तटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ एकत्र हो गई। महिलाओं के साथ पुरुषों ने भी धर्म और आस्था के इस महापर्व में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। गंगा में स्नान करने के बाद व्रतियों ने पारंपरिक सूप में प्रसाद सजाकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया और परिवार की सुख-समृद्धि, संतान की दीर्घायु तथा अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।

चंद्रशेखर आजाद (लिली) पार्क में डूबते सूर्य को अर्घ्य देतीं महिलाएं। अमृत विचार

चार दिनों तक चलने वाला यह पर्व भाई दूज के तीसरे दिन से आरंभ होता है। पहले दिन नहाय-खाय, दूसरे दिन खरना और तीसरे दिन संध्या अर्घ्य की परंपरा निभाई जाती है। व्रतियों ने सांचा, ठेकुआ, चावल के लड्डू, मौसमी फल तथा प्रसाद के अन्य सामग्रियों को बॉस की टोकरी में सजा कर घाटों तक पहुंचाया। घाट पर पारंपरिक गीतों और भजन के बीच सामूहिक रूप से अर्घ्य दान सम्पन्न हुआ। व्रतियों के साथ आम लोगों ने भी सूर्यदेव और छठ मैया से आशीर्वाद प्राप्त किया। मंगलवार भोर में उगते सूर्य को पुनः अर्घ्य देकर व्रत पूर्ण किया जाएगा। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। गंगा घाटों पर पुलिस बल और पिकेट तैनात रहे, वहीं गोताखोर नावों के साथ लगातार निगरानी में जुटे रहे। कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह स्वयं मोर्चे पर डटे रहे और व्यवस्था का जायजा लेते रहे। आयोजन स्थल पर सफाई और प्रकाश व्यवस्था भी बेहतर देखने को मिली। पूरे क्षेत्र में छठ का पर्व सौहार्द और आस्था का प्रतीक बनकर सामने आया। सभी समुदायों के लोग बड़ी संख्या में घाट पर पहुंचे और व्रतियों की सहायता में सहयोग करते दिखे। इस अवसर पर मैथिल समिति के अध्यक्ष सुनील झा, पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे, वीरेंद्र शुक्ला, मुकेश झा, विजय तिवारी, संदीप पांडे, कमलनाथ शास्त्री, विकास मिश्रा और विनय तिवारी सहित कई समाजसेवी व श्रद्धालु उपस्थित रहे। श्रद्धालुओं की भीड़ देर रात तक गंगा तट पर बनी रही।

पूजा के दौरान खूब ली सेल्फी : छठ पूजा के लिए नवविवाहिताओं, युवतियों में खासा उत्साह देखा गया। डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के दौरान नवविवाहिताओं के अलावा युवती और युवकों में सेल्फी का अधिक क्रेज देखा गया। जगह जगह पूजन के बाद सेल्फी लेते देखा गया।

लिली पार्क पहुंचीं सैकड़ों महिलाएं

आस्था के पर्व छठ पूजा के तीसरे दिन सोमवार को व्रती महिलाओं ने अस्ताचलगामी डूबते हुए सूर्य को श्रद्धापूर्वक अर्घ्य देकर परिवार की सुख-समृद्धि और दीर्घायु की कामना की। आवास विकास स्थित चंद्रशेखर आजाद (लिली) पार्क में बने कृत्रिम तालाब पर छठ पूजा का मुख्य आयोजन हुआ, जहां मोहल्ला पीतांबर नगर, राजेपुर, मोतीनगर समेत कई क्षेत्रों की व्रती महिलाएं पहुंचीं। महिलाओं ने परंपरा के अनुसार फल, फूल, पुआ, पूड़ी, ठेकुआ और अन्य पूजन सामग्री से सजी डलिया, डलवा व सूप को वेदी पर रखा। दीप जलाकर छठ मइया की आरती उतारी गई। इसके बाद व्रती महिलाओं ने तालाब के जल में खड़े होकर डूबते हुए सूर्य देव को दूध और जल से अर्घ्य दिया। इस दौरान छठ गीतों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। परिवार के अन्य सदस्यों ने भी प्रसाद चढ़ाकर सूर्य देवता की अराधना की। खरना के साथ शुरू हुआ व्रत सोमवार शाम को अर्घ्य देने के बाद भी जारी रहा। व्रती महिलाएं अगले दिन मंगलवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद ही अपना 36 घंटे का निर्जला व्रत खोलेंगी। पूजा के बाद महिलाओं ने अपने घरों में भी विधिविधान से छठ मइया की पूजा की। घरों के आंगन में आटे की चौक बनाकर पाटा रखा गया और नई साड़ी से मंडप सजाकर पूजन सामग्री रखी गई। रात भर महिलाओं ने छठ के मधुर गीत और भजन गाकर मइया का गुणगान किया।

डीएम-एसपी ने सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

निरीक्षण करने जाते डीएम व एसपी। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। छठ महापर्व के अवसर पर सोमवार शाम जिलाधिकारी गौरांग राठी और पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह घाट पर पहुंचे और सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने घाटों पर मौजूद श्रद्धालुओं की सुविधाओं, प्रकाश व्यवस्था तथा सुरक्षा प्रबंधन का बारीकी से जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान एडीएम सुशील कुमार, नमामि गंगे के एडीएम विघ्नेश, सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राज, एएसपी अखिलेश सिंह, एसडीएम क्षितिज दिवेदी, सीओ सिटी दीपक यादव, नायब तहसीलदार धीरज त्रिपाठी, ईओ मुकेश मिश्रा और कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह भी मौजूद रहे। पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे अपने प्रतिनिधि संदीप पांडे के साथ व्यवस्थाओं का निरीक्षण करती रहीं। भारी पुलिस बल की तैनाती से घाट में सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे।

इन घाटों पर श्रद्धालुओं ने की पूजा-अर्चना

पालिका की ओर से नमामि गंगे घाट, मोनू पंडा घाटा, पर्यावरण घाट, रेलवे पुल के नीचे, यातायात पुल के नीचे, शिव पंडा घाट, गंगा विशुन घाट पर व्यवस्थाएं कराई गई थी। जहां विधि विधान से पूजा अर्चना की गई।

न्यूज ब्रीफ

प्रतिष्ठानों में काम करते मिले 6 किशोर

उन्नाव, अमृत विचार। श्रम प्रवर्तन अधिकारी निलेश कुमार दीक्षित, कृष्ण शंकर अवस्थी व शैलेश यादव उप निरीक्षक द्वारा संयुक्त रूप से अभियान चलाकर 6 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। जिसमें छह बाल व किशोर श्रमिकों का चिन्ह्यांकन किया। अफसरों ने सेवायोजकों के विरुद्ध स्थल पर ही नोटिस जारी की। जिस पर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की जायेगी। जिले में संचालित सभी प्रतिष्ठानों व दुकानदारों से आग्रह किया कि जिले को बालश्रम मुक्त बनाने में सहयोग करें। यह जानकारी श्रम आयुक्त एसएन नागेश ने दी।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक गंभीर, रेफर

नवाबगंज, उन्नाव, अमृत विचार। बंथरा थानाक्षेत्र के अनौरा गांव निवासी राहुल (35) पुत्र अशोक अवस्थी को सोहरामऊ थानाक्षेत्र के बजेहरा मोड़ के पास हाईवे पार करते समय अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इसमें वह गंभीर घायल हो गया। जिसे पुलिस ने अपने वाहन से नवाबगंज सीएचसी पहुंचाया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने उसे गंभीर हालत के चलते ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया।

मारपीट व धमकी देने के दो आरोपी भेजे गए जेल

शुक्लागंज। पोनी गांव पीपरखेड़ा निवासी शिवम पांडे ने पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि वह शनिवार को वह अपने दूसरे मकान पर गया था। तभी स्थानीय निवासी अमित उर्फ मोनू, संतलाल उर्फ संतु, रामकुमार उर्फ मटरू व हीरालाल ने गाली-गलौज के साथ उसे पीटकर घायल कर दिया था और जान से मारने की धमकी दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की थी। गंगाघाट कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि अमित कुमार उर्फ मोनू पांडे व संतलाल उर्फ संतु को पकड़कर कोर्ट के आदेश पर जेल भेज दिया गया है। शेष आरोपियों की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है।

प्राइजमनी वॉलीबॉल टूर्नामेंट 10 नवंबर को

उन्नाव। सुमेरपुर ब्लॉक के गांव संवाइन में 10 नवंबर को डिस्ट्रिक्ट वॉलीबॉल एसोसिएशन से पंजीकृत प्राइजमनी वॉलीबॉल पुरुष प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। जानकारी देते हुए आयोजन अध्यक्ष अयाज़ खान ने बताया कि जिला क्रीड़ाधिकारी मुकेश कुमार सब्बरवाल, डिस्ट्रिक्ट वॉलीबॉल एसोसिएशन के संयोजक डॉ. अश्वनी कुमार शुक्ल ने सवाइन गांव पहुंचकर खेल मैदान का जायजा लिया।

महिला ने ज्वेलरी शॉप से पार किये सोने के टॉप्स

नवाबगंज, अमृत विचार। कस्बा स्थित ज्वैलर्स की दुकान में एक महिला ग्राहक बनकर आई और दुकान मालिक से बातचीत के दौरान दो सोने के टाप्स पार कर ले गई। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

कस्बा नवाबगंज स्थित विशाल ज्वैलर्स के मालिक अजय गुप्ता ने बताया कि एक महिला सोमवार दोपहर उनकी दुकान पहुंची। उसने पहले सामान्य ग्राहक की तरह आभूषण देखने की बात कही और इस दौरान काफी देर तक बातचीत करती रही और उसने इसी बीच मौका पाकर काउंटर पर रखे सोने के दो टॉप्स अपने कपड़ों में छिपा लिये और दुकान से निकल गई। बाद में जब उन्होंने सामान मिलाया तो दो टाप्स कम थे। इसके बाद उन्होंने तुरंत सीसीटीवी फुटेज देखा तो महिला की करतूत रिकॉर्ड हो गई थी। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। अजगैन कोतवाली प्रभारी सुरेश सिंह ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच की जा रही है।

कार से टकराकर गिरे युवक को बस ने रौंदा

बिछिया, उन्नाव, अमृत विचार। बाइक से जा रहा युवक आगे चल रही कार से टकराकर सड़क पर गिर गया। तभी सामने से जा रही निजी कॉलेज की बस उसे रौंदते हुए निकल गई। घटना पास में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों के सुपुर्द किया है।

दही थानाक्षेत्र के आवास विकास कालोनी के बी-ब्लॉक निवासी अनिल पुत्र स्व. प्रताप सिंह का 18 वर्षीय बेटा सिद्धांत उर्फ अमन बीएससी प्रथम वर्ष का छात्र था। सोमवार सुबह सिद्धांत लखनऊ-कानपुर हाईवे स्थित प. दीनदयाल उपाध्याय स्पोर्ट्स स्टेडियम में फुटबाल का प्रशिक्षण ले रही छोटी बहन को

सिद्धांत (फाइल फोटो)।

लेने निकला था। तभी लखनऊ बाईपास पर बने ओवर ब्रिज की सर्विस लेन पर एक निजी अस्पताल के पास आगे चल रही कार से टकराकर वह बाइक सहित सड़क पर गिर गया। तभी सामने से आई निजी कॉलेज की बस उसे रौंदते हुए निकल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे अस्पताल भेजा। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

हादसे की खबर मिलते ही अस्पताल पहुंचे परिजन शव देख बिलख उठे। पिता अनिल ने बताया कि सिद्धांत उनका इकलौता बेटा था। उसकी मौत से मां गीता व छोटी बहन श्रद्धा सदमे में है। एसओ अवनीश सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डीएलएड परीक्षा में नकल करते पकड़ी गई छात्रा

उन्नाव, अमृत विचार। डीएलएड प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा जिले के 4 केंद्रों में संपन्न हुई। इसमें दोनों पालियों में 2285 छात्रों में 2106 छात्र उपस्थित व 179 छात्र अनुपस्थित रहे। जबकि एक महिला परीक्षार्थी नकल करते पकड़ी गई।

जीजीआईसी उन्नाव परीक्षा केंद्र में प्रथम पाली में पंजीकृत 388 छात्रों में 361 उपस्थित व 27 अनुपस्थित रहे। जबकि द्वितीय पाली में 321 में 297 उपस्थित व 24 अनुपस्थित रहे। इस केंद्र में एक छात्रा को आंतरिक सचल दल ने नकल करते पकड़ा। वहीं, जीजीआईसी नवाबगंज में प्रथम पाली में 345 में 323 उपस्थित व 22 अनुपस्थित रहे। जबकि द्वितीय पाली में 297 में 278 उपस्थित व 19 अनुपस्थित रहे। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान की प्राचार्या विभा मिश्रा ने बताया कि इस परीक्षा में 2021, 2022, 2023 व 2024 बैच के प्रथम सेमेस्टर के छात्र थे। मंगलवार को भी परीक्षा सभी केंद्रों पर तय समय पर होगी।

पूर्व बार अध्यक्ष पर रिपोर्ट दर्ज कराने का प्रस्ताव पास

- पूर्व अध्यक्ष व मंत्री ने एसपी से मिलकर रखा अपना पक्ष

उन्नाव, अमृत विचार। बार एसोसिएशन में वर्तमान अध्यक्ष, महामंत्री व पूर्व अध्यक्ष, महामंत्री के बीच धन गबन को लेकर जारी घमासान बढ़ता जा रहा है। सोमवार को सदन की बैठक में गबन का रुपया जमा करने की अवधि बीतने पर पूर्व अध्यक्ष व महामंत्री पर रिपोर्ट दर्ज कराने का प्रस्ताव पास हुआ। वहीं पूर्व अध्यक्ष व महामंत्री ने आरोपों को बेबुनियाद बता आरोप लगाया कि बिना कोरम पूरा किए बैठक की गई। पूर्व अध्यक्ष ने समर्थक अधिवक्ताओं के साथ एसपी से मिलकर जांच के बाद निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है।

बता दें कि बार एसोशिएशन में बीते आठ माह से अधिवक्ताओं के चेंबर निर्माण को लेकर रार चली आ रही है। करीब 76 लाख के घोटाले का आरोप पूर्व अध्यक्ष सतीश शुक्ला व पूर्व महामंत्री अरविंद दीक्षित आदि पर लगे थे। इसे लेकर वर्तमान अध्यक्ष गिरीश मिश्रा व महामंत्री अनुज बाजपेई की अगुवाई में सदन में कई बार चर्चा हुई। दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर आरोप लगाये। बाद में सतीश शुक्ला व अरविंद दीक्षित को एसोसिएशन से निष्कासित किया गया था। मामला बार काउंसिल तक भी पहुंचा। लेकिन इसका हाल नहीं निकला। 24 सितम्बर को सदन में हुई बैठक में दोनों को एक माह के अंदर गबन की धनराशि जमा करने का निर्णय हुआ था। सोमवार को एक माह बीतने पर पुनः बैठक हुई। जिसमें सतीश शुक्ला व अरविंद दीक्षित पर रिपोर्ट दर्ज कराने का प्रस्ताव पास हुआ। वहीं इसकी जानकारी पर पूर्व अध्यक्ष सतीश शुक्ला व पूर्व महामंत्री अरविंद दीक्षित ने बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं के साथ एसपी जयप्रकाश सिंह से मुलाकात की। उन्होंने निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। सतीश शुक्ला ने बताया कि बिना सदन का कोरम पूरा किए बैठक में एफआईआर कराने का निर्णय लिया गया है।

शिक्षक संघ की बैठक में समस्याओं पर हुई चर्चा

शुक्लागंज। विकासखंड सिकंदरपुर सरोसी के शिक्षकों की उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक जिलाध्यक्ष विवेक तिवारी की अध्यक्षता में बिहारी मन्नीपुरम स्थित एक गेस्ट हाउस में हुई। इसमें शिक्षकों द्वारा विद्यालयों में उत्पन्न समस्याओं पर चर्चा की गई तथा संघ स्तर से उनके निराकरण का आश्वासन दिया गया। इस दौरान जिलाध्यक्ष ने ब्लॉक की नई कार्यकारिणी के गठन का प्रस्ताव प्रस्तुत किया। जिसे सर्वसम्मति से पास किया गया। प्रस्तावित कार्यकारिणी में विजय सोनी को अध्यक्ष बनाया गया। शिक्षकों ने उन्हें बधाई देते हुए आशा जताई कि उनके नेतृत्व में शिक्षकों की समस्याओं का त्वरित समाधान कराया जाएगा। बैठक में कई शिक्षक पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

जिला क्रिकेट एसो. का पुरस्कार वितरण संपन्न

उन्नाव, अमृत विचार। जिला क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित श्याम प्रकाश श्रीवास्तव अंडर-23 जनपदीय क्रिकेट लीग का पुरस्कार वितरण समारोह सोमवार को शहर के एक गेस्ट हाउस में संपन्न हुआ। इसमें प्रतियोगिता की उपविजेता इंटरनेशनल क्लब व विजेता पीकेसी क्लब टीमों को उप्र क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव अरविन्द श्रीवास्तव द्वारा ट्रॉफियां दी गईं।

मुख्य अतिथि का स्वागत कार्यवाहक अध्यक्ष संजय राठी, राजेंद्र त्रिपाठी, सचिव पीके मिश्रा, विकास सिन्हा, ओम मिश्रा, नवीन सिन्हा द्वारा किया गया। प्लेयर ऑफ द सीरीज का पुरस्कार ऋषभ यादव को दिया गया। फाइनल मैच में शतक बनाने वाले आयुष को प्लेयर ऑफ द मैच दिया गया। इस दौरान मंजू लता, मनीता सेंगर, अभिषेक शंकर, साकिर हुसैन, सुनील पटेल, राजीव, धर्मेन्द्र, नीरज आदि रहे। संचालन आरके त्रिपाठी ने किया।

विजेता टीम के साथ मौजूद मुख्य अतिथि। अमृत विचार

आयोजन गोकुल बाबा मंदिर परिसर में वार्षिक मेला शुरू

मंदिर में मठ पूजन के लिए उमड़ी भीड़

उन्नाव, अमृत विचार। मगरवारा स्थित प्रसिद्ध गोकुल बाबा मंदिर के वार्षिक मेले का सोमवार से शुभारंभ हो गया। परंपरा के अनुसार बाबा का मठ पूजन करने श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। भोरपहर से मंदिर में दर्शनों का सिलसिला शुरू हो गया। महिलाओं ने चावल के घोल से मंदिर के मठ का लेपन कर परिवार की खुशहाली की कामना की।

गोकुल बाबा मंदिर में लगी श्रद्धालुओं की भीड़। अमृत विचार

सदर क्षेत्र के मगरवारा गांव स्थित प्रसिद्ध गोकुल बाबा मंदिर में हर साल बाबा के अधूरे विवाहोत्सव पर लगने वाले पारंपरिक सात दिवसीय मेले का शुभारंभ सोमवार से हो गया। भोरपहर से ही मठ पोतने के महिला श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। यह क्रम देर शाम तक चलता रहा। बता दें कि यह मेला कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की षष्ठी से शुरू होकर देवोत्थानी एकादशी तक चलता है। मेले में आसपास के गावों समेत जिले के कोने कोने से भक्त बाबा का दर्शन पूजन करने आते हैं। क्षेत्रीय लोग मेले के दौरान अपने बच्चों के मुंडन व कर्ण छेदन जैसे मांगलिक कार्यक्रम भी कराते हैं। इसके चलते मेले के दिनों में मगरवारा व आसपास के गावों में उत्सव का माहौल रहता है। मान्यता है कि मेले के दौरान मंदिर का मठ पूजन करने से बाबा सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं।

शिवांशी ने जीता स्वर्ण

शिवांशी को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित करते शिक्षक। अमृत विचार

शुक्लागंज, उन्नाव अमृत विचार। गंगानगर स्थित गंगा प्रसाद महते सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की शिवांशी दीक्षित ने क्षेत्रीय ज्ञान विज्ञान मेला में विज्ञान प्रश्न मंच प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर विद्यालय व माता-पिता का नाम रोशन किया। यह प्रतियोगिता विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र की योजना के अनुरूप जिला फतेहपुर में हुई। गंगा प्रसाद महते सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज की छात्रा शिवांशी ने आचार्या संध्या मिश्रा के मार्गदर्शन में प्रतिभाग किया। विद्यालय के विज्ञान प्रमुख आचार्य अजय विश्वकर्मा की वार्षिक योजना के तहत विज्ञान विषय में रुचि रखने वाले छात्रों को विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है। सोमवार को विद्यालय के वंदना सत्र में प्रधानाचार्य डॉ. बृजेन्द्र मिश्र ने शिवांशी को पदक पहनाकर सम्मानित किया और प्रमाणपत्र प्रदान किया। इस अवसर पर समस्त आचार्यगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सपा ने की किशोर की मौत के जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई की मांग

बांगरमऊ। अमानवीय व्यवहार के बाद हुई मासूम ऋतिक की मौत को लेकर सपा छात्रसभा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मो. इमरान सिद्दीकी ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा है। ज्ञापन में दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया कि 14 वर्षीय ऋतिक यादव को मामूली कहासुनी के चलते घर से उठाकर बेरहमी से पीटा गया और उससे अमानवीय व्यवहार किया गया। यह घटना समाज के लिए अत्यंत शर्मनाक है। उन्होंने घटना की उच्च स्तरीय जांच हेतु विशेष दल का गठन करने, दोषियों को तत्काल गिरफ्तार कर कठोर दंड देने व पीड़ित परिवार को राज्य सरकार द्वारा सुरक्षा व आर्थिक सहायता देने की मांग की।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री मोहम्मद इदरीस पुत्र इसराईल व मो0 एजाज पुत्र मो0 यूनूस निवासी मोहल्ला भटपुरी व मुकरियाना बाँगरमऊ जिला उन्नाव ने दो भवन नम्बर 145 व भवन नम्बर 146 मोहल्ला किलशाह जी बाँगरमऊ को विक्रेता श्री मंगू व नंगू पुत्रगण नसरत निवासी मोहल्ला मुकरियाना बाँगरमऊ जिला उन्नाव से जरिये रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 05-12-2023 को खरीद लिया है। उक्त भवन की चौहदी निम्नलिखित है। पूरब- मकान मो0 युनूस पश्चिम- मकान इलियास उत्तर- रास्ता चौड़ा 5 फिट दक्षिण- भूमि गफ्फार आदि भवन की माप पूरब से पश्चिम 23 फिट उत्तर से दक्षिण 23 फिट कुल रकबा 49.17 वर्गमीटर प्राथह्नगणो ने अपने खरीदे गए उक्त दोनो भवन को एक मे शामिल करते हुए रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर नगर पालिका अभिलेखों में कर की अदायगी के लिए अपने नाम से दर्ज किये जाने की मांग की है। पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यो के आधार पर यदि उक्त नामान्तरण प्रकिया को पूर्ण किये जाने मे किसी को कोई भी आपत्ति है। तो वह प्रकाशन से 30 दिन के अन्दर उक्त भवन से सम्बंधित सर्वमान्य रजिस्टर्ड साक्ष्य सहित मेरे समक्ष उपस्थित हो कर वह अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है। बाद मियाद गुजर जाने पर किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा और उपरोक्त नामान्तरण प्रकिया को आवेदनकर्ता के पक्ष मे पूर्ण कर दिया जायेगा तत्पश्चात नगर पालिका परिषद बाँगरमऊ की कोई जिम्मेदारी न होगी।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, बाँगरमऊ उन्नाव

ग्लोबल साउथ के सारथी

आसियान शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारत की एक्ट ईस्ट नीति में आसियान की केंद्रीय भूमिका बताना सर्वथा उचित है। यह हमारी विदेश नीति के उस दीर्घकालिक दृष्टिकोण को दर्शाता है, जिसे दक्षिण-पूर्व एशिया को रणनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक प्राथमिकताओं के केंद्र में रख कर तैयार किया गया है। "आसियान सेन्ट्रैलिटी" के जरिए भारत हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए बनी सभी रणनीतिक, आर्थिक योजनाओं में आसियान देशों की महत्वपूर्ण भूमिका स्वीकारता और उसका समर्थन करता है। भारत सदैव "आसियान सेन्ट्रैलिटी" का समर्थन करता आया है, इसके कई ठोस प्रमाण हैं। 2026 को "समुद्री सहयोग वर्ष" घोषित करना केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि सामुद्रिक सुरक्षा, ब्लू इकोनॉमी, आपदा राहत, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास के क्षेत्र में साझा कार्य योजना तैयार करने का एक ठोस कदम है। आसियान के साथ समुद्री सुरक्षा मजबूत बनाने को नौसेना अभ्यासों, तटीय निगरानी प्रणाली और समुद्री डोमेन अवेयरनेस पर हम काम कर रहे हैं। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामक गतिविधियों, कृत्रिम द्वीप निर्माण और नौसैनिक विस्तार को देखते हुए यह पहल भारत की सुरक्षा और विकास के लिए एक मजबूत क्षेत्रीय स्वरूप प्रदान करती है। अमेरिका की बढ़ती सक्रियता के बीच भारत इस घोषणा के माध्यम से संतुलनकारी भूमिका निभा रहा है। इंडोनेशिया, फिलीपींस, मलेशिया, वियतनाम और थाईलैंड जैसे देशों के साथ समुद्री, ऊर्जा, जलवायु और पर्यटन क्षेत्रों में भारत की साझेदारी बढ़ने से भारत को सामरिक गहराई, व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा और दक्षिण-पूर्व एशियाई बाजारों तक सीधी पहुंच मिलेगी तो वहीं, आसियान देशों को भारत के विशाल उपभोक्ता बाजार, तकनीकी दक्षता और निवेश का लाभ। "बौद्ध सर्किट", "रामायण कनेक्ट" और क्रूज टूरिज्म जैसी परियोजनाएं साझा सांस्कृतिक पहचान और पर्यटन के आर्थिक लाभ से जोड़ेंगी। शिक्षा, विज्ञान-प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, साइबर सुरक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में साझा अनुसंधान परियोजनाएं भारत और आसियान दोनों की तकनीकी आत्मनिर्भरता को गति दे रही हैं।

"इंडिया-आसियान कल्चरल एक्सचेंज", "यूथ फेलोशिप" और "स्कॉलरशिप प्रोग्राम्स" जैसी पहलें इस साझे इतिहास को आधुनिक सहयोग में बदलने के नए प्रयास हैं। भारत और आसियान की साझेदारी न केवल क्षेत्रीय स्थिरता और शांति के लिए आवश्यक है, बल्कि यह "ग्लोबल साउथ" की नई आवाज भी है। मोदी का कहना कि "भारत और आसियान, ग्लोबल साउथ के सारथी हैं" इस बात का प्रतीक है कि दोनों विकासशील विश्व के हितों, संतुलित वैश्वीकरण और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के समर्थक हैं। भारत-आसियान मिलकर 68 लाख करोड़ लोगों या दुनिया की लगभग चौथाई आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के केंद्र आसियान की 299 लाख करोड़ की जीडीपी मायने रखती है। ऐसे में आज भारत व आसियान के बीच शिक्षा, पर्यटन, विज्ञान, खेल, ग्रीन एनर्जी और साइबर सुरक्षा में सहयोग लगातार बढ़ रहा है। यही साझेदारी हिंद-प्रशांत में भारत को रणनीतिक स्थिरता का स्तंभ और दक्षिण-पूर्व एशिया को भारत का सशक्त साझेदार बनाएगी, जिससे सहयोग, परस्पर सम्मान और साझा समृद्धि का नया मार्ग प्रशस्त होगा।

प्रसंगवश

एडवेंचर से भरी एनिमेशन की अद्भुत दुनिया

एनिमेटेड फिल्मों को बनाने तथा एनिमेटेड आर्ट के पीछे कलाकारों, तकनीशियनों और वैज्ञानिकों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसी को पहचानने तथा एनिमेशन की विश्वविख्यात कला के सम्मान के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 28 अक्तूबर को 'अंतर्राष्ट्रीय एनिमेशन दिवस' मनाया जाता है। वर्ष 2002 में एसोसिएशन इंटरनेशनल डु फिल्म डी एनिमेशन द्वारा इस दिन को 'अंतर्राष्ट्रीय एनिमेशन दिवस' घोषित किया गया था।

अंतर्राष्ट्रीय एनिमेशन दिवस के रूप में इसकी शुरुआत यूनेस्को के सदस्य 'अंतर्राष्ट्रीय एनिमेटेड फिल्म एसोसिएशन' (आसिफा) द्वारा की गई थी। वास्तव में यह दिन पेरिस में 28 अक्तूबर 1892 को एमिल रेनॉड के थिएटर ऑप्टिक के पहले सार्वजनिक प्रदर्शन

योगेश कुमार गोयल
वरिष्ठ पत्रकार

का स्मरण कराता है। वर्ष 1895 में लुमिनेयर भाइयों के सिनेमैटोग्राफ ने रेयनॉड के आविष्कार की खोज की और एमिल को दिवालिया कर दिया। एनिमेशन का उनका सार्वजनिक प्रदर्शन कैमरा-निर्मित फिल्मों की भविष्यवाणी करने के साथ ही ऑप्टिकल मनोरंजन के इतिहास में प्रवेश कर गया। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि पहली बार एनिमेशन कब और कहां जीवन में आया? करीब 200 ई. में छाया कठपुतली से लेकर 1650 के दशक में जादुई लालटेन तक मोशन के माध्यम से कहानी बताना सदा से होता रहा है।

वर्ष 1832 में जोसेफ प्लेट्यू द्वारा फेनाकिस्टिकोपे का आविष्कार किया गया था, जिससे पहली व्यापक एनिमेशन डिवाइस अस्तित्व में आई। 1834 में विलियम जॉर्ज हॉर्नर ने एक समान मोशन पिक्चर प्रोजेक्टर बनाया, जिसमें ड्राइंग को एक ड्रम के अंदर रखा गया, जो एक सर्कुलर फैशन में बदल गया। हॉर्नर ने इसे 'डेडाटेलम' अथवा 'व्हील ऑफ द डेविल' नाम दिया, जो सबसे बड़े नवाचारों में से एक था, जिसने फिल्म को पेश करने की नींव रखी। फ्रांसीसी आविष्कारक पियरे डेसविग्नेस ने इसे जोएट्रोप नाम दिया, जो ग्रीक भाषा का एक शब्द था, जिसका अर्थ है 'चीजें जो बदल जाती हैं'। स्टॉप मोशन तकनीक का उपयोग करने वाले पहले लोगों में से एक ब्रिटिश फिल्म निर्माता जेम्स स्टुअर्ट ब्लैकटन को अमेरिकी एनिमेशन का जनक माना जाता है, जिन्होंने अमेरिका में पहला एनिमेशन बनाया था। उन्हें वर्ष 1900 में 'एनचैंटेड ड्राइंग' नामक पहली एनिमेटेड फिल्म बनाने का श्रेय प्राप्त है। 1906 में उन्होंने एक मूक एनिमेशन फिल्म 'ह्यूमरस फेसेज ऑफ फनी फेसेज' बनाई। हालांकि एनिमेशन का जनक फ्रांसीसी कार्टूनिस्ट एमिल कोहल को माना जाता है, जिन्हें पूरी तरह से पहली एनिमेटेड फिल्म बनाने का श्रेय दिया जाता है। अर्ल हर्ड ने 1914 में सेल एनिमेशन बनाया, जिससे वह पारंपरिक शैली के आविष्कारक बन गए। उसी साल 'मिकी माउस' के आने से पहले एक विशिष्ट चरित्र वाला पहला एनिमेटेड शॉर्ट 'गर्टी द डायनासोर' कार्टूनिस्ट विंसर मैकके द्वारा बनाया गया।

एनिमेशन की कला को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एनिमेशन दिवस के अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक संस्थानों को एनिमेटेड फिल्मों की स्क्रीनिंग, प्रदर्शन, कार्यशालाओं के आयोजन तथा इस कला को प्रोत्साहित करने में मदद करने वाले कार्यक्रमों के आयोजन और प्रतियोगिताओं के लिए आमंत्रित किया जाता है। इस अवसर पर दिखाई जाने वाली पूर्ण लंबाई की एनिमेशन फिल्मों और एनिमेटेड शॉर्ट्स में से कुछ फिल्में रेत, कागज तथा कम्प्यूटर का उपयोग करते हुए ड्राइंग, पेंटिंग, एनिमेटेड कठपुतलियों तथा अन्य वस्तुओं के साथ तकनीक की असाधारण श्रेणी को प्रदर्शित करती हैं। कुछ एनिमेटेड फिल्में गैर-मौखिक होती हैं, जो सांस्कृतिक अभिव्यक्ति तथा संचार के लिए समृद्ध अवसर मानी जाती हैं।

असली ताकत शारीरिक शक्ति में नहीं, बल्कि बुद्धि और आत्म-नियंत्रण में निहित है।
-महर्षि वाल्मीकि

बुजुर्ग हमारी धरोहर, बोझ कदापि नहीं...

अनिल त्रिगुणायत
लखनऊ

भौतिकता, प्रलोभन, राग-द्वेष, धन लोलुपता व गलाकाट प्रतिस्पर्धा की मकड़जाल में उलझी नई पीढ़ी के दुर्व्यवहार से आज बुजुर्ग उपेक्षित सा महसूस करने लगा है। चाहें वह भारत के गांव हो या शहर। अशिक्षित परिवार हो या शिक्षित। गरीब हों या अमीर। पारंपरिक कुनबा हो या वाह्य आडंबर में लिप्त समुदाय। इन सभी जगहों पर बुजुर्ग समूह अपने को असहाय मानने लगा है। नैतिकता, प्यार, सम्मान, हृदयागत भाव व एका की चासनी में पगे संयुक्त परिवार का कभी मजबूत अवलंब रहा बुजुर्ग आज नैतिक मूल्य खोते समाज को देखने को बाध्य हो गया है। ज्ञान, सूझबूझ, अनुभव और जीवन के सुख-दुख की धूप में तपा बुजुर्ग आज स्वयं को समाज से कटा मान रहा है। सेवा, त्याग, धैर्य, अनुशासन, सहनशीलता, समझदारी, न्यायपूर्ण व्यवहार का पाठ पढ़ाने वाले बुजुर्गों को आज की पीढ़ी बोझ मानने लगी है।

आज समाज व परिवार में बुजुर्गों की स्थिति निचोड़े हुए नींबू की तरह हो गई है। उनमें जब तक रस था पिया, बाद में कुड़ेदान में फेंक दिया, लेकिन दिखावे का लबादा ओढ़े दिशाहीन पीढ़ी को कदापि नहीं भूलना चाहिए कि वृद्धावस्था तो मानवीय जीवन की अनिवार्य परिणति। आज जवान हैं, कल वे भी वृद्ध होंगे। उनकी संतति भी वैसा ही व्यवहार करेगी, जैसा वे आज बुजुर्गों के साथ कर रहे हैं। अतएव, बुजुर्ग की महत्ता को समझा जाए। उन्हें सम्मान दिया जाए, समाज व परिवार की मुख्य धारा में पहले की भांति शामिल किया जाए। उनके अकेलेपन को दूर किया जाए। अनुभव जीवन की सबसे बड़ी पूंजी और बुजुर्ग अनुभव का पर्याय।

नई पीढ़ी को अब जान लेना होगा कि घर के बुजुर्ग बरगद के पेड़ की छांव होते हैं। बुजुर्ग ही हमारी संस्कृति के रखवाले भी। बुजुर्गों की मान्य सलाह समाज में व्याप्त कुरीतियों से उन्हें बचाएगी। क्योंकि बुजुर्ग हैं, तो रिश्तों की अहमियत बरकरार है। दुआओं की दुनिया आबाद है। गुणों के भंडार ही तो हैं हमारे देश के बुजुर्ग।

बुजुर्ग समाज का वो आईना होते हैं, जिसमें पारंपरिक, सांस्कृतिक व नैतिकता का चेहरा देखा जा सकता है। स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहतरी के बाद भारत में जीवन प्रत्याशा बढ़ी है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की इंडिया एजिंग की हालिया रिपोर्ट के अनुसार बुजुर्गों यानी 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की आबादी का हिस्सा वर्ष 2036 में 15 प्रतिशत व वर्ष 2050 में 20.8 प्रतिशत तक हो जाएगा।

1980 के दशक तक भारत में संयुक्त परिवार की अवधारणा पुष्पित-पल्लवित थी। परिवारों में प्रेम-सहिष्णुता, रिश्ते-नाते का माधुर्य भी था। ऐसे परिवार में रहने वाले लोगों के सामने दुश्वारियां भी आती थीं, लेकिन आपसी तारतम्यता और एका के दम पर वे उससे पार भी पा लेते थे। सार यह कि बड़े-बुजुर्ग ही संयुक्त परिवार की रीढ़ थे, मार्गदर्शक थे। उनके त्याग व उत्तरदायित्वता से परिवार में समरसता की बयार बहती थी। समाज में सदाचार व नैतिक मूल्यों का बोलबाला था।

संयुक्त परिवार के विघटन ने हमें बड़े-बूढ़ों के सामाजिक ज्ञान से दूर ही कर दिया। बदलते समय के साथ समाज ने भी जमकर "गुलाटी" मारी है। संयुक्त परिवार के विघटन व एकल परिवार की संकल्पना ने हमें बुजुर्गों से लगभग दूर ही कर दिया। समाज में "नैतिक अवमूल्यन" का यह सबसे बड़ा कारण बनकर उभरा है। 1990 के दशक से भारत में एकल परिवार फलने-फूलने लगा। पुत्र-पौत्र, बहु-बेटियां बड़े-बूढ़ों से दूरी बनाने लगे। पारिवारिक रिश्ते धराशायी होने लगे। प्रेम-मोहब्बत का स्थान धन-वैभव व अपने-पराए के भाव ने ले लिया।

बढ़ते शहरीकरण, पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव व शहरों में मिलने वाली सुविधाएं संयुक्त परिवारों के टूटने का कारण भी हैं। एकल परिवारों में बुजुर्गों को नजरअंदाज करने की परिपाटी बलवती होने लगी है, जो बुजुर्ग कभी परिवार की "प्रगति का दवा" हुआ करते थे, उसे आज की पीढ़ी अपने लिए "दर्द" मानने लगी है। गांवों में एकाकी जीवन जीने वाले बुजुर्ग अपने को किसी तरह तो संभाल लिए हैं, लेकिन शहरों में रहने वाले बड़े-बूढ़े अपनों के तिरस्कार से अक्सर दो-चार हो रहे हैं। भावनात्मक और व्यावहारिक दोनों तरह की मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। कह सकते हैं, आज के अधिकांश बुजुर्ग उपेक्षा, अकेलापन और भावनात्मक या वित्तीय असुरक्षा की चुनौती से जूझने को विवश हैं।

यह सच है कि घर-परिवार में बड़े-बूढ़े रोक-टोक करते हैं। जाति-पाति, प्रेम विवाह, अनैतिक कृत्य, भ्रष्ट आचरण और कई अव्यावहारिक गलतियों के खिलाफ मुखर हो विरोध जताते हैं। किंतु इसका आशय बिल्कुल नहीं कि आडंबर से भरे एकल परिवार पनपे व तथाकथित "न्यूक्लियर फैमिली" के इक्के-दूक्के सदस्य अपनी मनमानी करते हुए असामाजिक कृत्य करें? यह सच है कि तथाकथित प्रगति, सुविधाओं और शांतिपूर्ण जीवन की चाह में एकल परिवार की संकल्पना फली-फूली है, लेकिन यह उतना ही कटु है कि ऐसे परिवारों में बुजुर्गों की उपेक्षा भी परवान पर है।

आर्थिक स्थिति, जाति, वर्ग, लिंग, रहन-सहन, संस्कृति आदि की भिन्नताएं वृद्ध जीवन को कई प्रकार से प्रभावित करती हैं, लेकिन बुजुर्गों का सम्मान नई पीढ़ी के लोगों का "नैतिक दायित्व" भी है। वर्तमान में करीब 15 करोड़ बुजुर्ग देश में निवास कर रहे हैं। वे कई चुनौतियों से जूझ भी रहे हैं। पुरुष व महिलाओं की वर्तमान जीवन प्रत्याशा दर भी क्रमशः 68.3 वर्ष और 69.7 वर्ष है। आगामी दिनों में इसमें और वृद्धि की संभावना। पश्चिमी देशों की परंपराएं और संस्कृति भारत से भिन्न। देश में बढ़ते वृद्धाश्रम का आयातित चलन हमारे समाज व संस्कृति के लिए सर्वथा अहितकर। हम ऐसे देश के वासी हैं, जहां वृद्ध हमेशा से "पूजनीय" रहे हैं। आज की पीढ़ी बस इतना ही समझ ले कि बुजुर्ग भारत की संस्कृति व परंपरा के रखवाले हैं। परिवार व समाज के लिए "वरदान" हैं, अभिशाप तो कदापि नहीं।

नई पीढ़ी को अब जान लेना होगा कि घर के बुजुर्ग बरगद के पेड़ की छांव होते हैं। बुजुर्ग ही हमारी संस्कृति के रखवाले भी। बुजुर्गों की मान्य सलाह समाज में व्याप्त कुरीतियों से उन्हें बचाएगी। क्योंकि बुजुर्ग हैं, तो रिश्तों की अहमियत बरकरार है।

आमने सामने

बुर्के की आड़ में आतंकवाद और फर्जीवाड़ा दोनों होते हैं। इसलिए मैं चुनाव आयोग से मांग करूंगा कि मतदान के दौरान बुर्के में आने वाली सभी महिलाओं का चेहरा हटाकर पहचान की जाए।" जब महिलाएं एयरपोर्ट पर और हज यात्रा के दौरान चेहरा दिखाती हैं, तो चुनाव के वक्त क्यों नहीं।

– संगीत सोम, भाजपा नेता

संगीत सोम और साध्वी प्राची जैसे लोगों को जनता नकार चुकी है और उन्हें हर जगह बुर्का, टोपी और दाढ़ी में आतंकवाद नजर आता है। बुर्का शराफत और इस्लामी पहचान का प्रतीक है और वे धर्म के नाम पर राजनीति कर रहे हैं।

-जियाउर्रहमान बर्क
सपा सांसद

कम करना होगा प्लास्टिक का उपयोग

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के अंबिकापुर के गार्बेज कैफे का जिक्र किया। वर्ष 2019 में खोला गया यह देश का पहला गार्बेज कैफे था। अंबिकापुर नगर निगम ने प्लास्टिक वेस्ट के दुष्प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से यह अनोखी पहल की थी। इस कैफे की खासियत यह है कि यहां प्लास्टिक कचरे के बदले भरपेट खाना और नाश्ता मिलता है। एक किलो प्लास्टिक देने पर पूरा खाना और आधा किलो प्लास्टिक देने पर नाश्ता दिया जाता है। अंबिकापुर ने गार्बेज कैफे जैसे नवाचार के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण में एक मिसाल कायम की है। इस पहल से शहर में प्लास्टिक वेस्ट की मात्रा वर्ष दर वर्ष घटती जा रही है। प्रधानमंत्री की गार्बेज पर चर्चा के बाद एक बार फिर प्लास्टिक कचरा बातचीत का केंद्र बन गया है।

पिछले 70 वर्षों में प्लास्टिक उत्पादन में तेजी से वृद्धि हुई है। 1950 में दुनियाभर में इसका उत्पादन केवल दो मिलियन टन था। अब यह 450 मिलियन टन से ज्यादा उत्पादन करता है। पहला सिंथेटिक प्लास्टिक बेकेलाइट 1907 में उत्पादित किया गया था, जिसने वैश्विक प्लास्टिक उद्योग की शुरुआत को चिह्नित किया। हालांकि वैश्विक प्लास्टिक उत्पादन में तेज वृद्धि 1950 के दशक तक नहीं हुई थी। अगले 70 वर्षों में प्लास्टिक का वार्षिक उत्पादन लगभग 230 गुना बढ़कर 2019 में 460 मिलियन टन हो गया है। यहां तक कि पिछले दो दशकों में ही वैश्विक प्लास्टिक उत्पादन दोगुना हो गया है। वहीं एक अध्ययन के अनुसार भारत दुनिया में सबसे बड़ा प्लास्टिक प्रदूषक है, जो प्रतिवर्ष लगभग 9.3 मिलियन टन प्लास्टिक प्रदूषण में योगदान देता है। इस कचरे का एक बड़ा हिस्सा लैंडफिल में चला जाता है या पर्यावरण में मिल जाता है।

प्लास्टिक पूरी धरती पर पाया जाता है और अनुमान है कि 2040 तक प्लास्टिक कचरे की मात्रा तीन गुना हो जाएगी। दुनिया के सबसे दुर्गम स्थानों तक प्लास्टिक कैसे पहुंचता है, यह दर्शाने वाली जानकारी अभी भी विकसित हो रही है। 2020 के एक अध्ययन से पता चला है कि बड़े प्लास्टिक के टुकड़े तब तक टूटते हैं, जब तक वे बेहद छोटे नहीं हो जाते और फिर मिट्टी और हवा के माध्यम से लंबी दूरी तक पहुंच जाते हैं। ये कण ईरान के रेगिस्तान, अंटार्कटिका में गिरने वाली बर्फ और माउंट एवरेस्ट की चोटी जैसी जगहों पर भी पाए गए हैं। पिछले 20 सालों में प्लास्टिक जीवित प्राणियों के अंदर भी दिखाई दिया है। वैज्ञानिकों ने मछलियों, पक्षियों और समुद्री कछुओं के शरीर में यहां तक कि मानव रक्त और प्लेसेंटा में भी प्लास्टिक के सूक्ष्म कण पाए हैं, जिन्हें माइक्रोप्लास्टिक कहा जाता है। इस साल वैज्ञानिकों ने पहली बार जीवित लोगों के फेफड़ों की गहराई में माइक्रोप्लास्टिक की पहचान की।

इस बात के भी संकेत मिले हैं कि प्लास्टिक के कणों और उनसे जुड़े रसायनों को सांस के जरिए अंदर लेने से फेफड़ों को नुकसान पहुंचता है। वैज्ञानिक यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि लंबे समय तक इनके संपर्क में रहने का क्या असर हो सकता है। पिछले कुछ दशकों के अध्ययनों से यह पता चला है कि कैंसर और पुरानी फेफड़ों की बीमारी से पीड़ित मरीजों के फेफड़ों के नमूनों में प्लास्टिक के कण पाए गए हैं। प्लास्टिक से सुरक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर नीतिगत कार्रवाई का काम भी शुरू हो चुका है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा एक नई संधि के माध्यम से प्लास्टिक प्रदूषण के संभावित प्रभावों को कम करने का प्रयास कर रही है। प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करें का एक प्रस्ताव पारित कर 190 से अधिक देशों ने प्लास्टिक उत्पादन और निपटान के मुद्दे पर एक साथ काम शुरू करने की सहमति व्यक्त की है। एक कार्य समूह इस पर पिछले कुछ सालों से काम कर भी रहा है। सभी देशों को मिलकर ऐसी नीति बनानी होगी, जो प्लास्टिक कचरे की समस्या से निजात दिला सके। इसके लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और एकता जरूरी है।

असल में प्लास्टिक के आविष्कार ने आधुनिक समाज में क्रांति ला दी है। अब यह सचमुच हर जगह मौजूद है, लेकिन प्लास्टिक और उससे बनने वाली सस्ती सिंगल यूज पैकेजिंग की हमारी लत अब पूरी दुनिया में फैल रही है और हमारे शरीर में घुसपैठ कर रही है। इससे बचाव के लिए प्लास्टिक की वस्तुओं, जैसे कि कंटेनरों और बोतलों का पुनः उपयोग करें। प्लास्टिक कचरे को रीसाइक्लिंग के लिए अलग करें और उचित रीसाइक्लिंग प्रक्रियाओं का पालन करें। प्लास्टिक बैग, स्ट्रॉ और सिंगल यूज वाली बोतलों और सिंगल यूज वाले प्लास्टिक उत्पादों से बचें। डिस्पोजेबल बोतलों के बजाय पुनः उपयोग की जाने वाली पानी की बोतलों का उपयोग करें। टूटी हुई प्लास्टिक की वस्तुओं को फेंकने के बजाय ठीक करने या दान करने का प्रयास करें। वहीं सरकारों को प्लास्टिक के उपयोग को कम करने, बेहतर अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली विकसित करने और प्लास्टिक के पुनर्चक्रण को बढ़ावा देने पर भी काम करना होगा। सभी मिलकर काम करेंगे, तो प्लास्टिक कचरे की समस्या का समाधान कर पाएंगे।

पिछले 70 वर्षों में प्लास्टिक उत्पादन में तेजी से वृद्धि हुई है। 1950 में दुनियाभर में इसका उत्पादन केवल दो मिलियन टन था। अब यह 450 मिलियन टन से ज्यादा उत्पादन करता है।

सोशल फोरम

एकाकी जीव है मनुष्य

मनुष्य सामाजिक प्राणी नहीं है। वो कभी नहीं रहा है। मनुष्य सामाजिक सिर्फ "असुरक्षा" की भावना के तहत होता है। जैसे ही उसकी "असुरक्षा" की भावना हटती है, मनुष्य तुरंत "असामाजिक" प्राणी हो जाता है। मनुष्य को अगर आप "सामाजिक" प्राणी कहते हैं, तो ये ऐसे ही हैं जैसे आप ये कहें कि "मनुष्य भगवान/खुदा से प्रेम करता है"। नहीं मनुष्य किसी भी भगवान या खुदा से प्रेम नहीं करता है। वो "डरता" है भगवान और खुदा से इसलिए "प्रेम" करने का नाटक करता है। संसार

सिद्धार्थ ताबिश
लेखक

में जितने भी लोग, जो आर्थिक रूप से सामर्थ्य हो जाते हैं, वो सबसे पहले समाज का त्याग करते हैं। एक व्यक्ति जो मध्यमवर्गीय परिवार में पला बढ़ा होता है, वो जैसे ही आर्थिक रूप से संपन्न होता है और उसके भीतर से असुरक्षा की भावना कम हो जाती है, वो सबसे पहले अपना मध्यम वर्गीय समाज छोड़ के दूर चला जाता है। फिर जब उसकी असुरक्षा की भावना और कम होती है और वो आर्थिक रूप से और सुरक्षित हो जाता है, वो संपन्न लोगों का भी समाज छोड़ कर और दूर चला जाता है। वो कहीं दूर जंगल या पहाड़ में जाकर अपना आशियाना बनाकर वहां रहने लगते हैं और उसी समाज की खूब बुराइयां करते हैं, जिनमें रहकर कभी वो स्वयं और दूसरों को "सामाजिक प्राणी" साबित करते थे। मनुष्य पारिवारिक प्राणी भी नहीं है। प्राकृतिक रूप से हम सब असामाजिक और अपरिवारिक ही हैं। समाज और परिवार प्रकृति ने नहीं बनाया है और ये हमारा मूल स्वभाव नहीं है। हम दूसरे जानवरों और दूसरी नस्लों द्वारा मार दिए जाते थे, इसलिए हमने गुट में और कबीले में रहना शुरू किया। असुरक्षा की भावना ने हमें एकजुट किया और हमने समाज बनाकर स्वयं को सामाजिक कहना शुरू किया। भीड़ बनाकर रहने को हमने "सामाजिक" कहना शुरू कर दिया, जबकि भीड़ कोई समाज नहीं होती है। आपकी हर छोटी सी भीड़ में हजारों समाज रहते हैं। कोई हिंदू, कोई मुस्लिम, कोई दलित, कोई पंडित, कोई अंसारी, कोई सैय्यद, फिर कोई लखनवी, कोई बरेलवी, कोई आर्यसमाजी, कोई राधास्वामी कोई कुछ और सब एक-दूसरे से भिन्न समाज में रहने का दावा करते हैं और सब एक दूसरे को नापसंद करते हैं। प्राकृतिक रूप से मनुष्य एकाकी जीव है, उसे जब भी शांति और स्वयं की तलाश की चाह होती है, अकेले में जाना होता है, उसे जब भी कुछ नया खोजना होता है, अकेले में जाना होता है, उसे जब भी कुछ रचनात्मक करना होता है, अकेले में जाकर करना होता है। मनुष्यों की भीड़ अगर कोई वैज्ञानिक खोज कर पाती या स्वयं के लिए शांति पा पाती, तब उसे सामाजिक प्राणी कहा जा सकता था। प्राकृतिक रूप से मनुष्य नितांत एकाकी जीव है। सामाजिक वो बस असुरक्षा की भावना की वजह से है।

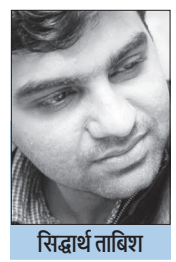

सामयिकी

बहुआयामी लक्ष्य साधेगा गूगल का एआई निवेश

कृत्रिम बुद्धिमत्ता आज बड़ी तेजी से प्रगति एवं विस्तार के नवीन आयामों को स्पर्श करता जा रहा है। इसे देखते हुए यदि यह कहा जाए कि बहुत जल्द हमारी अधिकांश गतिविधियों, क्रियाकलापों एवं नवाचारों पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता का नियंत्रण होगा, तो इसमें कुछ भी गलत न होगा। यह हर्ष का विषय है कि भारत भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की ओर सतत रूप से अग्रसर है। हाल ही में इस दिशा में एक अनूठी पहल हुई है, जो निश्चित रूप से संपूर्ण भारत के लिए बहुआयामी एवं बहुद्देशीय साबित होगी। अमेरिका की कंपनी गूगल आने वाले पांच वर्षों में विशाखापत्तनम में एक कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) केंद्र स्थापित करने के लिए भारत में 15 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगी। गूगल के साथ होने वाली इस साझेदारी में अडानी समूह के साथ-

शिशिर शुक्ला
असिस्टेंट प्रोफेसर

साथ भारत का सबसे बड़ा डेटा केंद्र भी शामिल होगा। कंपनी के अनुसार भारत में स्थापित होने वाला कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्र अमेरिका के बाहर गूगल का सबसे बड़ा केंद्र होगा। प्रस्तावित परियोजना के अंतर्गत एक गीगावॉट का डाटा केंद्र परिसर, विस्तारित फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क एवं बड़े पैमाने पर नए ऊर्जा स्रोत सम्मिलित होंगे। निश्चित रूप से भारत में कृत्रिम मेधा केंद्र स्थापित होने से भविष्य के रोडमैप एवं योजनाओं को एक नया एवं सुनियोजित आकार मिलेगा। भारत में नवीन उद्यम स्थापित होंगे एवं साथ ही साथ उद्योगों में उच्च गुणवत्ता की तकनीक के समावेश से उद्यमों के विकास को एक नई गति प्राप्त होगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उन्नयन से बहुत से जटिल कार्य नितांत सरल हो जाएंगे। शोध एवं नवाचार तीव्र रफ्तार पकड़ेंगे, जिससे भारत प्रगति के नए आयाम स्थापित करने में सक्षम व समर्थ हो सकेगा। गूगल का एआई हब भारतीय उद्योगों को भी नई दिशा देगा। भारतीय कंपनियां मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स और स्वचालित निर्णय प्रणाली अपनाकर वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बराबरी कर सकेंगी।

गूगल की यह परियोजना निश्चित रूप से एक साथ अनेक लक्ष्यों को साधने वाली है, किंतु कहीं न कहीं इसके साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी हैं, जो जमीनी स्तर पर इसके क्रियान्वयन के दौरान परिलक्षित होंगी। इनमें सबसे पहली व महत्वपूर्ण चुनौती है- ऊर्जा संकट की। इतने बड़े एआई सेंटर के सफल परिचालन हेतु निश्चित रूप से ऊर्जा की एक विशाल मात्रा की आवश्यकता होगी। ऊर्जा की इस वृहद मात्रा के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के प्रयोग को हर हालत में प्रोत्साहन देना होगा ताकि पर्यावरण की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सके। भारत में तकनीकी कौशल का अभाव भी योजना के समक्ष एक महत्वपूर्ण चुनौती है। भारत के बहुत से इलाके ऐसे हैं, जहां तकनीकी ज्ञान अभी तक पहुंचा ही नहीं है। भारत की बहुत बड़ी आबादी तकनीकी के प्रयोग एवं पहलुओं से पूर्णतया अपरिचित है। इतने बड़े एआई हब के कुशल परिचालन हेतु एक बड़ी मात्रा में तकनीकी रूप से दक्ष कामगारों की आवश्यकता पड़ेगी। दूसरे शब्दों में यह कहा जा सकता है कि गूगल की यह परियोजना रोजगार के अवसर केवल उन्हीं लोगों के लिए उपलब्ध करा सकेगी, जो तकनीकी से जुड़े हैं एवं इसके प्रयोग में सक्षम हैं। बहरहाल, ये सब चुनौतियां ऐसी हैं, जिनका समाधान एक सुनियोजित, विवेकपूर्ण एवं दूरदर्शितामय नीति बनाकर हर हालत में किया जा सकता है। एक बार इन सभी चुनौतियों का समाधान कर लिया जाएगा, तो निश्चित रूप से परियोजना के अंदर अनेक लक्ष्य सिद्ध होते हुए प्रतिबिंबित होने लगेंगे। भारत भविष्य में न केवल एआई उपभोक्ता, बल्कि एआई निर्माता के रूप में भी उभरेगा। यदि इस योजना को सतत ऊर्जा, पर्यावरणीय सुरक्षा, न्याय-संगत नीतियां और स्थानीय भागीदारी को ध्यान में रखते हुए लागू किया जाए, तो यह भारत के लिए विकसित, समृद्ध व तकनीकी रूप से सशक्त राष्ट्र बनने की राह में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

मंत्रों के जाप का महत्व

मंत्र जाप कितने तरीकों से किया जा सकता है? शास्त्रों के अनुसार मंत्र जाप करने का सही तरीका क्या है? बेहद कम लोग जानते हैं कि मंत्र जाप के भी प्रकार हैं यानी मंत्र जाप के कई तरीके हैं और हर तरीके के लिए अलग-अलग नियम। अगर मंत्र जाप ठीक से न किया जाए, तो वह फलित नहीं होता और न ही उसकी ऊर्जा आपको किसी प्रकार का लाभ पहुंचाती है। आइए समझते हैं कि मंत्र जाप कितने प्रकार के होते हैं और सही तरीके से मंत्र का जाप कैसे करना चाहिए।

डॉ .विपिन शर्मा
ज्योतिषाचार्य

मंत्र जाप के नियम

जाप तो कई लोग करते हैं, लेकिन ठीक तरीके से जाप करने के शास्त्रीय नियम क्या हैं, इसके बारे में बेहद कम लोगों को जानकारी है। मंत्र जाप के लिए शरीर की शुद्धि आवश्यक है। इसलिए स्नान करके ही मंत्र जाप करना चाहिए। मंत्र जाप हमेशा घर में एकांत व शांत स्थान में करना चाहिए। पहले लोग प्राकृतिक परिवेश जैसे कि पेड़ के नीचे, नदी के किनारे, वन में, साधना स्थल इत्यादि जगहों पर करते थे। इससे न केवल एकाग्रता में मदद मिलती है, बल्कि प्रकृति से भी ऊर्जा मिलती है। जाप के लिए कुश के आसन पर बैठना चाहिए, क्योंकि कुश उष्मा का सुचालक होता है। इससे मंत्रोच्चार से उत्पन्न ऊर्जा हमारे शरीर में समाहित होती है। जाप में रीढ़ की हड्डी बिल्कुल सीधी रखें, ताकि सुषुम्ना नाड़ी में प्राण का प्रवाह आसानी से हो सके, क्योंकि सुषुम्ना नाड़ी से पूरे शरीर में ऊर्जा प्रभावित होती है। जाप में मंत्रोच्चारण की गति समान रहनी चाहिए यानी न बेहद तेज और न धीमी। अगर संभव हो, तो मानसिक जाप यानी मन में ही मंत्र का जाप करें और मंत्र का शुद्ध उच्चारण करें। गलत उच्चारण से आपको नुकसान हो सकता है या मंत्र का प्रभाव नगण्य हो सकता है। अगर आप साधारण जप कर रहें हैं, तो तुलसी की माला का प्रयोग करें, लेकिन कामना सिद्ध करने वाले मंत्र जाप में चंदन या रूद्राक्ष की माला प्रयोग करें।

मंत्र जाप के प्रकार

- नाम जाप से भक्त के भारी से भारी संकट भी मिट जाते हैं।
- मोक्ष प्राप्ति के लिए अंगूठे के साथ तर्जनी को मिलाकर जाप करना चाहिए।
- हिन्दू धर्म में कई ऐसे मंत्र हैं, जिनका जाप करना बेहद लाभदायक होता है। इसलिए कई लोग समय निकालकर मंत्र जाप करते हैं और मंत्र से जुड़ी ऊर्जा का लाभ लेना चाहते हैं। शास्त्रों के अनुसार मंत्र तीन प्रकार के होते हैं- वैदिक मंत्र, तांत्रिक मंत्र और शाबर मंत्र। मंत्र जाप भी तीन प्रकार से किया जाता है।
- वाचिक जप-जब बोलकर मंत्र का जाप किया जाता है, तो वह वाचिक जाप की श्रेणी में आता है।
- उपांशु जप- जब जुबान और ओष्ठ से इस प्रकार मंत्र उच्चारित किया जाए, जिसमें केवल ओष्ठ कंपित होते हुए प्रतीत हों और मंत्र का उच्चारण केवल स्वयं को ही सुनाई दे, तो ऐसा जाप उपांशु जप की श्रेणी में आता है।
- मानसिक जाप- यह जाप केवल अंतर्मन से यानी मन ही मन किया जाता है। कई लोग ध्यान और साधना के दौरान मंत्र जाप करते हैं। रामचरित मानस में लिखा है कि 'जापहिं नामु जन आरत भारी। मिटहिं कुसंकट होहि सुखारी।।' अर्थात नाम जाप से भक्त के भारी से भारी संकट भी मिट जाते हैं।

मंत्र जाप का समय

मंत्र का जाप ब्रह्म मुहूर्त में करना सबसे अच्छा माना जाता है, लेकिन अगर समय नहीं है, तो किसी भी समय कर सकते हैं। मंत्र का जप प्रातः काल पूर्व दिशा की ओर मुख करके करना चाहिए एवं शाम में पश्चिम दिशा की ओर मुख करके जप करना श्रेष्ठ माना गया है। मंत्र का प्रभाव महसूस करने के लिए कम से कम एक माला तक मंत्र जाप अवश्य करना चाहिए। अक्षत, अंगुलियों के पर्व, पुष्प आदि से मंत्र जाप की संख्या नहीं गिननी चाहिए। मोक्ष-प्राप्ति के लिए अंगूठे के साथ तर्जनी को मिलाकर जाप करना चाहिए। मानसिक शांति व संतोष के लिए अंगूठे के साथ मध्यमा और सिद्धि के लिए अंगूठे व अनामिका से जाप किया जाना चाहिए। सर्वसिद्धि के लिए कनिष्ठा उंगली और अंगूठे को मिलाकर जाप करना सर्वोत्तम है।

अवतारवाद: विकासवाद का अध्यात्मपरक वैज्ञानिक विमर्श

भारतीय धर्म एवं संस्कृति में वर्णित अवतारवाद, विकासवाद का अध्यात्मपरक वैज्ञानिक सिद्धांत है, जिसका मूल उद्देश्य धर्म की स्थापना और अधर्म का नाश करना रहा है। अवतार का अर्थ है नीचे उतरना, अवतरित होना, जो दिखाई नहीं दे रहा है, उसका व्यक्त होना, प्रादुर्भाव अथवा आविर्भाव। भगवान द्वारा अवतार लेने के कई कारण बताए गए हैं, जिनमें प्रमुख है धरती का भार उतारना। मूल्यों में आई अनैतिकता तथा अधार्मिकता के कारण जब जागतिक सत्ता और उसके नियमन का विनाश होने लगता है, प्रकाशमय वातावरण अंधकारमय हो जाता है।

ऋत के स्थान पर अनृत और धर्म के स्थान पर अधर्म का प्रभाव बढ़ जाता है, तब-तब पृथ्वी पर मनुष्य या पशु रूप में महानदेव का अवतार होता है, जो इस प्रकार के अधार्मिक, अनैतिक, मूल्यविहीन सत्ता का विनाश करके पुनः धरती पर धर्म, नैतिकता और मूल्ययुक्त आदर्श की स्थापना करता है।

अवतार की सिद्धि दो दशाओं में मानी जाती है-एक तो रूप का परिवर्तन अर्थात् 'स्व' रूप का त्याग कर कार्यवश नवीन रूप धारण करना तथा दूसरा है नवीन जन्म ग्रहण कर तद्नुरूप में आना, जिसमें माता के गर्भ में उचित काल तक स्थापित होकर जन्म ग्रहण करना। प्रहलाद के रक्षार्थ अथवा गजेन्द्र को घड़ियाल के बंधन से मुक्त कराने हेतु भगवान विष्णु का अपने रूप में आविर्भाव अवतारों के 'स्व' रूप के त्याग का उदाहरण है, जबकि राम-कृष्ण आदि अवतार नवीन जन्म धारण कर अवतरित होने के उदाहरण हैं। अवतार का प्रसंग प्रायः किसी अलौकिक शक्ति संपन्न भगवान के लिए ही उपयुक्त माना जा सकता है।

डॉ. रज्जन कुमार
प्रोफेसर

अवतार कई प्रकार के होते हैं, जैसे पूर्णावतार, अंशावतार, विमावतार, कलावतार, विभूतिवतार, व्यूहावतार, गुणावतार, अर्चावतार आदि। जब भगवान स्वयं प्रकट होते हैं, वह विमावतार कहलाता है। यह साक्षात और आवेश दो प्रकार का होता है। आवेश भी दो प्रकार का होता है-शक्ति आवेश व रूप आवेश। पहले में केवल भगवान की शक्ति किसी प्राणी में आती है और दूसरे में किसी प्राणी के शरीर में भगवान प्रवेश करते हैं और वह भगवान बन जाता है। भगवान की शक्तियां अनंत हैं, परंतु धरती पर अधिकतम 16 कला का ही अवतार होता है, इससे अधिक की आवश्यकता नहीं होती है। जब कला से अवतार होता है वह कलावतार कहलाता है। अवतार में जब कला 1/16 होती हैं, तो वह अंशावतार कहलाता है। इससे कम वाला विभूतिवतार है। सब अवतारों की शक्तियां समान होती हैं, जिस काल में जितनी शक्ति की आवश्यकता होती है उतनी ही शक्ति का प्रयोग किया जाता है। अतएव 16 कला के कृष्णावतार, 9 कला के रामावतार, मोहिनी अवतार और परशुरामावतार सभी बराबर हैं और भगवान हैं। पूर्णावतार में भगवान चतुर्व्यूह में अवतरित होते हैं। वासुदेव, बलराम, प्रदयुम्न और अनिरुद्ध- ये कृष्णावतार के व्यूह हैं। राम, लक्ष्मण, भरत व शत्रुघ्न रामावतार के व्यूह हैं। सभी अवतार अपने-अपने कार्य पूर्ण करने के पश्चात सशरीर अपने लोक में चले जाते हैं।

ज्ञान का वितरण

ज्ञान का वितरण भी भगवान के अवतार का प्रयोजन है। भगवान ही सब गुरुओं के गुरु हैं तथा सब ज्ञान के आधार हैं। वहीं से ज्ञान की धारा लोकमंगल के लिए प्रवाहित होती है, जिसके कतिपय बिंदुओं को पाकर मानव धन्य हो जाता है। वह मोक्षाभिलाषी होकर परम श्रेयस को प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर हो जाता है। इस अलौकिक एवं अनुपम लक्ष्य के समक्ष भौतिक क्लेश का विनाश अवतार का बहुत ही अल्प ध्येय माना जा सकता है। अवतरित अवतार इस लोक में व्याप्त अहितकारी एवं विनाशकारी शक्तियों का शमन करते हुए धर्म की स्थापना करता है। इस धर्म की स्थापना में आततायियों द्वारा संसार के मनुष्यों के ऊपर कई तरह जुल्म किए जाते हैं। जैसे- शारीरिक, मानसिक, आर्थिक, सामाजिक, भावनात्मक आदि। प्रायः मनुष्य इनसे मुक्त होना चाहता है। अवतार उन्हें इनसे मुक्ति दिलाता है, लेकिन वह उन्हें इस तथ्य से भी अवगत कराता है कि ये सभी भौतिक एवं लौकिक दुःख और ताप हैं। मानव जीवन का लक्ष्य इन क्षुद्र और क्षणिक दुःखों से मुक्ति पाना नहीं है। उसका ध्येय तो पूर्ण मुक्ति पाना है, जो मोक्ष, निर्वाण, कैवल्य और विवेकख्याति है। यही मनुष्य का चरम लक्ष्य है और मानव जीवन का चरमोत्कर्ष भी। इसकी प्राप्ति ज्ञान, कर्म और भक्ति के द्वारा संभव है, जिनका संदेश एवं मार्ग अवतार ने अनेकशः किया है।

बोध कथा

क्षमा

ललित नगरी के राजा अनंतदेव एक बार अपने महल में भोजन कर रहे थे। अचानक खाना परोस रहे सेवक के हाथ से थोड़ी सी सब्जी राजा अनंतदेव के कपड़ों पर छलक गई। राजा अनंतदेव की त्यौरियां चढ़ गईं। जब सेवक ने यह देखा तो वह थोड़ा घबराया, लेकिन कुछ सोचकर उसने प्याले की बची सारी सब्जी राजा अनंतदेव के कपड़ों पर उड़ेल दी। अब तो राजा अनंतदेव के क्रोध की सीमा न रही। अनंतदेव ने सेवक से पूछा, तुमने ऐसा करने का दुस्साहस कैसे किया? सेवक ने अत्यंत शांत भाव से उत्तर दिया, महाराज! पहले आपका गुस्सा देखकर मैंने समझ लिया था कि अब मेरी जान नहीं बचेगी, लेकिन फिर सोचा कि लोग कहेंगे की राजा अनंतदेव ने छोटी सी गलती पर एक बेगुनाह को मौत की सजा दे दी। ऐसे में आपकी बदनामी होती। तब मैंने सोचा कि सारी सब्जी ही उड़ेल दूं ताकि दुनिया आपको बदनाम न करे और मुझे ही अपराधी समझे। राजा अनंतदेव को उसके जबाव में एक गंभीर संदेश के दर्शन हुए कि एक सेवक अगर राजा को क्षमा कर सकता है, तो मैं राजा होकर क्या एक सेवक को क्षमा नहीं कर सकता। क्षमा करने वाला, गलती करने वाले से सदैव बड़ा होता है। ऐसा सोचकर राजा शर्मिंदा हुआ और सेवक को क्षमा कर दिया।

-सुरेन्द्र अग्निहोत्री

पौराणिक कथा

भगवान श्रीकृष्ण और कुम्हार

गोपियां भगवान कृष्ण को छेड़तीं थीं और जब कान्हा कोई शरारत करते तो गोपियां उनकी शिकायत लेकर मां यशोदा के पास पहुंच जातीं। मां यशोदा गोपियों की रोज-रोज की शिकायतों से बहुत परेशान हो गईं। एक बार नाराज होकर माता यशोदा एक छोटी सी छड़ी लेकर कान्हा के पीछे दौड़ीं। मां यशोदा उन्हें डपटना चाहती थीं, लेकिन मां को अपनी तरफ यूं आते देखकर कान्हा भागने लगे। कान्हा आगे-आगे और मां यशोदा, उन्हें पकड़ने के लिए पीछे-पीछे दौड़ने लगीं। कान्हा भागकर एक कुम्हार के पास जा पहुंचे, उन्होंने कुम्हार से कहा कि मुझे जल्दी से छुपा लो वरना मां यशोदा मुझे पकड़ने के लिए आ रही हैं। कुम्हार सोच में पड़ गया कि वह उन्हें कहां छुपाएं, लेकिन फिर उसे उपाय सूझा और उसने उन्हें एक बड़े से घड़े के नीचे छुपा लिया। कुछ देर बाद ही माता यशोदा भी वहां पहुंच गईं। वह अपने बालक को तलाश रही थीं, क्योंकि उन्होंने उसे इधर ही आते देखा था। जब उन्हें कान्हा कहीं नहीं दिखे तो उन्होंने कुम्हार से पूछा। क्यों रे तूने मेरे कान्हा को कहीं देखा क्या? वह इधर ही कहीं आया है। अपने काम में मगन कुम्हार बोला, "नहीं मैया मैंने तो कन्हैया को नहीं देखा। मैं तो अपने काम में व्यस्त था।" नंदलाल मैया और कुम्हार की सारी बातें घड़े के अंदर से सुन रहे थे। कुछ देर बाद जब आवाज आना बंद हो गई, तो उन्होंने जान लिया कि मैया वहां से चली गई हैं, तो उन्होंने कुम्हार से कहा, "मुझे इस घड़े के नीचे से बाहर निकालो।" कुम्हार जानता था कि कान्हा के रूप में प्रभु हैं, उसने कहा, "कन्हैया मैं तुम्हें इतनी आसानी से बाहर नहीं निकालने वाला, पहले तुम मुझे चौरासी लाख योनियों के बंधन से मुक्त करने का वचन दो।" नंदलाल कुम्हार की चतुराई पर मुस्कुराए। इसके बाद उन्होंने कहा, "ठीक है मैं तुम्हें चौरासी लाख योनियों से मुक्त करने का वचन देता हूं। अब तो मुझे बार निकाल दो।" कुम्हार ने फिर मन ही मन सोचा कि आज तो प्रभु श्री कृष्ण मेरे बस में हैं। मैं जो भी मांगूगा मुझे मिल जाएगा। यह मौका फिर तो मिलने वाला नहीं है, उसने मन ही मन विचार किया और फिर कहा, "प्रभु मुझे अकेले को नहीं मेरे परिवार के सभी लोगों को चौरासी लाख योनियों के बंधन से मुक्त करने का वचन दो। इसके बाद ही मैं तुम्हें इस घड़े से बाहर निकालूंगा।" कान्हा ने मुस्कुराते हुए कहा, "चलो ठीक है मैं तुम्हारे परिवार के सभी सदस्यों को भी चौरासी लाख योनियों के बंधन से मुक्त करने का वचन देता हूं। अब तो बाहर निकालो।" इसके बाद भी कुम्हार ने उन्हें बाहर नहीं निकाला, उसने कुछ देर विचार किया और फिर कहने लगा। मेरी एक विनती है तुम उसे पूरी कर दोगे, तब ही मैं तुम्हें यहां से बाहर निकालूंगा।

भगवान श्रीकृष्ण को कुम्हार की इन बातों में आनंद आने लगा था। भगवान ने कहा, "ठीक है अपनी यह बात भी बता दो।" कुम्हार ने तुरंत ही कहा, "प्रभुजी आप जिस घड़े के नीचे छिपे हुए हैं, उसकी मिट्टी मेरे बैलों पर लादकर के लाई गई है। इस कारण से मेरे बैलों को भी आप चौरासी लाख योनियों के बंधन से मुक्त कर देने का वचन दो।" भगवान श्रीकृष्ण कुम्हार की इस बात पर बहुत ही प्रसन्न हुए, उन्होंने तुरंत ही कुम्हार के बैलों को भी चौरासी लाख योनियों के बंधन से मुक्त करने का वचन दे दिया। अब कुम्हार ने फिर कहा, "प्रभु मेरी एक इच्छा बाकी रह गई है, उसे भी पूरा कर दो वरना तुम फिर मेरे हाथ थोड़ी न आओगे।" भगवान श्री कृष्ण ने घड़े के अंदर से मुस्कुराते हुए पूछा, वह भी बता दो। कुम्हार ने कहा," प्रभु मेरी अंतिम इच्छा यह है कि जो भी प्राणी हम दोनों के इस संवाद को सुनेगा आप उसे भी चौरासी लाख योनियों के बंधन से मुक्त करने का वचन दीजिए। इसके बाद ही आप को घड़े से बाहर निकालूंगा।" कुम्हार के इस प्रेम को देख सुनकर भगवान श्री कृष्ण बहुत खुश हुए, उन्होंने उसकी वह अंतिम इच्छा भी पूरी करने का वचन दे दिया। कुम्हार ने अपनी सारी इच्छाएं पूरी कराने के बाद घड़े को उठा दिया और कान्हा को बाहर निकाल दिया। इसके बाद कुम्हार ने कन्हैया को गले से लगा लिया। गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगली पर उंगली पर उठा लेने वाले भगवान कृष्ण चाहते, तो तुरंत ही घड़े से बाहर आ सकते थे, लेकिन यह उनकी एक लीला थी।

-फीचर डेस्क

सप्ताह के प्रमुख व्रत

देवउठनी एकादशी

देवउठनी एकादशी शनिवार 1 नवंबर 2025 को सनातन धर्म में हर तिथि हर व्रत का अलग-अलग महत्व है। साल में 24 एकादशी के व्रत रखे जाते हैं। हर महीने में दो बार एकादशी व्रत किया जाता है। एक कृष्ण और दूसरा शुक्ल पक्ष में। धार्मिक मान्यता है कि एकादशी तिथि पर जगत के पालनहार भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की विशेष पूजा करने से जातक को शुभ फल की प्राप्ति होती है। उन्हीं एकादशी में से देवउठनी एकादशी का विशेष महत्व है। इस दिन से पाताल लोक में आराम करने के लिए गए भगवान विष्णु जागते हैं और फिर से सृष्टि का संचालन संभालते हैं। इसलिए इसे देवोत्थान या देवउठनी एकादशी या देव प्रबोधिनी एकादशी भी कहते हैं।

तुलसी विवाह - रविवार, 2 नवंबर 2025

तुलसी विवाह का महत्व- तुलसी विवाह में माता तुलसी (जिसे वृंदा देवी भी कहा जाता है) और श्रीशालिग्राम भगवान (जो भगवान विष्णु का स्वरूप हैं) का विवाह होता है। मान्यता है कि इस विवाह से घर में सुख, समृद्धि और सौभाग्य का वास होता है, जो लोग अपने घर में यह विवाह कराते हैं, उन्हें भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का विशेष आशीर्वाद प्राप्त होता है। मान्याता है कि इस दिन व्रत रखने से अविवाहित कन्याओं को अच्छा वर मिलता है। वहीं विवाहित दंपतियों के जीवन में इस व्रत को रखने से खुशहाली आती है।

गीता : जीवन का प्रकाशपुंज

कुरुक्षेत्र के मैदान में अर्जुन मोहग्रस्त थे और सत्य की रक्षा के लिए अपने बंधु-बांधवों से युद्ध करने में हिचक रहे थे। उस समय भगवान श्रीकृष्ण ने अपने परम मित्र भक्त अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था। गीता के रूप में स्वयं भगवान श्रीकृष्ण के मुख से निकले उपदेश किसी जाति, धर्म और संप्रदाय की सीमा से आबद्ध नहीं हैं, बल्कि यह संपूर्ण मानव जाति के कल्याण का मार्ग हैं। पाश्चात्य जगत में विश्व साहित्य का कोई भी ग्रंथ इतना अधिक उद्धरित नहीं हुआ है, जितना कि भगवद्गीता।

अरविंद जयतिलक
स्वतंत्र लेखक

भगवद्गीता ज्ञान का अथाह सागर है। जीवन का प्रकाशपूंज व दर्शन है। शोक और करुणा से निवृत होने का सम्यक मार्ग है। भारत की महान धार्मिक संस्कृति और उसके मूल्यों को समझने का ऐतिहासिक-साहित्यिक साक्ष्य है। इतिहास भी है और ज्ञान-कर्म दर्शन भी। समाजशास्त्र और विज्ञान भी। लोक-परलोक दोनों का आध्यात्मिक मूल्य भी। गीता के प्रथम अध्याय में कुरुक्षेत्र के युद्धस्थल में अर्जुन का मोहग्रस्त होना, करुणा से अभिभूत होकर अपनी शक्ति खो देना इत्यादि का भली-भांति उल्लेख है। दूसरा अध्याय हमें देहांतरण की प्रक्रिया, परमेश्वर की निष्काम सेवा के अलावा स्वरूपसिद्ध व्यक्ति के गुणों से अवगत कराता है। तीसरे, चौथे व पांचवे अध्याय में कर्मयोग और दिव्य ज्ञान का उल्लेख है। यह अध्याय इस सत्य को उजागर करता है कि इस भौतिक जगत में हर व्यक्ति को किसी न किसी प्रकार के कर्म में प्रवृत होना पड़ता है। छठा, सातवां और आठवें अध्याय में ध्यानयोग, भगवद्ज्ञान और भगवद् प्राप्ति कैसे हो इसका मार्ग सुझाया गया है। ध्यानयोग में बताया गया है कि अष्टांगयोग मन तथा इन्द्रियों को कैसे नियंत्रित करता है। भगवद्ज्ञान में भगवान श्रीकृष्ण को समस्त कारणों के कारण व परमसत्य माना गया है। नवें और दशवें अध्याय में परम गुह्य ज्ञान व भगवान के ऐश्वर्य का उल्लेख है। कहा गया है कि भक्ति के मार्ग से जीव अपने को ईश्वर से संबद्ध कर सकता है। ग्यारहवें अध्याय में भगवान का विराट रूप और बारहवें में भगवद् प्राप्ति का सबसे सुगम और सर्वोच्च मार्ग भक्ति को बताया गया है। तेरहवें और चौदहवें अध्याय में प्रकृति, पुरुष और चेतना के माध्यम से शरीर, आत्मा और परमात्मा के अंतर को समझाया गया है। बताया गया है कि सारे देहधारी जीव भौतिक प्रकृति के तीन गुणों के अधीन हैं-वे हैं सतोगुण, रजोगुण व तमोगुण। कृष्ण ने वैज्ञानिक तरीके से इसकी व्याख्या की है। पंद्रहवें अध्याय में वैदिक ज्ञान का चरम लक्ष्य भौतिक जगत के पाप से अपने आपको विलग करने की महत्ता पर प्रकाश डाला गया है। सोलहवें, सत्रहवें और अंतिम अठारहवें अध्याय में दैवी और आसुरी स्वभाव, श्रद्धा के विभाग व संन्यास सिद्धि का उल्लेख है। गीता ज्ञान का सागर और जीवन रूपी महाभारत में विजय का मार्ग भी है।

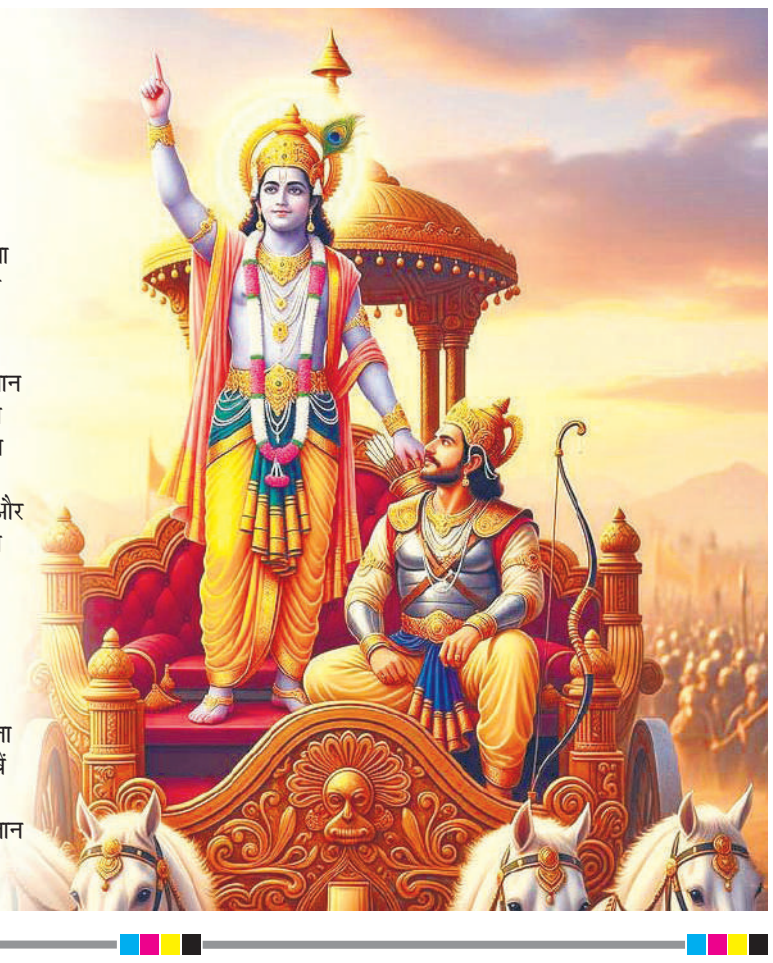

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	84,778.84	25,966.05
बढ़त	566.96	170.90
प्रतिशत में	0.67	0.66

सोना 1,25,900 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,51,250 प्रति किलो

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार, 28 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

केरल को विश्व बैंक से मिले 40 करोड़ डॉलर

तिरुवनंतपुरम। विश्व बैंक ने केरल के 40 करोड़ डॉलर के स्वास्थ्य कार्यक्रम का समर्थन करने का फैसला किया है। सोमवार को जारी बयान के अनुसार, बैंक इसके लिए 28 करोड़ डॉलर (2400 करोड़ रुपये) का ऋण देगा जबकि शेष राशि राज्य सरकार द्वारा दी जाएगी। 40 करोड़ डॉलर (3,400 करोड़ रुपये) की वित्तीय सहायता समर्थित इस पहल का उद्देश्य केरल की जन स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करना और उनकी दक्षता में सुधार लाना है। केरल ने 2023 में प्रारंभिक मंजूरी मिलने के बाद इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की और उसे केंद्र को सौंप दिया। राज्य और बैंक के प्रतिनिधियों के बीच कई दौर की वार्ता के बाद विश्व बैंक की आमसभा ने इसे अंतिम मंजूरी दे दी। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि यह परियोजना राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाएगी।

स्टड्स एक्सेसरीज का आईपीओ 30 को

नई दिल्ली। हेलमेट विनिर्माता कंपनी स्टड्स एक्सेसरीज लिमिटेड ने अपने 455 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 557-585 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। आईपीओ 30 अक्टूबर को खुलेगा और तीन नवंबर को संपन्न होगा। बड़े (एंकर) निवेशक 29 अक्टूबर को बोली लगा पाएंगे। प्रवर्तक समूह और अन्य शेयरधारक 77.86 लाख शेयर बेचेंगे। कंपनी की स्थापना 1975 में की गई। 'स्टड्स' और 'एसएमके' ब्रांड के तहत यह दोपहिया हेलमेट का निर्माण, विपणन और बिक्री करती है।

होंडा मोटर ने ओएमसी पावर में किया निवेश

नई दिल्ली। जापान की मोटर वाहन विनिर्माता कंपनी होंडा मोटर कंपनी लिमिटेड ने ओएमसी पावर में पांच से 10% की अल्पमत हिस्सेदारी खरीदी है। उद्योग जगत के सूत्रों ने यह जानकारी दी। होंडा मोटर ने ओएमसी पावर में 5-10% हिस्सेदारी खरीद ली है और भविष्य में वह अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सकती है। ओएमसी पावर के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ रोहित चंद्रा ने एक बातचीत में कहा कि दोनों कंपनियां व्यावसायिक सहयोग के लिए चार साल से अधिक समय से बातचीत कर रही थीं।

घरेलू मांग के कारण वृद्धि की संभावना मजबूत

कम मुद्रास्फीति, मौद्रिक सहजता व जीएसटी सुधारों के प्रभाव से अर्थव्यवस्था को मिल रहा बल

नई दिल्ली, एजेंसी

● वित्त मंत्रालय ने मासिक आर्थिक समीक्षा की रिपोर्ट की पेश

वैश्विक आर्थिक एवं व्यापार नीति की अनिश्चितताओं के बावजूद घरेलू मांग, कम मुद्रास्फीति, मौद्रिक सहजता और जीएसटी सुधारों के सकारात्मक प्रभाव के दम पर वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वृद्धि की संभावना मजबूत बनी हुई है। वित्त मंत्रालय की एक रिपोर्ट में सोमवार को यह बात कही गई।

वित्त मंत्रालय ने अपनी मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा कि आर्थिक एवं व्यापार नीति के मोर्चे पर अनिश्चितता की वैश्विक पृष्ठभूमि के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था ने वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में गति पकड़ी। यह इसलिए और महत्वपूर्ण है क्योंकि अगस्त में अमेरिका ने भारत पर उच्च शुल्क लगाए थे। विभिन्न आपूर्ति पक्ष उच्च आवृत्ति संकेतकों (एचएफआई) ने स्वस्थ रुझान प्रदर्शित किया है जबकि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों और त्योहारों से खपत में वृद्धि के साथ मांग की स्थिति में सुधार जारी है।

रिपोर्ट अनुसार घरेलू मांग, अनुकूल मानसून की स्थिति, कम मुद्रास्फीति, मौद्रिक सहजता और जीएसटी सुधारों के सकारात्मक प्रभावों से वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वृद्धि का दृष्टिकोण मजबूत बना हुआ है। परिणामस्वरूप, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत के अपने वृद्धि दर के अनुमान को क्रमशः 6.4 प्रतिशत तथा 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर क्रमशः 6.6 प्रतिशत और 6.8 प्रतिशत कर दिया है। इसमें कहा गया कि भारत का व्यापार प्रदर्शन मजबूत बना हुआ है और मजबूत सेवा निर्यात ने वस्तु व्यापार घाटे की प्रभावी रूप से भरपाई कर दी है। अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत जारी रहने के बावजूद सितंबर, 2025 के वस्तु व्यापार के आंकड़ों ने निर्यात गंतव्यों के विविधीकरण के शुरुआती प्रमाण पेश किए हैं। कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह में वृद्धि से पता चलता है कि भारत एक आकर्षक निवेश गंतव्य बना हुआ है। इसमें कहा गया कि जीएसटी दर को युक्तिसंगत बनाने सहित हालिया नीतिगत उपायों से मुद्रास्फीति को मध्यम बनाए रखने एवं उपभोग मांग को समर्थन मिलने की उम्मीद है। साथ ही कहा गया कि वित्त वर्ष 2025-26 में समग्र कीमतें नरम रहने की संभावना है।

अनिश्चितताओं के बाद भी भारत की गतिविधियां पहली छमाही में मजबूत

वित्त मंत्रालय ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि मुद्रास्फीति नियंत्रण में है और खाद्य श्रेणियों में मदद मिली है। वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में खुदरा मुद्रास्फीति घट कर 1.7% तक आई है। गैर-खाद्य और गैर-ईंधन वस्तुओं की कीमतें स्थिरता के साथ सितंबर 2025 में मुख्य मुद्रास्फीति (विनिर्मित उत्पाद के वर्ग की) अनुमानित 4.6% रही। वित्त मंत्रालय ने वैश्विक व्यापार पर कहा कि अनिश्चितताओं से भरे वैश्विक व्यापार परिदृश्य के बीच, भारत की बाह्य आर्थिक गतिविधियां पहली छमाही में मजबूत हैं। देश के कुल निर्यात में (वस्तुओं और सेवाओं को मिला कर) चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में सालाना आधार पर 4.4% की वृद्धि दर्ज की गई और यह 413.3 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुँच गया। वाणिज्यिक वस्तुओं के निर्यात में जहाँ तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई है, वहीं सेवा निर्यात में 6.1% की वृद्धि दर्ज की गई है। इसी अवधि के दौरान, मुख्य वाणिज्यिक वस्तुओं (पेट्रोलियम और रत्न आभूषणों को छोड़ कर) के निर्यात में एक साल पहले की इसी अवधि से 7.5% की वृद्धि जारी रही। केंद्रीय बैंक द्वारा हाल ही में किए नीतिगत बदलावों की सराहना करते हुए, रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंकिंग प्रणाली में पर्याप्त तरलता बनाए रखने के आरबीआई के प्रयासों ने आर्थिक गतिविधियों को और मज़बूत करने के लिए संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आरबीआई की हालिया नियामकीय और विकास नीति, व्यापक संरचनात्मक सुधारों के साथ विवेकपूर्ण व्यवहार को दर्शाते हुए, उभरती हुई व्यापक आर्थिक परिस्थितियों के प्रति एक संतुलित प्रतिक्रिया को दर्शाती है। कौशल विकास और रोज़गार सृजन पर सरकार के ज़ोर के कारण वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही में श्रम बाज़ार मजबूत बना रहा है।

दूसरी तिमाही में देश के भीतर कारोबारी धारणा रही कमजोर

नई दिल्ली, एजेंसी

● आर्थिक शोध संस्थान एनसीएईआर के सर्वेक्षण में यह बात आई सामने

देश में कारोबारी धारणा लगातार तीन तिमाहियों तक बेहतर होने के बाद चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच कुछ कमजोर पड़ी है। आर्थिक शोध संस्थान एनसीएईआर के एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है।

राष्ट्रीय अनुप्रयुक्त आर्थिक अनुसंधान परिषद (एनसीएईआर) ने सोमवार को जारी सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा कि लगातार तीन तिमाहियों तक सुधार दर्ज करने के बाद यह गिरावट मुख्य रूप से वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर लगाए गए अतिरिक्त सीमा शुल्क का नतीजा है। एनसीएईआर ने कहा कि जुलाई-सितंबर तिमाही में कारोबारी विश्वास सूचकांक (बीसीआई) घटकर 142.6 पर आ गया, जो अप्रैल-जून तिमाही में 149.4 था। हालांकि, यह गत वर्ष की समान अवधि के 134.3 अंक की तुलना में बेहतर है। यह सूचकांक चार कारकों- अगले छह महीनों में आर्थिक स्थिति का अनुमान, कंपनियों की वित्तीय स्थिति, निवेश माहौल और उत्पादन क्षमता के उपयोग स्तर पर आधारित है। इनमें से तीन कारकों में धारणा कमजोर रही, जबकि उत्पादन क्षमता उपयोग में सुधार दर्ज हुआ। यह सर्वेक्षण रिपोर्ट सितंबर में देश के छह प्रमुख शहरों की 484 कंपनियों से मिले जवाबों पर आधारित है।

वीआईटीईईई 2026 के लिए शुरू की गई आवेदन प्रक्रिया

वेल्लोर: वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी) ने वीआईटीईईई 2026 के लिए आवेदन खोल दिए हैं। इंजीनियरिंग के इच्छुक छात्रों के लिए यह महत्वपूर्ण कदम है।

छात्र वीआईटी में प्रवेश के लिए ऑनलाइन वेबसाइट www.viteee.vit.ac.in पर आवेदन कर सकते हैं। जहां वेल्लोर, चेन्नई, अमरावती और भोपाल स्थित वीआईटी के कैंपसों में कई कोर्सों के लिए नामांकन किया जा सकता है। वीआईटीईईई 2026 एक ही चरण में 28 अप्रैल 2026 से 3 मई 2026 के बीच देशभर में कई स्थानों पर आयोजित की जाएगी। परीक्षा के लिए भारत के 134 शहरों और 9 अंतर्राष्ट्रीय केंद्रों का चयन किया गया है। इससे छात्रों को अपनी पढ़ाई के स्थान या मूल क्षेत्र के आधार पर सुविधाजनक स्थान के चयन का मौका मिलेगा, जिससे वह बेहतर ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

प्रबंधन के अनुसार विश्वस्तर की बुनियादी ढांचा, मजबूत उद्योग संबंध और उत्कृष्ट प्लेसमेंट अवसरों के साथ वीआईटी देश की सबसे पसंदीदा इंजीनियरिंग शिक्षा संस्थाओं में से एक बना हुआ है। हर साल हजारों छात्र यहां से सफलतापूर्वक कैंपस प्लेसमेंट हासिल करते हैं, जो उनके उज्ज्वल भविष्य की गारंटी देते हैं। आवेदन प्रक्रिया जल्द से जल्द शुरू करने वाले छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे संस्थान के आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर दिए गए सभी दिशानिर्देशों का पालन करें। वीआईटी प्रबंधन ने कहा कि यह परीक्षा छात्रों की क्षमताओं को निष्पक्ष रूप से परखने के लिए डिजाइन की गई है और सफल उम्मीदवारों को अत्याधुनिक शिक्षा का लाभ मिलेगा।

प्रौद्योगिकी क्षेत्र ने तीसरी तिमाही में 1.48 अरब डॉलर के किए सौदे

नई दिल्ली। देश के प्रौद्योगिकी क्षेत्र ने 2025 की तीसरी तिमाही में 1.48 अरब अमेरिकी डॉलर के सौदे किए। यह मात्रा-आधारित गतिविधि से मूल्य-आधारित निवेश की ओर एक रणनीतिक बदलाव को दर्शाता है।

ग्रांट थॉर्नटन भारत की रिपोर्ट के अनुसार, जुलाई-सितंबर तिमाही में पांच करोड़ डॉलर से अधिक के सौदों की संख्या एवं मूल्य में तेजी से वृद्धि हुई। उच्च मूल्य वाले लेनदेन की मात्रा में चार गुना वृद्धि हुई और अप्रैल-जून तिमाही की तुलना में मूल्य में पांच गुना से अधिक की वृद्धि हुई। 2025 की तीसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही भारत के प्रौद्योगिकी सौदे परिदृश्य में एक रणनीतिक बदलाव का प्रतीक रहे। इसमें 80 सौदे दर्ज हुए जो तिमाही आधार पर 33 प्रतिशत की वृद्धि है।

एचवीडीएलई में होंगी 5,000 करोड़ ऋण वाली कंपनियां

नई दिल्ली, एजेंसी

अधिक कर्ज में डूबी कंपनियों को राहत देने के लिए सेबी ने रखा प्रस्ताव

बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अधिक कर्ज में डूबी कंपनियों के अनुपालन बोझ को कम करने के लिए नई रूपरेखा का प्रस्ताव किया है। सेबी ने अपने परामर्श पत्र में कहा कि इसके तहत अब किसी कंपनी पर एक हजार करोड़ रुपये के बजाय पांच हजार करोड़ रुपये का कर्ज होने पर उच्च मूल्य कर्ज वाली सूचीबद्ध इकाइयों (एचवीडीएलई) में शामिल करने का प्रस्ताव है।

इसमें कहा गया कि इस कदम से एचवीडीएलई के रूप में वर्गीकृत इकाइयों की संख्या वर्तमान के 137 से 64 प्रतिशत घटकर 48 हो जाएगी। प्रस्ताव का उद्देश्य अनुपालन बोझ को कम करना तथा कारोबार सुगमता को बढ़ावा देना है। एचवीडीएलई के लिए कॉरपोरेट प्रशासन मानदंड पहली बार सितंबर, 2021 से 31 मार्च, 2025 तक अनुपालन-या-स्पष्टीकरण के आधार पर पेश किए गए थे। अप्रैल, 2025 से ये अनिवार्य हो गए। ये मानदंड 1,000 करोड़ रुपये या उससे अधिक की सूचीबद्ध बकाया गैर-परिवर्तनीय ऋण प्रतिभूतियों वाली सभी इकाइयों पर लागू होते हैं। इन नियमों के लागू होने के बाद कई बाजार सहभागियों ने वर्गीकरण के लिए उच्च सीमा बढ़ाने के लिए सेबी से संपर्क किया। एक बार एचवीडीएलई के रूप में नामित होने के बाद किसी कंपनी को सूचीबद्ध कंपनियों के समान कामकाज के मानकों का पालन करना पड़ता है जिसमें तिमाही रिपोर्ट एवं वार्षिक अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करना और निदेशक मंडल की संरचना मानदंडों का पालन करना शामिल है।

प्रस्तावों पर 17 नवंबर तक मांगी टिप्पणियां

सेबी ने आवधिक अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए निर्धारित 21-दिवसीय समयसीमा को अधिक लचीले प्रावधान से बदलने का भी सुझाव दिया है, जिससे बोर्ड को आवश्यकतानुसार समयसीमा तय करने की अनुमति मिल सके। इसने एचवीडीएलई के लिए अपने आवधिक अनुपालन रिपोर्ट के साथ संबंधित पक्ष लेनदेन (आरपीटी) का खुलासा करने की आवश्यकता को हटाने का भी प्रस्ताव रखा है। नियामक ने एचवीडीएलई के सचिवीय लेखा परीक्षकों की नियुक्ति, पुनर्नियुक्ति, उन्हें पद से हटाने और अयोग्यता के लिए प्रावधान लाने का भी सुझाव दिया है। संबंधित पक्ष लेनदेन के संबंध में सेबी ने ऋणपत्र न्यासियों और ऋणपत्र धारकों से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) की आवश्यकता को बरकरार रखने का प्रस्ताव दिया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने इन प्रस्तावों पर 17 नवंबर तक टिप्पणियां मांगी हैं।

राष्ट्रीय

डिजिटल अरेस्ट : सीबीआई जांच की सुप्रीम इच्छा, राज्यों से मांगा ब्योरा

स्वतः संज्ञान लेकर दर्ज कराए गए मामलों पर तीन नवंबर को होगी सुनवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह 'डिजिटल अरेस्ट' के मामलों की पूरे भारत में व्यापकता को देखते हुए इनकी जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का इच्छुक है। न्यायालय ने 'डिजिटल अरेस्ट' संबंधी मामलों में विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में दर्ज प्राथमिकियों का ब्योरा मांगा। डिजिटल अरेस्ट ऑनलाइन धोखाधड़ी है, जिसमें जालसाज खुद को फर्जी तरीके से सरकारी एजेंसी या पुलिस बताकर लोगों पर कानून तोड़ने का आरोप लगाते हुए उन्हें धमकाकर और गलत तरह से धन वसूली की कोशिश करते हैं।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने डिजिटल अरेस्ट के मामलों पर सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी किए और धोखेबाजों द्वारा ठगी की शिकार बुजुर्ग महिला की शिकायत पर स्वतः संज्ञान लेकर दर्ज किए मामलों की सुनवाई तीन नवंबर के लिए स्थगित कर दी। शीर्ष अदालत ने सीबीआई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की इस दलील पर गौर किया कि साइबर अपराध और डिजिटल अरेस्ट के मामलों का मूल म्यांमा और थाईलैंड जैसे विदेशी स्थानों से है। साथ ही न्यायालय ने जांच एजेंसी को इन मामलों की जांच के लिए एक योजना बनाने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि हम सीबीआई जांच की प्रगति की निगरानी करेंगे और आवश्यक निर्देश जारी करेंगे।

पीठ ने सीबीआई से पूछा कि क्या उसे डिजिटल अरेस्ट की जांच के लिए साइबर विशेषज्ञों सहित अधिक संसाधनों की जरूरत है ? न्यायालय ने ऑनलाइन धोखाधड़ी की बढ़ती घटनाओं, विशेषकर फर्जी न्यायिक आदेशों से लोगों को डिजिटल अरेस्ट करने के मामलों का संज्ञान लेते हुए केंद्र और सीबीआई से 17 अक्टूबर के जवाब मांगा था और कहा था कि ऐसे अपराध न्याय प्रणाली में जनता के विश्वास की नींव पर कुठाराघात हैं। शीर्ष अदालत ने हरियाणा के अंबाला में अदालत और जांच एजेंसियों के फर्जी आदेशों पर बुजुर्ग दंपति को डिजिटल अरेस्ट कर 1.05 करोड़ की उगाही का संज्ञान लिया है। उसने कहा था कि यह साधारण अपराध नहीं, जिसमें पुलिस से कहा जाए कि जांच करे और परिणाम तक पहुंचे बल्कि ये ऐसा मामला है जिसका पर्दाफाश करने को केंद्र और राज्य पुलिस के बीच समन्वित प्रयास जरूरी हैं।

खालिद, इमाम की जमानत पर जवाब के लिए पुलिस को और समय देने से इन्कार

दिल्ली दंगा

सुप्रीम कोर्ट ने फरवरी 2020 में हुए दिल्ली दंगों की साजिश में यूएपीए के तहत दर्ज मामले में कार्यकर्ताओं उमर खालिद, शरजील इमाम, गुलफिशा फातिमा और मीरान हैदर की जमानत याचिकाओं पर जवाब दायर करने के लिए दिल्ली पुलिस को समय देने सोमवार को इन्कार कर दिया। दिल्ली पुलिस की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए समय मांगा। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एनवी अंजारिया की पीठ ने दो सप्ताह का समय देने से इन्कार करते हुए कहा कि वह 31 अक्टूबर को मामले की सुनवाई करेगी। पीठ ने कहा कि हम आपको पर्याप्त समय दे चुके हैं। पिछली बार नोटिस जारी करते समय हमने कहा था कि हम इस मामले की सुनवाई 27 अक्टूबर को करेंगे और इसका निपटारा करेंगे। पीठ ने कहा कि सच कहें तो, जमानत के मामलों में जवाब दाखिल करने का सवाल ही नहीं उठता। खालिद के अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलील दी कि याचिकाकर्ता पांच साल से जेल में हैं। एक अन्य याचिकाकर्ता के अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने कहा कि पूरा मामला मुकदमे में देरी का है और सुनवाई में और देरी नहीं होनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने 22 सितंबर को दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था।

● एजेंसी को मामलों की जांच के लिए योजना बनाने का निर्देश

शिक्षण संस्थानों में आत्महत्या के मामलों पर दिशानिर्देश लागू करने के बारे में बताएं राज्य

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से शैक्षणिक संस्थानों में छात्रों में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं और आत्महत्या के मामलों से निपटने के लिए तय दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन के बारे में आठ सप्ताह में उसे सूचित करने को कहा। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने केंद्र को इन दिशानिर्देशों को लागू करने के लिए उठाए कदमों का विवरण देते हुए अनुपालन हलफनामा दाखिल करने के लिए आठ सप्ताह का समय भी दिया। यह पीठ 25 जुलाई के अपने फैसले में शीर्ष अदालत द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुपालन से संबंधित एक मामले की सुनवाई कर रही थी।

सीजेआई पर जूता फेंकने की कोशिश करने वाले वकील पर कार्रवाई की इच्छुक नहीं सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई की ओर जूता फेंकने की कोशिश करने वाले वकील के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई शुरू करने के लिए इच्छुक नहीं है। न्यायालय ने कहा कि सीजेआई ने स्वयं कार्रवाई करने से इन्कार किया था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि अदालत में नारे लगाना और जूते फेंकना स्पष्ट रूप से अदालत की अवमानना है, लेकिन यह संबंधित न्यायाधीश पर निर्भर करता है कि वह आगे बढ़ना चाहते हैं या नहीं। पीठ ने कहा कि अवमानना नोटिस जारी करने से सीजेआई पर जूता फेंकने की कोशिश करने वाले वकील को अनावश्यक महत्व मिलेगा और घटना की अवधि बढ़ जाएगी। इस मामले को ऐसे ही खत्म कर दिया जाए। पीठ 'सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन' (एससीबीए) की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें 71 वर्षीय अधिवक्ता राकेश किशोर के खिलाफ अवमानना कार्रवाई का अनुरोध किया गया था, जिन्होंने 6 अक्टूबर को अदालती कार्यवाही के दौरान सीजेआई की ओर जूता फेंकने की कोशिश की था। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए दिशानिर्देश बनाने पर विचार करेगी। उसने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से अदालतों में ऐसी घटनाओं का विवरण एकत्र करने को कहा।

विधायक समेत छह नेता भाजपा से निष्कासित

बिहार विस चुनाव

● सभी पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप

भागलपुर (बिहार), एजेंसी

बिहार भाजपा ने रविवार को अनुशासनात्मक कार्रवाई करते हुए पार्टी के छह नेताओं को निष्कासित कर दिया, जिनमें कहलगांव के विधायक पवन यादव भी हैं। इन पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है।

भाजपा के अनुसार, निष्कासित नेताओं को प्राथमिक सदस्यता से भी निलंबित किया गया है। विस चुनाव के दौरान राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) प्रत्याशियों के खिलाफ गतिविधियों में शामिल पाए जाने पर पार्टी ने इन छह नेताओं पर कार्रवाई की है। निवर्तमान विधानसभा के मौजूदा विधायक पवन यादव, जिन्हें इस बार टिकट नहीं दिया गया था, कहलगांव सीट से राजग उम्मीदवार के खिलाफ निर्दलीय के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। अन्य निष्कासित नेताओं में सन्नी यादव, श्रवण कुशवाहा, उत्तम चौधरी, मारुति नंदन मारुति और पवन चौधरी शामिल हैं। घटना पर भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि ये नेता राजग के अधिकृत प्रत्याशियों के विरुद्ध तथा पार्टी की विचारधारा के खिलाफ काम कर रहे थे। 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा के लिए चुनाव दो चरणों में 6 और 11 नवंबर को होंगे तथा 14 नवंबर को मतगणना की जाएगी।

महुआ निर्वाचन क्षेत्र में दिलचस्प बहुकोणीय मुकाबला होने की संभावना

महुआ (बिहार)। वैशाली जिले के महुआ निर्वाचन क्षेत्र में दिलचस्प बहुकोणीय मुकाबला होने की संभावना है जहां बहुत सारे मतदाताओं के बीच यह धारणा है कि यदि वे तेज प्रताप यादव के पक्ष में मतदान कर दें, तो भी लाभ उनकी पसंदीदा पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को ही मिलेगा। राजद के कट्टर समर्थकों के बीच यह कहावत अक्सर सुनने को मिल जाती है कि घी दाल में ही गिरता है। कहने का अर्थ ये है कि यदि वे लालू प्रसाद के बड़े बेटे एवं राजद से निष्कासित तेज प्रताप यादव को वोट दें तब भी इससे राजद को ही फायदा होगा क्योंकि आखिरकार तेज प्रताप अपने पिता की पार्टी के साथ ही खड़े होंगे। इस सीट पर राजद के अधिकृत उम्मीदवार मौजूदा विधायक मुकेश रौशन हैं। रौशन यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि यदि मतदाता तेजस्वी को मुख्यमंत्री बनते देखना चाहते हैं तो वोट उनके पक्ष में ही जाना चाहिए। तेजस्वी खुद समीपवर्ती सीट राघोपुर से तीसरी बार चुनावी मैदान में हैं। उन्हें विपक्षी गठबंधन का मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किया गया है, जिससे यादव मतदाता खासे उत्साहित हैं जिनकी महुआ में अच्छी-खासी तादाद है। महुआ ने 2015 में तेज प्रताप को पहली बार विधायक चुना था, लेकिन 2020 में उन्हें समस्तीपुर जिले की हसनपुर सीट से चुनाव में उतारा गया था। ऐसी चर्चा थी कि लोकप्रियता में कमी से महुआ उनके लिए असुरक्षित हो गया था। तेज प्रताप और उनके पिता के बीच ताजा विवाद की वजह सोशल मीडिया 'पोस्ट' बनी, जिसमें तेज प्रताप ने अदालत में तलाक का मामला लंबित होने के बावजूद एक महिला से 12 साल से रिश्ते में होने का दावा किया। राजनीतिक विश्लेषक हालांकि मानते हैं कि असल नाराजगी तब बढ़ी जब तेज प्रताप ने कुछ समय पहले महुआ लौटने की घोषणा कर दी थी जिससे तेजस्वी खेमे के वफादार रौशन फूट-फूट कर रो पड़े थे।

राहुल बिहार में कल करेंगे चुनाव प्रचार का आगाज

पटना। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 29 अक्टूबर को बिहार में अपने प्रचार अभियान की शुरुआत करेंगे। वह मुजफ्फरपुर के सकरा और दरभंगा में दो संयुक्त जनसभाओं को संबोधित करेंगे। इन सभाओं में नेता प्रतिपक्ष और महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव मौजूद रहेंगे। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के प्रमुख राजेश राठौड़ ने बताया कि यह राहुल गांधी का विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पहला दौरा है। राहुल गांधी सकरा (सुरक्षित) सीट से महागठबंधन द्वारा मैदान में उतारे गए उम्मीदवार उमेश राम के पक्ष में सभा को संबोधित करेंगे। राहुल गांधी दरभंगा में राजद सहित महागठबंधन के उम्मीदवार के लिए आयोजित सभा में जनता से समर्थन की अपील करेंगे।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने राज्य के खातों को फ्रीज कर देने की चेतावनी

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार को चेतावनी दी कि यदि लंबित न्यायिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए तत्काल धनराशि जारी नहीं हुई, तो वह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को राज्य के बैंक खाते को फ्रीज करने का निर्देश देगा।

न्यायमूर्ति देबांगसु बसाक और मोहम्मद शब्बर रशीदी की पीठ ने बकाया भुगतान न होने के कारण हाईकोर्ट और कई निचली अदालतों में विकास कार्यों के रुक जाने पर नाराजगी व्यक्त की। साथ ही राज्य के मुख्य सचिव और वित्त सचिव को अगली सुनवाई के दौरान उपस्थित होने का निर्देश दिया। पीठ ने राज्य सरकार के खातों का विवरण मांगा और कहा कि मुख्य सचिव से कहें कि वे खाता संख्या प्रदान करें। हम इसे जब्त करने का आदेश पारित करेंगे। अदालत के अनुसार, धनराशि रोकने के कारण 36 आधिकारिक परियोजनाएं रुकी हैं। बीएसएनएल के बिल का तीन साल से भुगतान नहीं हुआ है, जिससे 5 करोड़ से अधिक का बकाया हो चुका है।

भाजपा को बैसाखियों की जरूरत नहीं

मुंबई, एजेंसी

मुंबई में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि भाजपा को महाराष्ट्र में बैसाखियों की जरूरत नहीं है। वह अपनी ताकत पर चलेगी। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से यह सुनिश्चित करने को कहा कि निकाय चुनावों में विपक्ष का सूपड़ा साफ हो जाए।

शाह ने दक्षिण मुंबई में चर्चगेट स्टेशन के पास भाजपा के महाराष्ट्र प्रदेश कार्यालय की नई इमारत की आधारशिला रखने के बाद कार्यकर्ताओं से कहा कि हमने साबित किया है कि परिवारवाद वाली पार्टियों की राजनीति अब देश में नहीं चलेगी। काम करने की राजनीति देश को आगे ले जाएगी। शाह ने कहा कि महाराष्ट्र में भाजपा बैसाखियों पर नहीं, बल्कि अपने बल पर चलती है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली अविभाजित शिवसेना का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि 2014 में भाजपा ने सम्मानजनक सीट बंटवारे की मांग की थी, लेकिन गठबंधन टूट गया। हमने लंबे समय के बाद अपने दम पर चुनाव लड़ा और देवेंद्र फडणवीस के मुख्यमंत्री बनने के साथ हम सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरे। पहले हम राज्य की राजनीति में चौथे स्थान पर थे, लेकिन आज हम पहले नंबर की पार्टी हैं।

हम साथ-साथ...

भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई सेना के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास ऑस्ट्राहिंद का पर्थ (ऑस्ट्रेलिया) में समापन हुआ। सैन्य अभ्यास के इस चौथे चरण में भारत की ओर से 120 जवान-अधिकारी शामिल हुए। समापन समारोह में उत्साहित जवान। ● एजेंसी

महत्वपूर्ण खनिजों के लिए मारामारी...

दुनिया में तनाव की नई वजह

वर्तमान समय में दुनिया भर में कई महत्वपूर्ण मुद्दे चर्चा का विषय बने हुए हैं, लेकिन उनमें से एक महत्वपूर्ण मुद्दा है महत्वपूर्ण खनिजों के लिए मारामारी। ये खनिज न केवल आधुनिक तकनीक के लिए आवश्यक हैं, बल्कि ये भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

महत्वपूर्ण खनिज क्या हैं?

महत्वपूर्ण खनिज वे खनिज होते हैं जो विभिन्न उद्योगों में उपयोग किए जाते हैं, खासकर उच्च तकनीक और ऊर्जा क्षेत्र में। इनमें लिथियम, कोबाल्ट, निकेल और दुर्लभ मिट तत्व शामिल हैं। ये खनिज इलेक्ट्रिक वाहनों, सौर पैनलों और पवन टरबाइनों जैसे अक्षय ऊर्जा स्रोतों के लिए आवश्यक हैं।

मिलकर काम करने की जरूरत

महत्वपूर्ण खनिजों के लिए मारामारी एक ऐसा मुद्दा है जो आने वाले वर्षों में और भी जटिल हो जाएगा। देशों को इस मुद्दे को हल करने के लिए मिलकर काम करने की आवश्यकता है ताकि वे महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति को सुनिश्चित कर सकें और अपनी अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत बना सकें। महत्वपूर्ण खनिजों के उपयोग को बढ़ावा देने और उनकी आपूर्ति को सुनिश्चित करने के लिए देशों को अपनी रणनीतियों को विकसित करने की आवश्यकता है।

इनके लिए मारामारी क्यों?

- **ऊर्जा संक्रमण :** दुनिया भर में ऊर्जा संक्रमण की गति तेज हो रही है, जिसके परिणामस्वरूप महत्वपूर्ण खनिजों की मांग बढ़ रही है। इलेक्ट्रिक वाहनों और अक्षय ऊर्जा स्रोतों के लिए इन खनिजों की आवश्यकता होती है।
- **चीन का वर्चस्व :** चीन महत्वपूर्ण खनिजों के उत्पादन और प्रसंस्करण में एक प्रमुख भूमिका निभाता है। इसने अन्य देशों को चिंतित कर दिया है, जो अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए चीन पर निर्भरता कम करना चाहते हैं।
- **व्यापारिक तनाव :** महत्वपूर्ण खनिजों के व्यापार में व्यापारिक तनाव भी एक बड़ा मुद्दा है। अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव ने महत्वपूर्ण खनिजों के व्यापार को प्रभावित किया है।

महत्वपूर्ण खनिजों के प्रमुख उत्पादक

- लिथियम : ऑस्ट्रेलिया, चिली, अर्जेंटीना
- कोबाल्ट : कांगो, चीन, रूस
- निकेल : इंडोनेशिया, फिलीपींस, रूस
- दुर्लभ मिट तत्व : चीन, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका

देशों की रणनीतियां

- आयात में विविधता : देश अपने आयात को विविध बनाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि वे किसी एक देश पर निर्भर न रहें।
- घरेलू उत्पादन बढ़ाना : देश अपने घरेलू उत्पादन को बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि वे आयात पर निर्भरता कम कर सकें।
- अलाभकारी खनिजों के उपयोग को बढ़ावा देना : देश अलाभकारी खनिजों के उपयोग को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहे हैं ताकि वे महत्वपूर्ण खनिजों पर निर्भरता कम कर सकें।

वर्ल्ड ब्रीफ

इज़राइल के हमलों में चार की मौत, दो घायल

बेरूत। दक्षिणी लेबनान में रविवार को इज़रायली हवाई हमलों में चार लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। देश की सरकारी राष्ट्रीय समाचार एजेंसी ने यह जानकारी दी। एजेंसी ने कहा कि इज़राइली ड्रोन और युद्धक विमानों ने लेबनान के दक्षिणी और पूर्वी क्षेत्रों में कई वाहनों को निशाना बनाया। मृतकों में से तीन हिज़्बुल्लाह के सदस्य थे और चौथा एक सीरियाई नागरिक था।

इंडोनेशिया के तेंगारा में 6.3 तीव्रता का भूकंप

जकार्ता। इंडोनेशिया के पूर्वी नुसा तेंगारा प्रांत में सोमवार तड़के 6.3 तीव्रता का भूकंप आया। देश की मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी (बीएमकेजी) ने बताया कि सुनामी की कोई आशंका नहीं है। बीएमकेजी ने अपनी वेबसाइट पर बताया कि भूकंप जकार्ता समयानुसार सुबह 00:04:28 बजे आया और इसका केंद्र उत्तर मध्य तिमोर रीजेंसी से 82 किमी उत्तर-पश्चिम में, 75 किमी की गहराई पर स्थित था। अभी तक किसी हताहत की खबर नहीं है।

अर्जेंटीना में राष्ट्रपति माइली की पार्टी जीती

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली ने प्रमुख जिला मध्यावधि चुनाव में रविवार को अपनी पार्टी की निर्णायक जीत के साथ ही महत्वपूर्ण विश्वास मत हासिल कर लिया, जिससे अमेरिका की ओर से अरबों डॉलर के समर्थन के साथ कठोर मुक्त बाजार नीतियों को आगे बढ़ाने की उनकी क्षमता मजबूत होने की संभावना है। आंकड़ों के अनुसार माइली की सत्तारूढ़ 'ला लिबर्टाड अवांजा पार्टी' ने राष्ट्रीय चुनाव में 40 प्रतिशत वोट हासिल किए।

त्रिनिदाद-टोबैगो में अमेरिकी युद्धपोत

पोर्ट ऑफ स्पेन। अमेरिका ने वेनेजुएला और उसके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर सैन्य दबाव बढ़ाने को एक युद्धपोत त्रिनिदाद एवं टोबैगो में तैनात किया है। अमेरिका ने मिसाइल विध्वंसक ग्रेवली को कैरेबियाई देश त्रिनिदाद एवं टोबैगो भेजा है। इससे पहले विमान वाहक पोत गेराल्ड आर. फोर्ड भेज चुका है।

टैरिफ तनाव के बीच भारत-अमेरिकी संबंधों को पटरी पर ले आने के प्रयास

जयशंकर और अमेरिकी विदेशमंत्री मार्को रुबियो के बीच कुआलालंपुर में हुई वार्ता

कुआलालंपुर, एजेंसी

भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्क के कारण दोनों देशों में पैदा हुए तनाव के बाद द्विपक्षीय संबंधों को फिर से पटरी पर लाने के प्रयासों के बीच, विदेश मंत्री एस जयशंकर और अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने सोमवार को यहां वार्ता की। जयशंकर और रुबियो की मुलाकात कुआलालंपुर में दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) के वार्षिक शिखर सम्मेलन से इतर हुई। जयशंकर ने सोशल मीडिया एक 'पोस्ट' में लिखा कि कुआलालंपुर में आज सुबह विदेश मंत्री रुबियो से मिलकर खुशी हुई। हमारे द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर हुई चर्चा की सराहना की।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने के बाद से नई दिल्ली और वाशिंगटन के संबंधों में गंभीर तनाव पैदा हो गया है। इस शुल्क में रूसी कच्चे तेल की खरीद पर लगाया गया 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क भी शामिल है। भारत ने अमेरिका के इस कदम को अनुचित, असंगत और अविवेकपूर्ण बताया।

ऐसा समझा जाता है कि जयशंकर और रुबियो ने दोनों पक्षों के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर भी व्यापक चर्चा की। भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए अब तक पांच दौर की वार्ता पूरी हो चुकी है। एक अधिकारी ने बताया कि प्रस्तावित व्यापार समझौता बहुत जल्द होने वाला है। जयशंकर ने मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम, सिंगापुर के विदेश मंत्री विवियन बालाकृष्णन और थाईलैंड के विदेश मंत्री सिहासक फुआंगकेटकेओ के साथ रविवार को अलग-अलग बातचीत की। कुल 11 देशों वाले आसियान को इस क्षेत्र के सबसे प्रभावशाली समूहों में से एक माना जाता है जिसमें भारत, अमेरिका, चीन, जापान और ऑस्ट्रेलिया सहित कई अन्य देश इसके वार्ता साझेदार हैं।

कुआलालंपुर में आसियान के शिखर सम्मेलन में भाग लेते विदेश मंत्री जयशंकर और सदस्य देशों के प्रतिनिधि।

न्यूजीलैंड के पीएम, मलेशियाई विदेशमंत्री से भी मिले

कुआलालंपुर। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन और मलेशिया के विदेश मंत्री मोहम्मद हाजी हसन के साथ यहां अलग-अलग बैठकें कीं तथा द्विपक्षीय संबंधों और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की। ये बैठकें दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) के वार्षिक शिखर सम्मेलन से इतर हुईं, जिसके लिए जयशंकर कुआलालंपुर में हैं। लक्सन के साथ अपनी बैठक के दौरान, जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं दीं। विदेश मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हमारे द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने और मुक्त एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए उनकी (लक्सन की) प्रतिबद्धता का स्वागत है। जयशंकर ने अपने मलेशियाई समकक्ष हसन के साथ अपनी बैठक को गर्मजोशी भरा बताया और कहा कि दोनों विदेश मंत्रियों ने द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति पर चर्चा की। उन्होंने म्यांमार की स्थिति पर भी चर्चा की। विदेश मंत्री ने कहा कि उन्होंने हसन को आसियान और पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलनों की सफलता के लिए शुभकामनाएं भी दीं। रविवार को उन्होंने मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के साथ वार्ता की थी।

अगले साल क्वाड बैठक की उम्मीद

कुआलालंपुर। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने 'क्वाड' गठबंधन की बैठक अगले वर्ष की पहली तिमाही में होने की उम्मीद जताई है। उन्होंने चार देशों के इस समूह को एक महत्वपूर्ण मंच बताया। भारत इस वर्ष ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और जापान के नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने वाला था, लेकिन जापान में राजनीतिक उथल-पुथल और भारत-अमेरिका संबंधों में गतिरोध की वजह से इस वर्ष इस बैठक की उम्मीद बहुत कम है।

दिल्ली पुलिस ने तीन जालसाजों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने ऑनलाइन माध्यम से शेयर बाजार में निवेश का झांसा देकर 47 लाख रुपये से अधिक की ठगी का भंडाफोड़ कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। ये लोग एक चीनी नागरिक के निर्देश पर शेयर बाजार में निवेश की फर्जी योजनाओं के जरिये लोगों से धोखाधड़ी करते थे। एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि आरोपियों की पहचान बिहार के पटना निवासी साहिल यादव (25) और आर्यन (22), तथा बेगूसराय निवासी आशीष कुमार उर्फ 'जैक' (36) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि इन लोगों ने निवेशकों को ठगने के लिए नोएडा में एक फर्जी कार्यालय बनाया था। पुलिस ने बताया कि आरोपियों को चीन में बैठे 'टॉम' नामक एक आका से निर्देश मिलते थे, जिन्हें दिल्ली और नोएडा में गतिविधियों का काम देखने वाला आशीष कुमार आगे बढ़ाता था।

दक्षिण-पूर्व दिल्ली में ऑनलाइन दर्ज कराई गई एक प्राथमिकी की जांच के दौरान इन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। यह मामला एक सीए की शिकायत पर दर्ज किया गया था जिसमें कहा गया कि शेयर बाजार की एक नकली वेबसाइट के माध्यम से उनसे 47.23 लाख की ठगी की गई।

ब्रिटेन में भारतीय मूल की युवती से बलात्कार

लंदन, एजेंसी

- पुलिस ने 32 वर्षीय आरोपी युवक को किया गिरफ्तार
- नस्लीय हमला मानकर पुलिस कर रही मामले की जांच

ब्रिटेन के वेस्ट मिडलैंड्स इलाके में बीते सप्ताहांत भारतीय मूल की एक युवती (20) के साथ कथित तौर पर उसकी नस्ल के कारण बलात्कार किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि शनिवार रात हुई वारदात के बाद आरोपी की तलाश में कई जगह छापेमारी की गई, जिसके बाद सोमवार सुबह 32 वर्षीय एक युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। वेस्ट मिडलैंड पुलिस के मुताबिक, उसे शनिवार शाम वॉलसॉल के पार्क हॉल क्षेत्र में एक महिला के सड़क पर बेसुध अवस्था में पड़े होने की सूचना मिली।

पुलिस ने रविवार को कहा था कि वह महिला के साथ हुए अपराध की जांच नस्ली हमले के रूप में कर रही है। उसने एक श्वेत संदिग्ध का सीसीटीवी फुटेज जारी करते हुए उसका पता लगाने में लोगों से मदद की अपील की थी। मामले की जांच का नेतृत्व कर रहे डिटेक्टिव सुपरिंटेंडेंट (डीएस) रोनन ट्रायर ने कहा हमारी जांच की प्राथमिकता वह महिला है, जिस पर हमला हुआ। सिख फेडरेशन यूके ने स्थानीय लोगों के हवाले से कहा कि वॉलसॉल में अपनी नस्ल के कारण बलात्कार की शिकार हुई महिला पंजाबी मूल की है। संगठन ने कहा हमलावर ने उस मकान का दरवाजा तोड़ दिया, जहां पीड़िता रहती है।

वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस के सामने पिछले दो महीनों में 20 साल की उम्र की दो युवतियों के साथ उनकी 'नस्ल' के कारण बलात्कार किए जाने की घटनाएं सामने आई हैं। पिछले महीने वेस्ट मिडलैंड्स के पास ओल्डबरी क्षेत्र में एक ब्रिटिश सिख महिला से भी उसकी 'नस्ल' के कारण बलात्कार किए जाने की घटना सामने आई थी। पुलिस ने इस घटना के सिलसिले में कुछ संदिग्धों को गिरफ्तार किया था। हालांकि, बाद में उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया। ब्रिटिश सिख सांसद प्रीत कौर गिल और तनमनजीत सिंह धेसी ने क्षेत्र में महिलाओं के साथ इस तरह की हिंसक वारदात की पुनरावृत्ति की निंदा की। गिल ने कहा कि हमें नस्ल के कारण एक और महिला के साथ बलात्कार की घटना के बारे में जानकर गहरा दुख हुआ है। कहा कि हमारे क्षेत्र में महिलाओं के खिलाफ हिंसक घटनाओं का बार-बार होना, जो नस्ली नफरत के कारण और भी बढ़ जाती हैं, बेहद परेशान करने वाला है।

लॉस एंजिलिस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए उड़ानें रोकीं

लॉस एंजिलिस। अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया हवाई यातायात केंद्र में कर्मियों की कमी के कारण लॉस एंजिलिस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए उड़ान भरने वाले विमानों को कुछ समय के लिए रोक दिया गया। संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) ने यह जानकारी दी। एजेंसी ने शिकागो, वाशिंगटन और नेवार्क (न्यू जर्सी) में भी कर्मियों के कारण विमान परिचालन में देरी की सूचना दी। एफएए ने विश्व के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में शामिल हवाई अड्डे पर विमानों के परिचालन पर अस्थायी रोक लगा दी।

दक्षिण चीन सागर में दो अमेरिकी विमान क्रैश

वाशिंगटन, एजेंसी

- विमानवाहक पोत निमित्ज पर थे तैनात, चालकदल सुरक्षित
- दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए प्रशांत बेड़े ने शुरू की जांच

विमानवाहक पोत यूएसएस निमित्ज पर तैनात एक लड़ाकू विमान और एक हेलीकॉप्टर, दोनों ही 30 मिनट के अंतराल पर दक्षिण चीन सागर में दुर्घटनाग्रस्त हो गए। नौसेना के प्रशांत बेड़े ने यह जानकारी दी।

बेड़े ने एक बयान में कहा कि एमएच-60आर सी हॉक हेलीकॉप्टर के चालक दल के तीन सदस्यों को रविवार दोपहर बचा लिया गया, और एफ/ए-18एफ सुपर हॉर्नेट लड़ाकू विमान में सवार दो पायलट विमान से बाहर निकल गए और उन्हें सुरक्षित बचा लिया गया। बयान के अनुसार पांचों 'सुरक्षित और स्थिर स्थिति में हैं'। बयान में कहा गया है कि दोनों दुर्घटनाओं के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को तोक्यो जाते समय एयर फोर्स वन विमान में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि ये घटनाएं 'खराब ईंधन' के कारण हुई हो सकती हैं। उन्होंने किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार किया और कहा कि छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों के जवाब में अमेरिका की प्रतिक्रिया के तहत गर्मियों के अधिकांश समय पश्चिम एशिया में तैनात रहने के बाद, यूएसएस निमित्ज वाशिंगटन राज्य में नौसेना के बेस किट्सैप में अपने गृह बंदरगाह पर लौट रहा है। यह वाहक सेवामुक्त होने से पहले अंतिम तैनाती पर है। एक अन्य विमानवाहक पोत, हैरी एस. ट्रूमैन, हाल के महीनों में पश्चिम एशिया में तैनात रहने के दौरान कई दुर्घटनाओं का शिकार हुआ है।

फेसबुक पर गोपनीयता उल्लंघन पर जुर्माना भरेगा मेटा

सिडनी, एजेंसी

- ऑस्ट्रेलियाई उपयोगकर्ताओं के लिए पांच करोड़ डॉलर का फंड
- 8.7 करोड़ प्रोफाइलों से जुटाई गई थी निजी जानकारी

प्रौद्योगिकी कंपनी मेटा ने ऑस्ट्रेलिया में फेसबुक उपयोगकर्ताओं की गोपनीयता उल्लंघन से संबंधित मामले में पांच करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (लगभग 270 करोड़ रुपये) के मुआवज़ा फंड की घोषणा की है। यह ऑस्ट्रेलिया में गोपनीयता उल्लंघन के लिए अब तक का सबसे बड़ा भुगतान कार्यक्रम है।

करीब 3,11,000 ऑस्ट्रेलियाई फेसबुक उपयोगकर्ता इस फंड से मुआवज़े के पात्र हैं। पात्र दावेदारों के लिए दावा दर्ज करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2025 निर्धारित की गई है। इसी तरह के भुगतान कार्यक्रम अमेरिका में पहले ही शुरू हो चुके हैं। यह मुआवज़ा कैम्ब्रिज एनालिटिका प्रकरण से जुड़ा है, जिसमें 2010 के दशक में ब्रिटेन की एक डेटा कंपनी ने दुनिया भर के 8.7 करोड़ फेसबुक प्रोफाइलों से निजी जानकारी एकत्र की थी। अमेरिका में इस मामले में मेटा पर 5 अरब अमेरिकी डॉलर का जुर्माना लगाया गया था और 72.5 करोड़ डॉलर का मुआवज़ा योजना बनाई गई थी। ऑस्ट्रेलिया में, राष्ट्रीय गोपनीयता नियामक 'ऑफिस ऑफ द ऑस्ट्रेलियन इन्फॉर्मेशन कमिश्नर ने जांच में पाया था कि कैम्ब्रिज एनालिटिका ने निजी जानकारी लेने को दिस इज यॉर डिजिटल लाइफ नामक एप का इस्तेमाल किया था।

कौन कर सकता है दावा

वे उपयोगकर्ता जो 2 नवंबर 2013 से 17 दिसंबर 2015 के बीच फेसबुक पर सक्रिय थे, उस अवधि में कम से कम 30 दिन ऑस्ट्रेलिया में रहे और या तो लाइफ ऐप इंस्टॉल किया था या किसी ऐसे व्यक्ति के मित्र थे जिसने यह ऐप इंस्टॉल किया था, वे दावा करने के पात्र हैं। दो श्रेणियों में दावे किए जा सकते हैं। विशिष्ट आर्थिक या मानसिक क्षति के दस्तावेज़ी प्रमाण प्रस्तुत करने वाले उपयोगकर्ता और सामान्य असुविधा या शर्मिंदगी का दावा करने वाले उपयोगकर्ता, जिनके भुगतान अपेक्षाकृत कम होंगे।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 28 अक्टूबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-कार्तिक, पक्ष-शुक्ल पक्ष, षष्ठी 07 .59 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

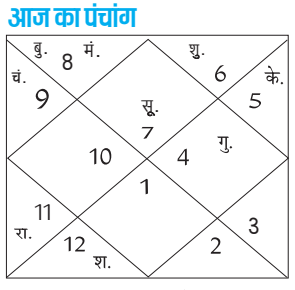

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- हेमंत। चन्द्रबल- मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन। ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद। नक्षत्र- पूर्वाषाढ़ा 15 .45 तक तत्पश्चात उत्तराषाढ़ा।

मेष आज इलेक्ट्रॉनिक्स के सामान खरीदने में धन खर्च कर सकते हैं। छात्र नए अनुभव और ज्ञान को सीखने में जोर लगाएंगे। आप नौकरी में अपनी स्वतंत्रता के साथ काम करना चाहेंगे। इस समय आप सिद्धांतों को अधिक महत्व देंगे।

वृष आज हर कार्य में जल्दबाजी और लापरवाही से बचना चाहिए। फोन और इंटरनेट में कुछ समस्या हो सकती है। वैवाहिक जीवन सामान्य रहेगा। व्यवसाय से जुड़े लोगों को अपने ग्राहकों के प्रति अच्छा भाव रखना चाहिए। शरीर में थोड़ी थकावट रहेगी।

मिथुन आज सहकर्मियों के साथ आपको काम करने में आसानी में होगी। पारिवारिक जीवन की कलह दूर होगी। आप लोगों की सहायता करने के लिए धन खर्च कर सकते हैं। व्यापार में आप बड़ा धन निवेश करेंगे। बुरी संगत से आपको बचना चाहिए।

कर्क आज उधार दिया हुआ धन वापस मिल सकता है। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें। किसी बड़े समारोह में सम्मिलित हो सकते हैं। आप समय रहते आप अपना कार्य पूर्ण करने का प्रयास करें। पिता के मार्गदर्शन से व्यवसाय में बढ़ोतरी होगी।

सिंह आज सरकारी नौकरी कर रहे लोगों को अधिकारियों की नाराजगी झेलनी पड़ेगी। घर में अशांति हो सकती है। विद्यार्थी अपनी शिक्षा को लेकर थोड़े परेशान रहेंगे। आपकी कार्यक्षमता में कमी आ सकती है। महत्वपूर्ण कार्यों में रोक लगने की आशंका है।

कन्या आज आपको संतान के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना चाहिए। श्वांस के रोग परेशान कर सकते हैं। कारोबार में सावधानी पूर्वक निवेश करें। कड़वे वचन बोलने से बचें। स्वभाव में लचीलापन बनाए रखें। एसिडिटी और गैस की समस्या हो सकती है।

तुला आज महत्वपूर्ण कार्य सरलता से बनते जाएंगे। अधिकारियों की नजर में आपकी छवि मजबूत होगी। प्रेम संबंधों में नजदीकी बढ़ेगी। अपने करियर को लेकर नई योजना बनाएंगे। कार्यक्षेत्र में आपको उत्तम सफलता मिलेगी।

वृश्चिक आज पूर्व में उधार दिया हुआ धन आपको वापस मिलेगा। भावुकता के बजाय बुद्धि से काम लें। धार्मिक कार्यक्रम में आप भाग लेंगे। आक्रामक भाषाशैली के कारण आपके संबंध बिगड़ सकते हैं। किसी पर भी अधिक विश्वास न करें।

धनु आज आपकी कार्यशैली में सुधार आएगा। आप नया ज्ञान सीखने का प्रयास करेंगे। बाहरी विवादों का असर आपके पारिवारिक जीवन पर पड़ सकता है। जॉब में विवाद शांत हो सकते हैं। तीर्थयात्रा की योजना बनाएंगे। अपनों से बड़ों का सम्मान करें।

मकर आज आपको जोखिम भरे कार्यों से दूर रहना चाहिए। नए संपर्कों से सावधान रहें। नया रोजगार आरंभ करने के लिए दिन सही नहीं है। उच्च अधिकारियों की अनदेखी के कारण आपको बुरा लगेगा। आपके मान-सम्मान में कमी आ सकती है।

कुंभ आज राजनीति से जुड़े जातकों को बड़ा राजनीतिक पद मिल सकता है। साझेदारी में चल रहे व्यवसाय में उच्च आर्थिक लाभ प्राप्त होगा। बच्चों के साथ बहुत अच्छा समय बिताएंगे। जीवनसाथी आपका अत्यधिक ध्यान रखेगा।

मीन आज अटके हुए काम समय पर पूर्ण होंगे। अचानक खर्चों में बढ़ोतरी होगी। नए प्रोजेक्ट्स को शुरू करने के लिए अच्छा दिन है। प्रेम संबंधों को लेकर विवाह में परिणित कर सकते हैं। मित्रों के साथ आपका समय अच्छा बीतेगा।

सुडोकू-143

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		1				2		
3				2				
2			5	6				
	8		9		7			
	9						7	
	2		3		4			
		4		9	3			
		6		7				
		2				1		

सुडोकू - 142 का हल

9	2	6	7	4	5	1	8	3
4	7	8	2	1	3	6	5	9
1	5	3	9	6	8	7	2	4
7	4	9	3	2	1	5	6	8
8	6	1	5	9	7	4	3	2
2	3	5	6	8	4	9	7	1
5	9	2	4	3	6	8	1	7
6	1	4	8	7	2	3	9	5
3	8	7	1	5	9	2	4	6

सूर्यकुमार यादव की बल्लेबाजी फॉर्म से मैं चिंतित नहीं हूं क्योंकि हमने अपने ड्रेसिंग रूम में बहुत अधिक आक्रामक रवैया अपनाया है। जब आप इस सोच को अपनाते हैं तो विफलताएं तो होती हैं। हमारा ध्यान किसी एक खिलाड़ी पर नहीं बल्कि पूरी टीम पर है।

-गौतम गंभीर

स्टेडियम

कानपुर नगर, मंगलवार 28 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

रियल मैड्रिड ने हार का सिलसिला तोड़ा

मैड्रिड : रियल मैड्रिड ने स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा के एक मैच में बार्सिलोना को 2-1 से हराकर अपने इस चिर प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ पिछले कुछ समय से चला आ रहा हार का सिलसिला तोड़ दिया। ला लीगा के वर्तमान सत्र में यह पहला अवसर था, जबकि दोनों टीम एक दूसरे के आमने-सामने थी। काइलियन एमबाप्पे और जूड बेलिंगहैम के गोल की मदद से रियाल मैड्रिड ने रविवार को जीत हासिल की जिससे इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ उसका चार मैचों से चला आ रहा हार का सिलसिला टूट गया। इस जीत से 10 राउंड के बाद रियाल मैड्रिड की बार्सिलोना पर लीग में बढ़त पांच अंक की हो गई। बार्सिलोना के पेड्री को अंतिम सीटी बजने से ठीक पहले मैदान से बाहर भेजे जाने के बाद दोनों टीमों के बेंच पर मौजूद खिलाड़ियों के बीच हाथापाई हो गई।

विश्व कप को यादगार बनाना चाहते हैं गुकेश

पणजी : विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले फिडे विश्व कप को यादगार बनाना चाहते हैं और इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भारतीय चुनौती की अगुवाई करने के लिए तैयार हैं। वैश्विक शतरंज कैलेंडर की सबसे महत्वपूर्ण प्रतियोगिताओं में से एक फिडे विश्व कप की 23 साल बाद भारत में वापसी हो रही है। यह टूर्नामेंट 31 अक्टूबर से 27 नवंबर तक उत्तरी गोवा के एक रिसॉर्ट में आयोजित किया जाएगा, जिसकी कुल पुरस्कार राशि 20 लाख अमेरिकी डॉलर होगी। प्रतियोगिता में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी के रूप में शुरुआत करने वाले गुकेश ने कहा मैं विश्व कप को लेकर बहुत उत्साहित हूं।

श्रीकांत करेंगे भारतीय चुनौती की अगुवाई

सारब्रुकन (जर्मनी) : स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत मंगलवार से सारब्रुकन में सारलैंडहाले में शुरू होने वाले हाइलो ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती की अगुवाई करेंगे। टूर्नामेंट के पहले राउंड में लक्ष्य पांचवीं सीड और डिफेंडिंग चैंपियन फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव से भिड़ेंगे। 24 साल के भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत भी पुरुष एकल ड्रॉ में शामिल होंगे। किदांबी श्रीकांत, जो मई में मलेशिया मास्टर्स में क्वालीफायर से टूर्नामेंट शुरू करने के बाद रनर-अप रहे थे, पहले राउंड में किरण जॉर्ज से भिड़ेंगे। इस साल बीडब्लयूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीतने वाले एकमात्र भारतीय यूएस ओपन चैंपियन आयुष शेट्टी भी टूर्नामेंट में पुरुष एकल ड्रॉ का हिस्सा हैं।

भोई ने भारोत्तोलन में जीता स्वर्ण पदक

नई दिल्ली/मनामा : भारत की प्रीतिस्मिता भोई ने एशियाई युवा खेलों 2025 में भारोत्तोलन में एक नया विश्व युवा रिकॉर्ड बनाकर इतिहास रचते हुए लड़कियों के 44 किलोग्राम क्लीन एंड जर्क वर्ग में 92 किलोग्राम का भार उठाकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। उन्होंने स्नैच सेक्शन में 66 किलोग्राम भार उठाकर रजत पदक भी जीता और कुल दो पदक हासिल किए। भोई ने अपने क्लीन जर्क अभियान की शुरुआत 87 किलोग्राम के सफल लिफ्ट से की, इसके बाद 90 किलोग्राम और अपने अंतिम प्रयास में 92 किलोग्राम भार उठाकर लड़कियों के 44 किलोग्राम वर्ग में नया विश्व युवा रिकॉर्ड बनाया। चीन की वू जिहोंग और फिलीपींस की प्रिंसेस जे एन डियाज़ क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं।

अनाहत कनाडा ओपन के क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली : मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन अनाहत सिंह ने अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखते हुए विश्व की 20वें नंबर की खिलाड़ी फ्रांस की मेलिसा अल्वेस को हराकर टोरंटो में चल रहे कनाडा ओपन स्क्वाश टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। विश्व में 43वें स्थान पर काबिज दिल्ली की 17 वर्षीय खिलाड़ी अनाहत ने रविवार को छठी वरीयता प्राप्त अल्वेस को 41 मिनट तक चले मुकाबले में 12-10, 12-10, 8-11, 11-2 से हराया। अनाहत का इस 96,250 अमेरिकी डॉलर इनामी पीएसए सिल्वर प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए अगला मुकाबला बेल्जियम की दूसरी वरीयता प्राप्त टिने गिलिस से होगा।

चोट लगने के बाद पैवेलियन लौटतीं प्रतिका रावल। एजेंसी

भारत को लगा बड़ा झटका चोटिल प्रतिका रावल बाहर

आईसीसी महिला विश्व कप : शेफाली वर्मा लेंगी उनकी जगह

नवी मुंबई, एजेंसी

फॉर्म में चल रही सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल घुटने और टखने की चोट के कारण सोमवार को आईसीसी महिला वनडे विश्व कप के बाकी मैचों से बाहर हो गईं जिससे भारतीय टीम को करारा झटका लगा है। शेफाली वर्मा को प्रतिका की जगह टीम में शामिल किया गया। शेफाली ने पिछला एकदिवसीय मैच एक साल पहले खेला था।

बांग्लादेश के खिलाफ डीवाई पाटिल स्टेडियम में भारत के अंतिम लीग मैच के दौरान प्रतिका का दाहिना टखना मुड़ गया था। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एक बयान में कहा बांग्लादेश के खिलाफ लीग मैच में क्षेत्ररक्षण करते समय प्रतिका रावल के दाहिने टखने में चोट लगने के बाद शेफाली वर्मा को उनकी जगह टीम में शामिल किया गया है।

21वें ओवर की आखिरी गेंद पर जब प्रतिका गेंद रोकने के लिए डीप मिडविकेट से दौड़ीं तो उनका दाहिना पैर गीले मैदान में फंस गया और वह दर्द से कराहते हुए गिर पड़ीं। एक स्ट्रेचर भी मैदान में लाया गया लेकिन यह 25 साल की खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ की मदद से मैदान से बाहर चली गईं। प्रतिका पूरे टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में रही हैं और उन्होंने छह पारियों में 51.33 के औसत से 308 रन बनाए हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला विश्व कप शतक लगाया। इस दौरान वह महिला वनडे में संयुक्त रूप से सबसे तेज 1000 रन बनाने वाली खिलाड़ी भी बनीं। प्रतिका ने शीर्ष क्रम में स्मृति मंधाना के साथ अच्छी भागीदारियां कीं। भारत बृहस्पतिवार को सेमीफाइनल में गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा जबकि फाइनल रविवार को होगा।

हरलीन देओल करें पारी का आगाज : मिताली राज

नवी मुंबई : पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज का मानना है कि सलामी बल्लेबाज प्रतीका रावल के स्थान पर गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले में हरलीन देओल को पारी की शुरुआत करने के लिए भेजा जाना चाहिए। प्रतीका रविवार को यहां बांग्लादेश के खिलाफ खेले गए मैच के दौरान फील्डिंग करते समय चोटिल हो गई थी। उनके दाहिने टखने में चोट लगी है। मिताली ने जियोस्टार पर कहा अब सवाल यह है कि अगर प्रतीका 30 तारीख को मैदान पर उतरने के लिए फिट नहीं होती हैं, तो स्मृति (मंधना) के साथ पारी की शुरुआत कौन करेगा। पहला विकल्प तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाली हरलीन देओल है क्योंकि वह अक्सर जल्दी बल्लेबाजी के लिए आती हैं और नई गेंद का सामना करने में सहज हैं। प्रतीका के चोटिल होने के बाद भारत ने बांग्लादेश के खिलाफ पारी की शुरुआत करने के लिए ऑलराउंडर अमनजोत कौर को भेजकर प्रयोग किया जिस पर मिताली ने हैरानी व्यक्त की। उनका मानना है कि यह मैच हरलीन के लिए सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना के साथ पारी का आगाज करने का शानदार मौका था। उन्होंने कहा हरलीन को पारी की शुरुआत करने के लिए भेजने का यह बहुत अच्छा मौका था। अमनजोत को पारी की शुरुआत करने के लिए भेजने का फैसला मेरी समझ से परे है। इसके बजाय उसे तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा जा सकता है। उमा छेत्री सलामी बल्लेबाज के लिए दूसरा विकल्प हो सकती है।

अंक तालिका

देश	मैच	जीत	हार	अनिर्णीत	अंक	रन रेट
ऑस्ट्रेलिया	7	6	0	1	13	2.102
इंग्लैंड	7	5	1	1	11	1.233
द.अफ्रीका	7	5	2	0	10	-0.379
भारत	7	3	3	0	7	0.628
श्रीलंका	7	1	3	3	5	-1.035
न्यूजीलैंड	7	1	4	2	4	-0.876
बांग्लादेश	7	1	5	1	3	-0.578
पाकिस्तान	7	0	4	3	3	-2.651

इस सत्र में किसी भी प्रतियोगिता में भाग नहीं लेंगी सिंधु

नई दिल्ली : दो बार की ओलंपिक पदक विजेता स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने यूरोपीय चरण से पहले पैर में लगी चोट से पूरी तरह उबरने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए 2025 के सत्र की बाकी बची बीडब्ल्यूएफ टूर प्रतियोगिताओं से हटने का फैसला किया है।

हैदराबाद की 30 वर्षीय शटलर ने कहा कि यह निर्णय उनकी सहयोगी टीम और चिकित्सा विशेषज्ञों से परामर्श करने के बाद लिया गया। इन चिकित्सा विशेषज्ञों में प्रसिद्ध खेल हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. दिनशॉ पारदीवाला भी शामिल हैं। सिंधु ने सोमवार को एक बयान में कहा अपनी टीम के साथ विचार-विमर्श करने और डॉक्टर पारदीवाला से सलाह लेने के बाद हमने महसूस किया कि मेरे लिए 2025 में शेष सभी बीडब्ल्यूएफ टूर प्रतियोगिताओं से हटना सबसे अच्छा होगा। उन्होंने कहा यूरोपीय चरण से पहले मेरे पैर में जो चोट लगी थी वह अभी तक पूरी तरह से ठीक नहीं हुई है। चोट लगना किसी भी खिलाड़ी के करियर का अहम हिस्सा होता है हालांकि इसे स्वीकार करना आसान नहीं होता है। इस तरह की परिस्थितियां आपके धैर्य की परीक्षा लेती हैं और आपको मजबूत होकर वापसी करने के लिए प्रेरित भी करती हैं।

कप्तान बावुमा की दक्षिण अफ्रीकी टीम में वापसी

जोहान्सबर्ग, एजेंसी

कप्तान तेम्बा बावुमा पिंडली की चोट से उबर गए हैं और उन्हें भारत के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए सोमवार को दक्षिण अफ्रीका की टीम में शामिल किया गया। यह सीरीज 14 नवंबर से शुरू होगी और इसके मैच गुवाहाटी और कोलकाता में खेले जाएंगे। बावुमा हाल ही में पाकिस्तान में हुई दो मैचों की सीरीज में नहीं खेल पाए थे। उस सीरीज में भाग लेने वाले अधिकतर खिलाड़ियों को टीम में बरकरार रखा गया है।

बावुमा मैच अभ्यास की कमी पूरा करने के लिए दो नवंबर से दक्षिण अफ्रीका ए और भारत ए के बीच बेंगलुरु में होने वाले चार दिवसीय मैच में भाग ले सकते हैं। इस मैच से ऋषभ पंत भी चोट से वापसी करेंगे। दक्षिण अफ्रीका ने साइमन हार्मर, केशव महाराज और सेनुरन मुथुस्वामी के रूप में अपने तीन प्रमुख स्पिनरों को टीम में शामिल किया है जिन्होंने पाकिस्तान में टर्निंग ट्रैक पर बड़ा प्रभाव डाला था और वे भारतीय बल्लेबाजों को उनकी धरती पर परेशान कर सकते हैं। यह देखना अभी बाकी है कि भारत किस तरह की पिचें तैयार करता है क्योंकि इस महीने की शुरुआत में वेस्टइंडीज के खिलाफ उसने पूरी तरह से टर्न लेने वाली पिचों का चयन नहीं किया था। कागिसो रबाडा, ऑलराउंडर कॉर्बिन बॉश, मार्को यानसन और वियान मुल्डर तेज गेंदबाजी विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे। पहला टेस्ट मैच 14 नवंबर को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में शुरू होगा जिसके बाद टीम गुवाहाटी जाएगी जहां एसीए स्टेडियम 22 नवंबर से अपने पहले टेस्ट मैच की मेजबानी करेगा।

- भारत के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला 14 नवंबर से

टीम

तेम्बा बावुमा (कप्तान), एडेन मार्करम, रेयान रिकेल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स, काइल वेरिन, डेवाल्ड ब्रेविस, जुबैर हमजा, टोनी डी ज़ोरज़ी, कॉर्बिन बॉश, वियान मुल्डर, मार्को यानसन, केशव महाराज, सेनुरन मुथुसामी, कागिसो रबाडा, साइमन हार्मर।

सूर्यकुमार यादव की फॉर्म चिंता की बात नहीं : गंभीर

नई दिल्ली : भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर टी-20 अंतर्राष्ट्रीय कप्तान सूर्यकुमार यादव की खराब फॉर्म से परेशान नहीं हैं क्योंकि जब टीम बहुत अधिक आक्रामक क्रिकेट खेलने पर ध्यान केंद्रित करती है तो विफलताएं मिलती हैं।

भारत ने पिछले महीने यूएई में सूर्यकुमार की कप्तानी में एशिया कप टूर्नामेंट जीता था, लेकिन भारतीय कप्तान की बल्लेबाजी फॉर्म कुछ खास नहीं रही क्योंकि वह सात पारी में सिर्फ 72 रन बना पाए। हालांकि मुख्य कोच ने सूर्यकुमार का समर्थन किया है।

गंभीर ने कहा ईमानदारी से कहूं तो सूर्यकुमार की बल्लेबाजी फॉर्म से मैं चिंतित नहीं हूं क्योंकि हमने अपने ड्रेसिंग रूम में बहुत अधिक आक्रामक रवैया अपनाया है। जब आप इस सोच को अपनाते हैं तो विफलताएं तो होती हैं। उन्होंने कहा सूर्यकुमार के लिए 30 गेंद पर 40 रन बनाना और आलोचना से बचना आसान होता लेकिन हमने मिलकर तय किया है कि इस तरीके को अपनाते हुए विफल होने में कोई समस्या नहीं है। जब सूर्यकुमार बल्ले से अच्छा प्रदर्शन करने के लिए जूझ रहे थे तब अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा जैसे खिलाड़ियों ने अपनी जबरदस्त बल्लेबाजी से टूर्नामेंट में धूम मचा दी।

श्रेयस अय्यर आईसीयू में भर्ती

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की वनडे टीम के उप कप्तान श्रेयस अय्यर को सिडनी के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच के दौरान पसलियों में लगी चोट के कारण आंतरिक रक्तस्राव के बाद वह फिलहाल गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में हैं। अय्यर ने बैकवर्ड प्वाइंट से पीछे की ओर दौड़ते हुए एलेक्स कैरी का शानदार कैच लिया था। ऐसा लगता है कि इस दौरान उनकी बाईं पसली में चोट लग गई थी और शनिवार को ड्रेसिंग रूम में लौटने के तुरंत बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अनुसार स्कैन से पता चला कि उनकी तिल्ली में चोट लगी है।

बीसीसीआई ने सोमवार को जारी बयान में कहा श्रेयस अय्यर की बाई पसली के नीचे के हिस्से में चोट लगी है। उन्हें आगे की जांच के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बयान के अनुसार स्कैन से पता चला है कि उनकी तिल्ली में चोट लगी है। उनका इलाज चल रहा है। उनकी हालत स्थिर है और वह स्वस्थ हो रहे हैं। बयान में कहा गया है बीसीसीआई की मेडिकल टीम सिडनी और भारत के विशेषज्ञों के परामर्श से उनकी चोट की स्थिति पर कड़ी नज़र रख रही है। भारतीय टीम के डॉक्टर श्रेयस की दैनिक प्रगति का आकलन करने के लिए उनके साथ सिडनी में रहेंगे।

इस बल्लेबाज को दो से सात दिन तक निगरानी में रखा जाएगा। इस घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा श्रेयस पिछले दो दिन से आईसीयू में भर्ती है। रिपोर्ट आने के बाद आंतरिक रक्तस्राव का पता चला और उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा।

उन्होंने कहा उनकी स्थिति को देखते हुए उन्हें दो से सात दिनों तक निगरानी में रखा जाएगा, क्योंकि रक्तस्राव के कारण संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए ऐसा करना जरूरी है।

ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स कैरी का कैच लेते समय चोट लगने के बाद दर्द से कराहते श्रेयस अय्यर। एजेंसी

जानलेवा हो सकती थी भर्ती कराने में देरी

ड्रेसिंग रूम में लौटने पर अय्यर की स्थिति का आकलन करने के बाद बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने उन्हें तुरंत ही अस्पताल में भर्ती करने का फैसला किया। सूत्र ने कहा टीम के डॉक्टर और फिजियो ने कोई जोखिम नहीं उठाया और उन्हें तुरंत अस्पताल ले गए। अब हालत स्थिर है, लेकिन यह जानलेवा हो सकता था। वह एक मजबूत खिलाड़ी हैं। वह जल्द ही ठीक हो जाएंगे। शुरुआत में अय्यर के लगभग तीन सप्ताह तक खेल से बाहर रहने की उम्मीद थी, लेकिन अब उन्हें पूरी तरह फिट होने में अधिक समय लग सकता है। आंतरिक रक्तस्राव हुआ है, इसलिए उन्हें पूरी तरह फिट होने में अधिक समय लग सकता है। अभी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में उनकी वापसी के लिए कोई निश्चित समयसीमा निर्धारित करना मुश्किल है। इस 31 वर्षीय खिलाड़ी को भारत वापस जाने के लिए फिट घोषित किए जाने से पहले कम से कम एक हफ़्ते तक सिडनी के अस्पताल में रहना होगा। अय्यर भारतीय टी20 टीम का हिस्सा नहीं हैं।

- ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच के दौरान पसलियों में लगी थी चोट

रणजी ट्रॉफी | तीसरे दिन हुआ केवल 42 ओवर का खेल, ओडिशा पर ली 137 रनों की बढ़त

बारिश बनी उत्तर प्रदेश की जीत में रोड़ा, फैसला आज

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। ओडिशा के खिलाफ जीत की ओर अग्रसर उत्तर प्रदेश रणजी टीम को बारिश ने झटका दिया है। पहले दिन 17 रनों की लीड हासिल कर चुकी मेजबान उप्र टीम तीसरे दिन केवल 42 ओवर ही खेल सकी, जिसके बाद बारिश से दिन का खेल रद्द करना पड़ा।

इससे पहले ओडिशा की पहली पारी 243 पर सिमट गई थी। कप्तान करन शर्मा और आराध्य यादव के शतकों के दम पर उप्र 128 ओवरों में छह विकेट पर 380 रन बनाकर 137 रनों की बढ़त हासिल कर चुका है। विकेट पर इस समय विप्रज निगम 14 और आराध्य यादव 101 रनों पर रिटायर्ड हर्ट होने के बाद दोबारा वापसी कर चुके हैं। मंगलवार को मैच का आखिरी दिन है और उप्र पूरी कोशिश करेगी कि लंच तक तेजी से स्कोर बनाकर ओडिशा को बल्लेबाजी के लिए बुलाए और उसे ऑलआउट कर पहली जीत हासिल करे।

मैच के तीसरे दिन 82 ओवर में तीन विकेट पर 262 रनों से आगे खेलने उतरी उप्र टीम के दोनों बल्लेबाजों करन शर्मा और आराध्य यादव ने अपने शतक पूरे किए। शतक पूरा करते ही आराध्य 101 रनों पर रिटायर हर्ट हुए। उन्होंने करन के साथ 194 रनों की साझेदारी की। उधर बड़े स्कोर की तरफ पर बढ़ रहे करन को बादल ने विकेटकीपर आशीर्वाद से स्टम्पिंग कराकर टीम को बड़ी सफलता दिलायी। करन 276 गेंदों में 12 चौकों की मदद से 121 रन बनाकर आउट हुए। प्रशांतवीर भी छह रन बनाकर रनआउट हुए। जबकि प्रियम गर्ग 31 रनों पर सुमित शर्मा का शिकार हुए।

बारिश के कारण खेल रोके जाने तक विप्रज निगम 22 गेंदों में 14 रन बनाकर खेल रहे थे। ओडिशा से संबित ने तीन, बादल और सुमित को एक-एक सफलता हासिल हुई है।

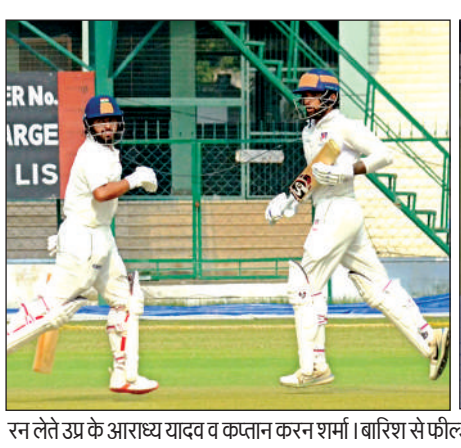

रन लेते उप्र के आराध्य यादव व कप्तान करन शर्मा। बारिश से फील्ड को बचाने के लिए कवर करते स्टेडियम कर्मी। अमृत विचार

पृथ्वी शॉ ने जड़ा तीसरा सबसे तेज दोहरा शतक

चंड़ीगढ़ : सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में किसी भारतीय बल्लेबाज की ओर से तीसरा सबसे तेज दोहरा शतक जड़ा जिससे महाराष्ट्र ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप बी मैच के तीसरे दिन सोमवार को यहां चंडीगढ़ को 464 रन का लक्ष्य दिया। पृथ्वी ने महाराष्ट्र की दूसरी पारी में सिर्फ 141 गेंद में दोहरा शतक जड़ा। भारतीय बल्लेबाजों में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पृथ्वी से तेज दोहरा शतक अब सिर्फ रवि शास्त्री (123 गेंद में, बड़ौदा के खिलाफ 1985 में) और तन्मय अग्रवाल (119 गेंद, अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ 2004 में) के नाम दर्ज है। महाराष्ट्र के पृथ्वी ने 156 गेंदों में 29 चौकों और पांच छक्कों से 222 रनों की पारी खेली।

भारतीय बैडमिंटन व टेबल टेनिस खिलाड़ी आगे बढ़े

युवा एशियाई खेल

बहरीन, एजेंसी

भारतीय खिलाड़ियों ने युवा एशियाई खेलों (एवाईजी) में बैडमिंटन और टेबल टेनिस स्पर्धाओं में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। जिनमें से कई प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए जबकि तीन गुणा तीन बास्केटबॉल टीम को ईरान के हाथों क्वार्टर फाइनल में 10-15 से हार का सामना करना पड़ा।

बैडमिंटन में लड़कियों के एकल वर्ग में वेन्नाला कलागोटला ने राउंड 32 में श्रीलंका की नेथमी रत्नायके को 23-21, 21-10 से हराया जबकि लड़कों के एकल वर्ग में टंकारा तलासिला ने सिंगापुर के टी काई को 21-15, 21-15 से हराकर प्री-क्वार्टर फ़ाइनल में जगह बनाई। परम चौधरी और आन्या बिष्ट की मिश्रित युगल जोड़ी पहले दौर में दक्षिण कोरिया की ना सियोन जे और किम बोहये से 8-21, 15-21 से हार गई। भारतीय मुक्केबाजों के लिए दिन मिला-जुला रहा जिसमें लैंचेनबा सिंह मोइबुंगखोंगबाम ने 50 किग्रा लड़कियों के क्वार्टर फाइनल में फिलीपींस की आम्या जेफरसन को 4-1 से हराया जबकि देवेंद्र चौधरी 75 किग्रा क्वार्टर फाइनल में चीन की गुआन यिवेन से 5-0 से हार गए। साइकिलिंग में आदित्य जाखड़ छठे स्थान पर रहे जबकि हैंडबॉल में भारतीय लड़कियों ने ग्रुप ए में हांगकांग-चीन को आसानी से 22-12 से हरा दिया। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों के लिए दिन अच्छा रहा जिसमें सार्थक आर्य और सिंड्रेला दास ने मालदीव के नफीज ऐशथ और मोहम्मद रफीउ को 11-6, 11-3, 11-4 से हराकर मिश्रित युगल के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।